



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रकाशित से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 8, 1993 (वैशाख 18, 1915)  
No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 8, 1993 (VAISAKHA 18, 1915)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं  
सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and  
Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक  
केन्द्रीय कार्यालय  
बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1993  
सूचना

भारतीय स्टेट बैंक (सहयोगी बैंक) अधिनियम 1959 की धारा 29 के निबन्धानुसार भारतीय स्टेट बैंक ने स्टेट बैंक आफ वीकनर एण्ड जाम्पुर के निदेशक बोर्ड से मरामरी करके तथा भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन से श्री सुप्रिय गुप्ता के स्थान पर श्री एम० कृष्णामूर्ति को दिनांक 14 अप्रैल 1993 से 28 फरवरी 1995 (दोनों दिन सम्मिलित) तक के लिए स्टेट बैंक आफ वीकनर एण्ड जाम्पुर के प्रबन्ध निदेशक के पद पर नियुक्त किया है ।

ह० अपठनीय  
अध्यक्ष

स्टेट बैंक आफ हैदराबाद  
प्रधान कार्यालय  
हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1993  
बोर्ड ज्ञापन सं० बीएम-स्टे बेंहे 1992 का अनुलग्नक  
अनुबन्ध

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 (1959 का 38) के अधीन बनाए गए समनुषंगी बैंक सामान्य विनियम, 1959 के विनियम 55 (1) के अनुसरण में स्टेट बैंक आफ हैदराबाद का बोर्ड एतद् द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को संयुक्त रूप से अथवा अलग-अलग रूप से निम्नलिखित करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

1. बैंक के नाम में रखे हुए या बैंक द्वारा धारित वचन-पत्रों, स्टॉक रसीदों, स्टॉक डिबेंचरों, शेयरों, प्रतिभूतियों एवं माल पर हक दस्तावेजों की पूर्णांकित एवं अंतरित करना,

विनियम बिलों, चेकों की आहूति एवं स्वीकार करना। साख पत्रों को जारी करना एवं पुष्टि करना, बैंक के चालू एवं प्राधिकृत व्यवसाय में गारंटी और क्षतिपूर्तियों पर हस्ताक्षर करना तथा ऐसे व्यवसाय या बैंक के चालू अथवा प्राधिकृत व्यवसाय से संबद्ध अन्य सभी पत्रों, सूचनाओं, लेखों, रसीदों व दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना

1. प्रबन्ध निदेशक
2. मुख्य महाप्रबन्धक
3. महा प्रबन्धक
4. मुख्य सतर्कता अधिकारी
5. उप महाप्रबन्धक
6. सहायक महाप्रबन्धक
7. क्षेत्रीय प्रबन्धक
- \*8. मुख्य प्रबन्धक
- \*9. प्रशासनिक कार्यालयों के प्रबन्धक
10. शाखा प्रबन्धक
11. शाखाओं में प्रबन्धक (लेखा)/उप प्रबन्धक (लेखा)/सहायक प्रबन्धक (लेखा)
12. प्रभागों के प्रबन्धक
13. उप प्रबन्धक, निधि प्रबन्धन कक्ष

विशेष संज्ञा—विधि सुरक्षा एवं इंजीनियरिंग के अधिकारियों को छोड़कर, ऊपर संदर्भित प्रबन्ध निदेशक एवं अन्य अधिकारियों तथा (शाखाओं में उप प्रबन्धक (ऋण), सहायक प्रबन्धक (ऋण), को एतद्वारा निम्नलिखित रूप में समनुषंगी बैंक सामान्य विनियम, 1959 के विनियम 55 के साथ पठित विनियम 56 में उल्लिखित अधिकारों का प्रयोग करने का अधिकार दिया जाता है :—

- (1) वाद-पत्रों, लिखित विवरणों, याचिकाओं एवं आवेदन-पत्रों पर हस्ताक्षर करना एवं सत्यापन करना
- (2) शपथपत्र की शपथ लेना/पुष्टि करना
- (3) बांडों पर हस्ताक्षर करना, मुहर लगाना एवं उन्हें सुपुर्द करना
- (4) सामान्यतः बैंक की ओर से विधिक कार्यवाहियों से संबंधित सभी अन्य दस्तावेजों को तैयार करना एवं उन्हें पूरा करना।

2. बैंक के नाम में रखे गये अथवा बैंक द्वारा धारित माल पर हक दस्तावेजों को पृष्ठांकित एवं अंतरित करना, विनियम बिलों और चेकों को अहूति, स्वीकार एवं पृष्ठांकित करना। बैंक के चालू एवं प्राधिकृत व्यापार में साख पत्रों को जारी करना, पुष्टि करना एवं अंतरित करना तथा ऐसे व्यवसाय से संबद्ध सभी अन्य पत्रों, सूचनाओं, लेखों, रसीदों एवं दस्तावेजों को हस्ताक्षरित करना।

- (1) शाखाओं के सभी उप प्रबन्धक/सहायक प्रबन्धक।
- (2) प्रशासनिक कार्यालयों के उप प्रबन्धक/सहायक प्रबन्धक।

3. (1) बैंक के लिए ओर बैंक की ओर से मांग पत्रों सूचमाओं और पत्राचार पर हस्ताक्षर करना।
- (2) वाद-पत्रों, लिखित विवरणों, याचिकाओं, आवेदनों, अभ्यावेदनों, अपीलों, ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना, शपथ लेना, सत्यापन करना या पुष्टि करना
- (3) बांडों पर हस्ताक्षर करना, मुहर लगाना एवं सुपुर्द करना।
- (4) किसी भी न्यायालय, अधिकरण, प्राधिकरण, अधिकारी आदि चाहे वह सिविल, आपराधिक, राजस्व या अन्यथा हो, के समक्ष विधिक कार्यवाही मूल्यांकन कार्यवाही न्यायनिर्णयन आदि, जिसमें बैंक एक पार्टी के रूप में या अन्यथा रुचि रखता हो, से सम्बद्ध सभी दस्तावेजों पर सामान्य रूप से हस्ताक्षर करना।

प्रशासनिक कार्यालयों के मुख्य प्रबन्धक (विधि), प्रबन्ध (विधि), उप प्रबन्ध (विधि) और सहायक प्रबन्ध (विधि)।

4. उनके द्वारा निपटाए जा रहे मामलों के सम्बन्ध में अंतर कार्यालय/अंतर विभागीय पत्राचार और बाहरी एजेंसियों को भेजे जाने वाले पत्रों पर हस्ताक्षर करना।

प्रशासनिक कार्यालयों के मुख्य प्रबन्धक (सुरक्षा/इंजीनियरिंग), प्रबन्धक (सुरक्षा/इंजीनियरिंग) उप प्रबन्धक (सुरक्षा इंजीनियरिंग), सहायक प्रबन्धक (सुरक्षा/इंजीनियरिंग)

5. शाखाओं में तीसरे लाइन (थर्ड लाइन) अधिकारियों के रूप में कार्यरत सहायक प्रबन्धक रु० 50,000/- तक की राशियों के ड्राफ्टों पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

6. शाखाओं में थर्ड लाइन अधिकारियों के रूप में कार्यरत उप प्रबन्धक रु० 1,00,000/- तक की राशियों के ड्राफ्टों पर हस्ताक्षर कर सकते हैं

7. दान (चैरिटी) आयुक्त व आय कर एवं संपदा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत विवरणों तथा ऐसे व्यवसाय से संबद्ध पत्रों, सूचनाओं, लेखों एवं रसीदों पर हस्ताक्षर करना।

मुख्य महाप्रबन्धक  
महाप्रबन्धक  
उप महाप्रबन्धक  
सहायक महाप्रबन्धक (वित्त एवं लेखा)

8. बैंक द्वारा प्रबंधित किए जा रहे ऋणों एवं डिबेंचरों इ.के न्याज वारंटों एवं लाभांश वारंटों तथा ऐसे ऋणों एवं डिबेंचरों के प्रबन्धन से सम्बद्ध पत्रों, सूचनाओं, लेखों एवं रसीदों पर हस्ताक्षर करना।

मुख्य महाप्रबन्धक  
महाप्रबन्धक  
उप महाप्रबन्धक  
सहायक महाप्रबन्धक  
मुख्य प्रबन्धक  
शाखा प्रबन्धक  
शाखाओं में प्रभागों के प्रबन्धक  
प्रबन्धक (लेखा)  
उप प्रबन्धक (लेखा)  
सहाय प्रबन्धक (लेखा)

9. माल पर हूक दस्तावेजों को छोड़कर चेकों, बिलों, ड्राफ्टों एवं अन्य परकाय्य लिखतों को पृष्ठांकित करना।

विशेष सहायक

10. रु० 15,000/- के और इस सीमा तक के (नकदी लेनदेनों के लिए) तथा रु० 25,000/- के और इस सीमा तक के (अंतरण लेनदेनों के लिए) सरकारी एवं अन्य जमा बाउचरों की पावती देना।

विशेष सहायक

11. एक प्राधिकृत व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से रु० 15,000/- के और इस सीमा तक के सरकारी एवं अन्य जमा बाउचरों की पावती देना।

प्रधान रोकड़िया

12. रु० 3,000/- के और इस सीमा तक (नकदी लेनदेनों के लिए) और रु० 7,500/- के और इस सीमा तक (अंतरण लेनदेनों के लिए) के सरकारी एवं अन्य जमा बाउचरों की पावती देना।

प्रधान लिपिक

13. रु० 1,000/- के और इस सीमा तक के जमा बाउचरों की पावती देना।

टेल्सर

हस्ताक्षर करने के अधिकारों से संबद्ध वर्तमान अधिसूचनाएं उपर्युक्त आशोधनों के अधीन और इस सीमा तक जब तक कि वे उस आशोधन में सम्मिलित किसी विषय के अनुरूप न हों, प्रचलित रहेंगी।

बोर्ड के आदेश द्वारा

रु०/- अपठनीय

प्रबन्ध निदेशक

इलाहाबाद बैंक

विधि विभाग

कलकत्ता-700 001, दिनांक 28 दिसम्बर 1992

सं० एच० ओ० लीगल 333/1137—बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अभिग्रहण और अंतरण) अधिनियम 1970

(1970 का 5) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इलाहाबाद बैंक का निदेशक मंडल, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से और केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से एतद् द्वारा इलाहाबाद बैंक अधिकारी कर्मचारी आचरण विनियम, 1976 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है।

2. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन विनियमों को इलाहाबाद बैंक अधिकारी/कर्मचारी (आचरण), (संशोधन) विनियम 1972 कहा जाएगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3. इलाहाबाद बैंक अधिकारी कर्मचारी (आचरण) विनियम, 1976 में, (क) विनियम 5 के उप विनियम (2) के परन्तुक में "सक्षम प्राधिकारी को" शब्दों के बाद "नियोजन का प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन महीने के अंदर" शब्द जोड़े जाएंगे,

(क) विनियम 5 के उप विनियम (2) के परन्तुक में "सक्षम प्राधिकारी को" शब्दों के बाद "नियोजन का प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन महीने के अंदर" शब्द जोड़े जाएंगे,

(ख) विनियम 14, उप विनियम (1) के स्पष्टीकरण में टिप्पणी (2) को निकाल दिया जाएगा,

(ग) विनियम 20 के उप विनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात्—  
“(2) प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी प्रतिवर्ष 31 मार्च, तक की स्थिति के अनुसार अपनी असुलभ परि-सम्पत्तियां जैसे भूयों, डिबेंचरों सहित चल, अचल और मूल्यवार संपत्ति की एक विवरणी बैंक को उसी वर्ष जून के 30वें दिन के पहले प्रस्तुत करेगा।”

डी० पी० घोष

सहायक महाप्रबन्धक (विधि)

टिप्पणी: पूर्व अधिसूचना :

- (1) विनियम 20(4) प्रकाशन की तिथि 14-5-88
- (2) विनियम 6(4) प्रकाशन की तिथि 17-2-90
- (3) विनियम 21 प्रकाशन की तिथि 17-2-90

अभ्य मंत्रालय

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1993

सं. 2/1959/डी. एल. आई. /एकजाम/89/भाग-1/1616—जहाँ मैसर्स उ. प्र. राज्य खनिज विकास निगम लि., प्रगति केन्द्र द्वितीय तल अलीगंज लखनऊ (यू.पी./4962) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के

अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्विकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या एस.-35014/87/83-पी.एफ. 2 दिनांक 19-7-83 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन में उक्त स्थापना को और 9 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, दिनांक 19-7-86 से 18-7-89, 19-7-89—18-7-92 और 19-7-92 से 18-7-95 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 18-7-95 भी शामिल है।

#### अनुसूची-I

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सूचिधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निरीक्षण करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संघाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संघाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संघाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का धहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा

और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्विशेषों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संघाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का मुक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संघाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यस्क हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संघाय में किए गए किसी व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्विशेषों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संघाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्काय नाम निर्विशेषों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त



प्लस, चानक्यापुरी, नई दिल्ली-110021 (डो.एल./4120) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

श्रीकै. मं., बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मं., बी. एन. सोम, उक्त स्थापना को उल्लिखित पिछली तारीख में प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष तक की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संभालन की छूट देता है। (दिनांक 1-12-88 से 30-11-91 तक)

#### अनुसूची-

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसमें इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी भी तारीख के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंधित राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंधित होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना विधिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी शर्त से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सूचित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/1632—जहां मैसर्स रिजेंसी सेरेमिक्स लिमिटेड., गानम 533464, विज्ञापनपटनम (ए.पी./18610) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952

(1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1 दिनांक 30-7-92 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, दिनांक 1-2-93 से 31-1-96 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 31-1-96 भी शामिल है।

#### अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसमें इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे सेवा रहेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के तहत-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत जंजाबों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, सेवाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुर नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समीक्षित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक

बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो या उक्त स्कीम के अधीन अनुकूल है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवाय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवाय हासिल जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्वाचितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिस स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो यह रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्वाचितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्काार नाम निर्वाचितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

-----

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/1640—जहाँ मैसर्स कलर आईकेम प्रा. लि., 90-एफ.आई.डी., ए. जेडीमेटला हैदराबाद (ए.पी./19658) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1 दिनांक 12-5-92 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम उक्त स्कीम के सभी उप-बन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, दिनांक 1-3-93 से 29-2-96 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 29-2-96 भी शामिल है।

### अनुसूची-I

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सूविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निवेष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम की प्रस्तावना में, जिसकी अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हान भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेद्य क्षेत्रीय उच्च उच्च उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को पतिवृत्त के रूप में दोनों राशियों के उत्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यत्नयुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को भी यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तर-दायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 अप्रैल 1993

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/1648—जहां सिसर् ए. के. आटोमैटिक्स, हिसार रोड, रोहतक-124001 (हिण्डिया) (एच.आर.-1232) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी स्कीम अर्थात् अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किंवा द्वितीय जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक जीवन स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा तथा इसके मध्य संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन.

सोम, उक्त स्थापना को उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त हरियाणा ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम में संचालन की छूट देता हूँ (दिनांक 1-11-87 से 31-10-90 और 1-11-90 से 31-10-93 तक)।

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसको पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समीचीन रूप से वृद्धि-किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेष है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी गति के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी गति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वृत्ति में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तर-दायित्व नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक मास के भीतर स्निहित करेगा।

बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एन. आई./एकजम/89/भाग-1/1656—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अनग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निशेप सहबन्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना

संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अन्तर्ण में तथा संलग्न अनुसूची-II में निर्धारित शर्तों के रहते हुए भी, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम

के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता है, जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

## अनुसूची-I

क्रम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	स्थापना को छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार की अधिसूचना की सं० तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिए और छूट दी गई है	के०भ०नि०प्रा० का सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कोर लि० प्रा० आ० पेट्रोकेमिकल्स, जिला बड़ौदा-391346	जीजे/5256	एस-35014/13/87-एस एस-II दि० 9-2-87	30-7-88	31-7-88 से 30-7-91 तथा 31-7-91 से 30-7-94	2/386/80/डी० एल० आई०
2.	मै० फारमसन्स अलेलाइसिस प्रा० लि० शंकर भवन, सायाजी गंज, बड़ौदा-390005	जीजे/10826	2/1959/डी एल० आई० एक्सम/89/भाग-1 दि० 19-1-90	31-3-91	1-4-91 से 31-3-94	2/2500/90/डी० एल० आई०
3.	मै० गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स कं० लि० (पोलोमस यूनिट) गिरीराज अपार्टमेंट्स रेसकोर्स सफिल, बड़ौदा-390007	जीजे/10985	2/1959/डी एल० आई० एक्सम/89/भाग-1 दि० 2-3-90	28-2-90	1-3-90 से 28-2-93	2/365/79/डी० एल० आई०
4.	मै० स्पेशल इंजीनियरिंग (हलोज) प्रा० लि० जेटैक्स कम्पाउन्ड प्रतापपुरा, हलोल-389350	जीजे/14687	2/1959/डी एल० आई०/एक्सम/89/भाग-1 दि० 4-4-91	28-2-90	1-3-90 से 28-2-93	2/3413/91/डी० एल० आई०

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिस इंसमें इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क में अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुत संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाध स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से गृहीत किया जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए

सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुश्रेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जब यह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/राम निदेशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस निगम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम निर्धारित करे, प्रीमियम का संदाय करने में अग्रपल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम की संदाय में किये गये किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निदेशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न हो रही होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार

नाम निवेशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/1664—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्तताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोइ अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-II में निर्धारित शर्तों के रहने हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के मंत्रालय से प्रत्येक उक्त स्थापना के और 2 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

#### अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	भारत सरकार के अधिसूचना में प्रकाशित छूट की दिनांक व सं०	छूट की समाप्ति व अवधि	वर्ष अवधि जिसके के०स०नि०आ० लिए छूट बढ़ाई गई	फा० सं०
1.	मै० निसोमरिंग ट्रांसपोर्ट कारपो० लि० नागरगोव	टीएन/16775	एम-35014/108/83/पी एफ दिनांक 23-2-87	26-8-89	27-8-89 26-8-92	2/877/83/डी एल आई
2.	मैपर्स नेशनल को-ऑपरेटिव गार मिलस लि० ए-2731 महट्टपाटी, मयुराई	टीएन/5982	एम-35014/57/84/पी एफ० दिनांक 11-7-84	31-3-89	1-4-89 31-3-92	2/53177/डी एल आई
3.	मै० तूतीकोरिन स्टेडीरस एसो-सिएशन इंडियन चेम्बर विल्डिंग, 84 डी, साउथ राजा स्ट्रीट; तूतीकोरिन-628002	टीएन/20328	2/1959/डी.एल.आई/छूट/80/पार्ट-1 दिनांक 22-3-90	31-3-90	1-4-92 31-3-95	2/2343/89/डी एल आई
4.	मैसर्स अन्ना कोप० सपी मिलस लि०, अन्वीपट्टी-626512	टीएन/20443	2/1959/डी.एल.आई./छूट/89/पार्ट-1 दिनांक	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/3293/90/डी एल आई
5.	मै० बिरुबुनगर टैक्सटाईल्स मिल्स लि० पा० बा नं 39, बिरुबुनगर, रमानडू, जिला-626002	टीएन/293	2/1959/डी.एल.आई./छूट/89/पार्ट-1 दि० 9-12-91	8-9-91	9-9-91 8-9-94	2/448/91/डी०एल०आई

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वह संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संशोधन राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संशोधन होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वह क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व

कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जान दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिगत वश में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

-----

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/1672—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

क्योंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम. मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संस्था तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में-II

निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, जैसा कि संलग्न के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

## अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम व पता	कोड सं.	स्थापना की छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की सं. तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिए और छूट दी गई है।	के.भ.नं.आ. फा. सं.
1	2	3	4	5	6	7
1.	श्री गणप्रति मिल्स कं. लि., संगार नगर, तिरुनवेली-627357	टीएन/273	2/1959/डी.एल.आई./एक्सम/89/भाग-1, दिनांक 14-3-90	31-10-91	1-11-91 से 31-10-94	2/2443/90/डी.एल.आई.
2.	मै. फैनर इरिया लि., कोचोकर, मदुरै-625001	टीएन/940	एस/35014/16182/भाग-1, दिनांक 21-4-86	17-9-91	18-9-91 से 17-9-94	2/436/80/डी.एल.आई.
3.	मै. श्री शिवाकामी मिल्स लि., तेनुर, सामायनसुर, पा.आ. मदुरै	टीएन/1707	2/1959/डी.एल.आई./एक्सम/89/दिनांक 10-7-91	3-9-91	4-9-91 से 3-9-94	2/591/80/डी.एल.आई.
4.	मै. भुवनेश्वरी टेक्सटाइल्स प्रा. लि., थाडोकमवु डिन्डीगुल, डि. के.-6424709	टीएन/7692	2/1959/डी.एल.आई./एक्सम/89/भाग-1, दिनांक 26-2-90	18-3-92	19-3-92 से 18-3-95	2/604/81/डी.एल.आई.
5.	मै. एम. के. वी. के. टाइटल्स, दिम्बर मन्नेट, पनुर चैतरम-627800	टीएन/10467	2/1959/डी.एल.आई./एक्सम/89/दिनांक 12-12-90	28-2-90	1-3-90 से 28-2-93	2/3098/90/डी.एल.आई.
6.	मै. सत्यन इंजीनियरिंग कं., 12-बी.सी. बंगलो, स्ट्रीट, पैटार्ड-तिरुनवेली-627004	टीएन/11271	2/1959/डी.एल.आई./एक्सम/89/दिनांक 27-2-90	30-11-91	1-12-91 से 30-11-94	2/2359/90/डी.एल.आई.
7.	मै. सुबुराज काटन मिल्स श्री निजुपुनुर रोड, राजापल्लयम-626117	टीएन/17268	2/1959/डी.एल.आई./एक्सम/89/भाग-1, दिनांक 14-3-90	31-10-91	1-11-91 से 31-11-94	2/2922/90/डी.एल.आई.
8.	मै. अरविन्द स्पोर्ट्स प्रा. लि., 41-ए, गेरमाडनो रोड, पा.आ. 15, थोरुनवेली-627008	टीएन/20248	2/1959/डी.एल.आई./एक्सम/89/भाग-1, दिनांक 24-9-90	28-2-90	1-3-90 से 28-2-93	2/2922/90/डी.एल.आई.
9.	मै. जी. वी. जी. इण्डस्ट्रीज लि., समुद्रपट्टी, पल्लकनुथु, पोस्ट डिन्डीगुल, ताल्लुक तथा इस्की शाखाएं।	टीएन/20395	2/1959/डी.एल.आई./एक्सम/89/भाग-1, दिनांक 14-3-90	31-1-92	1-2-92 से 31-1-95	2/2447/90/डी.एल.आई.



## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसमें इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समस्त-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंधे राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंधे होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, यहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पॉलिसी को ध्वजगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

-----

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/1680—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी को बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-II में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-I में) उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गुजरात ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत स्वीकृत प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संबंधन की छूट देता हूँ।

## अनुसूची—1

क्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1	2	3	4	5
1.	पोली क्राफ्ट मशीन्स जय भारत रंगशाला कम्पाउन्ड वापू नगर, अहमदाबाद-380024	जी० जे०/156	1-3-90 से 28-2-93	2/4503/92/डी० एल० आई०
2.	मै० बी छस्तर आयरन फैक्टरी आनन्द सोजितरा रोड, आनन्द-388001	जी० जे०/159	1-3-90 से 28-2-93	2/4504/92/डी० एल० आई०
3.	मै० बी अशोका मिल्स लि० रेलवेपुरा, नरोछा रोड अहमदाबाद ।	जी० जे०/275	1-11-91 से 31-10-94	2/4505/92/डी० एल० आई०
4.	मै० श्री राजकोट लुधिका सहकारी खरीद बेच संघ लि० सहकारी त्रिवेणी, 29/38, करनपुरा बस स्टैन्ड के पीछे, राजकोट तथा इसकी शाखाएं ।	जी० जे०/5673	1-10-91 से 30-9-94	2/4506/92/डी० एल० आई०
5.	मै० निक मकेनिकल वर्क्स पा० बा० नं० 69, छपरा रोड, नवसारी-396445	जी० जे०/6122	1-12-89 से 31-11-92	2/4507/92/डी० एल० आई०
6.	मै० जगदीश इंजीनियरिंग एण्ड सेल्स कारपोरेशन नया रामजी मन्दिर के सामने आनन्द जिला कैरा ।	जी० जे०/6331	1-3-90 से 28-2-93	2/4508/92/डी० एल० आई०
7.	मै० गुजरात आक्सीजन लि०, पा० बा० नं० 4 लिमबाडी-363421	जी० जे०/10918	1-11-90 से 31-10-93	2/4509/92/डी० एल० आई०
8.	मै० स्त्रैलोर इंजीनियरिंग प्रा० लि० 1 व 22, यूनियन कोप इन्डस्ट्रीयल एस्टेट, नु० गुजरात वोटिंग रबीयाल अहमदाबाद -380023	जी० जे०/11355	1-9-89 से 31-8-92	2/4510/92/डी० एल० आई०
9.	मै० विजय नगर प्राइमरी स्कूल, पत्तकार कालोनी के सामने, जिय नगर, नरानपुर, अहमदाबाद-13	जी० जे०/13663	1-3-89 से 29-2-92	2/4511/92/डी० एल० आई०
10.	मै० शाहीबाग नवरोजी वकील कम्पाउन्ड, पुलिस लाइन, शाहीबाग, अहमदाबाद-380004	जी० जे०/14299	1-9-89 से 31-8-82	2/4512/92/डी० एल० आई०
11.	मै० मारवल लैब्राट्रीज प्रा० लि०, 251, जी० आई० डी० सी०, एस्टेट, मेहसाना-384002	जी० जे०/17784	1-3-1991 से 28-2-94	2/4513/92/डी० एल० आई०

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समान-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाक स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में सम्मिलित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुरूप है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवाय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संवाय करने में अस्फल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/बी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/1688—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की बहायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-II में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-II में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कोणम्बटूर ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ।

## अनुसूची—1

क्रम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1	2	3	4	5
1.	मै० दि नीलगिरि कोपो० मरकेटीन सोसाइटी लि०, के-708, सेलिग हाउस, पो० नं० 56, उधागमंटलम-643001	टीएन/2686	1-11-87 से 31-10-90 और 1-11-90 से 31-10-93	2/4598/92/डी० एल० आई०
2.	मै० एस्ट्रोपी मिल्स लि०, सारावलन पट्टी, पो०आ० कोयम्बटूर-641035	टीएन/3924	1-9-89 से 31-8-92	2/4599/92/डी० एल० आई०
3.	मै० कोयम्बटूर आटो गैरेज, 496, अवनाशी रोड, पीलामीडू, कोयम्बटूर ।	टीएन/6684	1-3-89 से 29-2-92	2/4600/92/डी० एल० आई०
4.	मै० गिडी सटोल (प्रा०) लि०, 317, अवनाशी रोड, कोयम्बटूर-641018	टीएन/7102	1-5-88 से 30-4-91 और 1-5-91 से 30-4-94	2/4601/92/डी० एल० आई०
5.	मै० एस० कुप्पुस्वामी नायडू मैमोरियल हस्पताल, पी० बी० नं० 6327, 414, कोयम्बटूर-641031	टीएन/7539	1-4-89 से 31-3-92 और 1-4-92 से 31-5-95	2/4602/92/डी० एल० आई०
6.	मै० सोतोरेन इंजीनियरिंग (प्रा०) लि०, पो० बाक्स नं० 4145, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, पोस्ट कोयम्बटूर-641021	टीएन/8487	1-12-90 से 31-11-93	2/4603/92/डी० एल० आई०
7.	मै० शान्तनी गीयर्स लि०, 304, ए, त्रिधी रोड, सिंगानाथुर, कोयम्बटूर ।	टीएन/8537 और 8537 ए	1-7-87 से 30-6-90 और 1-7-90 से 30-6-93	2/4604/92/डी० एल० आई०
8.	मै० दिस गुड लेडीस पोलीथीन इंडस्ट्रीज कोआप० सोसाइटी लि०, यूनिट नं० 6, सिदको इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, पो०बा० नं० 41 पोलाची रोड, कोयम्बटूर-641021	टीएन/10692	1-2-91 से 31-1-94	2/4605/92/डी० एल० आई०
9.	मै० मेक कंट्रोलर्स रैंड, फिलाडस, 122, अप्पूस्वामी नायडू ले आऊट, कोयम्बटूर-641915	टीएन/10824	1-11-90 से 31-10-93	2/4606/92/डी० एल० आई०
10.	मै० सुधा स्पीनिंग मिल्स, टैक्सटाइल रोड, गणपति, कोयम्बटूर-641006	टीएन/11449	1-11-90 से 31-10-93	2/4607/92/डी० एल० आई०
11.	मै० वासनथम फाउन्ड्री, 10, भारतीपुरम, पल्लापल्लयम, (पो० ओ०) अशगोर (बाया), कोयम्बटूर-641103	टीएन/12100	1-3-91 से 28-2-94	2/4608/92/डी० एल० आई०
12.	मै० थिंगणेलयू स्पीनिंग मिल्स (प्रा०) लि०, बोममीडी, 635301, धर्मपुरी, जिला ।	टीएन/16420	1-9-90 से 31-8-91	2/4609/92/डी० एल० आई०

1	2	3	4	5
13.	मै० श्री विद्या मंदिर हायर सेकेण्डरी स्कूल, शिवापेट, मैलम-2	टीएन/17194	1-6-89 से 31-5-91	2/4610/92/डी० एल० आई०
14.	मै० राजश्री स्पीनिंग मिल्स (प्रा०) लि०, 6/7ए, पीलामीडू—कोयम्बटूर-641004	टीएन/17505	1-2-88 से 31-1-91	2/4611/92/डी० एल० आई०
15.	मै० रीनऊड आटो प्रोडक्ट्स मैनुफैक्चरिंग लि०, 122, सिपकोट इण्डस्ट्रीयल कॉम्पलैक्स दूसर पिन-635126 तमिलनाडु।	टीएन/21052	1-6-88 से 31-5-91 1-6-91 से 31-5-94	2/4612/92/डी० एल० आई०
16.	मै० सी० आर० आई० इण्डस्ट्रीयल 3, शारदादेवी गली, रामाकृष्णपुरम, गणपति (पी० ओ०) कोयम्बटूर-641006	टीएन/21267	1-9-88 31-8-91 और 1-9-91 31-8-94	2/4613/92/डी० एल० आई०
17.	मै० महीम इंजीनियरिंग प्रोडक्स, बी 70, सिडको इंडस्ट्रीयल दूसर, पिन-635126 तमिलनाडु	टीएन/21281	1-2-88 31-1-91 1-2-91 31-1-94	2/4614/92/डी० एल० आई०
18.	मै० श्री अलगह लक्ष्मी मिल्स (प्रा०) लि०, के० जी० छावडी, पालघार रोड, कोयम्बटूर-641105	टीएन/21317	1-3-90 28-2-93	2/4615/92/डी० एल० आई०
19.	मै० श्रीअरी होटल्स, 311-ए, भारतीहार रोड, सिद्धापोडीर, कोयम्बटूर-641004	टीएन/21501	1-6-88 31-5-91 1-6-91 31-5-94	2/4516/92/डी० एल० आई०
20.	मै० आविलक्ष्मी ट्रांसपोर्ट्स (प्रा०) लि०, गोपाल बाग, अवनशी रोड, कोयम्बटूर।	टीएन/21996	1-3-90 28-2-93	2/4518/92/डी० एल० आई०
21.	मै० श्री विष्णु फाउण्डरी, 259-ए, साथी रोड, ईरा थोहम, गणपति, कोयम्बटूर।	टीएन/25226	1-3-91 28-2-94	2/4519/92/डी० एल० आई०

## अनुसूची- II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसें इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निदेश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का पंदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जहाँ वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्वाचितों को पतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यूक्तयुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति में कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्वाचितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्वाचितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

-----

सं. 2/1959/डी. एल. आई. /एकजम/89/भाग-1/1696—जहां मैसर्स वि गिल्डी मशीन टुल्स प्रा. लि., पालि-कारेन्नाड पोस्ट बा. मद्रास-601302 (टी. एन. /2830) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपाध्य अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवधारणा किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के कर्मचारी निधेय सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या 2/1959/डी. एल. आई. /एकजम/89/भाग-1 दिनांक 21-12-89 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित बातों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, दिनांक 1-3-91 से 28-2-94 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 28-2-94 भी शामिल है।

#### अनुसूची-I

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लंबाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात को होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वंश में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने बिना जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा अधिनियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/बी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/1704—जहां अनुसूची-I में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारियों को बचत-अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबन्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-II में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-I) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संभालन की छूट देता हूँ।

#### अनुसूची—II

क्र.सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1.	मै० डी० वामाडाओं एंड कं० (हवाई यूनिट), 41/42/140, आदर्श इंडस्ट्रियल एस्टेट, सहर रोड, अंधेरी (ई), बम्बई (साथ में इसकी सभी शाखाएं जो इस कोड नं० में स्थित हैं)	एमएच/18728	1-1-90 से 31-12-92	2/4423/92/डी० एल० आई०
2.	मै० पालम गरुव बीच होटल (प्रा०) लि०, जुहू, बीच, बम्बई-49	एमएच/22643	1-8-89 से 31-7-92 1-8-92 से 31-7-95	2/4532/92/डी० एल० आई०
3.	मै० दी नार्थ बाम्बे सेन्ट्रल कोप० कन्ज्यूमर्स होलसेल एंड रिटेल स्टोर्स लि०, बान्द्रा रेलवे स्टेशन के पीछे (पश्चिम बान्द्रा, बम्बई-400050)	एमएच/11341	1-11-90 से 31-10-93	2/4777/92/डी० एल० आई०

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसमें इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी के प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय यदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहाना नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अन्वय स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आयुक्त प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम का संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में संदाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवक वारिस/नाम निवेशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवेशितों या विधिवक वारिसों को जो यदि छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवेशितों/विधिवक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एफएम/89/भाग-1/1712—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अश्वान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निवेशित बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा धर्म मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-II में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं, जैसा कि संलग्न अनुसूची-I में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।



## अनुसूची-1

क्रम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड नं०	स्थापना को छूट बढ़ाने के लिये पहले से प्रदान अवधि जिसके भारत सरकार की अधिसूचना की गई छूट सं० तथा तिथि	लिये और छूट दी गई की तिथि	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1	2	3	4	5	6
1.	मै० बाटलिवाय एण्ड कं० लि०, गुज/4476 पा० आ० बड़ौदा क्षेत्र, उधना जिला, सूरत	एस-35014/13/81 पी० एफ-11, दिनांक 28-6-85	1-10-88	2-10-88 से 1-10-91	2/663/82-डी० एल० आई०
2.	मै० इन्टरसोल रेंड (इण्डिया) लि०, जी० आई० डी० सी०, एस्टेट, नरोदा, अहमदाबाद-382330	वही दिनांक 9-2-87	8-10-88	9-10-88 से 8-10-91	2/185/78-डी० एल० आई०
3.	मै० दी सूरत डिस्ट्रीक कोप० बैंक लि०, कानापोट, सूरत-395003	2/1959 डी० एल० आई० एक्सम/89 भाग-1, दिनांक 16-7-91	26-8-92	27-8-92 से 26-8-85	2/211/79-डी० एल० आई०
4.	मै० कुव ग्रामीण बैंक, स्टेशन रोड, रवि सिनेमा के पास (भुज) कुच-370001	वही दिनांक 19-1-90	31-10-91	1-11-91 से 31-10-94	2/2494/90-डी० एल० आई०
5.	मै० अमीन एलकोल एण्ड कारबन ड्राईआक्माइड इण्डस्ट्रीज, एन० एच० नं० 8, वापी 396145, वलसाद जिला	वही दिनांक 27-4-92	29-2-92	1-3-92 से 28-2-95	2/4124/92-डी० एल० आई०
6.	मै० उदगम स्कूल फार चिल्ड्रन अलाइड म-ब्रिज, हमदाबाद-6	2/1959/डी० एल० आई०/एक्सम/89-भाग-1 दिनांक 18-7-91	28-2-92	1-3-92 से 28-2-95	2/3186/91-डी० एल० आई०
7.	मै० ला गजधर बलोवर प्रा० लि० एसोडियाला एस्टेट, सुकुमारमपुरा के सामने, नागरवल डाकघर हनुमान रोड, अमरवादी, अहमदाबाद	एस-35014/122/82-पी० एफ० 11 दिनांक 17-9-97	27-8-88	28-8-88 से 27-8-94	2/689/87-डी० एल० आई०
8.	मै० राजकोट जिला कोप मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लि०, बुध सागर मार्ग, न्यू हाउस के नजदीक; राजकोट-360003	2/1959 डी० एल० आई० एक्सम/89-भाग-1 दिनांक शुन्य	26-11-91	27-11-91 से 26-11-94	2/606/81-डी० एल० आई०
9.	मै० दी सूरत डिस्ट्रीक कोप० स्पोनिंग मिल्स लि०, वाराचा रोड, सूरत-395006	वही दिनांक 27-3-93	30-6-91	1-7-91 से 30-6-94	3/3864/91-डी० एल० आई०
10.	मै० भगवती फाउण्डरी लि०, ओधव रोड, ओधव-382410	वही दिनांक 20-11-91	13-3-92	1-4-92 से 31-3-95	2/3457/91-डी० एल० आई०

1	2	3	4	5	6	7
11. मै० वी गुजरात स्टेट कोप० लैंड गुज०/4674	एस-35014/76/79पी०	30-9-81	1-10-81 से	2/292/79-		
डेवलपमेंट बैंक लि०,	एफ० II दिनांक 29-7-80		30-9-93	डी० एल० आई०		
सहकारी भवन, देवर भाई रोड,						
राजकोट-360001।						
12. मै० आइज के मिक्स इण्डस्ट्रीज गुज०/5241	2/1959/डी० एल०आई०	30-4-92	1-5-92 से	2/3808/90		
एन० एच० नं० 8, वापी-	एन्जम 89/भाग-2 दिनांक		30-4-95	डी० एल० आई०		
396191, बुलसर जिला	26-5-92					
13. मै० दो गुजरात स्टेट हैण्ड्रीक्राफ्ट्स गुज०/7283	-वही-दिनांक 1-1-90	29-2-92	1-3-92 से	2/2506/90		
डेवलपमेंट कारपोरेशन लि०, सन्यास			28-2-95	डी० एल० आई०		
आश्रम के सामने, आश्रम रोड,						
अहमदाबाद-380009।						
14. मै० बिमल इण्डस्ट्रीज, 5, जी० गुज०/11107	-वही-दिनांक 15-5-90	31-7-91	1-8-91 से	2/2370/89-		
आई० डी० जी० एस्टेट,			31-7-94	डी० एल० आई०		
मेहसाना-384002।						

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनवाद स्थापना के सचन पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी आवस्य आवश्यक भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किए जाने

की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यो पर इस स्कीम के अधीन संवये राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवये होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निष्पक्षता को प्रतिफल के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत की तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी के व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्विधिता या विधिक धारियों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम को अपनी आने वाले किसी समय की मृत्यु होने पर उसके हक्काार नाम निदेशितों/विधिवक धारियों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निश्चित करेगा ।

बी. एन. सोम,  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

अलग अंशवाद या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी रिअेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य शर्तों में अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) ।

नं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/720—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है । (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोइ

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसारण में तथा संलग्न अनुसूची-II में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम की सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-I में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है ।

#### अनुसूची-I

क्रम सं० स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	स्थापना को छूट बढ़ाने के लिये भारत सरकार की अधिसूचना सं० तथा तिथि	पहले से प्रदान अवधि जिसके लिये के० भ० नि० आ० को गई छूट की और छट ही गई समाप्ति की तिथि
1. मै० गैस्ट किन विलियम्स लि०, संकेय इलेक्ट्रीकल स्टैमपिंग, डि० एल० बी० एस० मार्ग, बम्बुप, बम्बई-400072	एम० एच/75	एस०-35014/308/82 पी एफ II (एस एस II) दिनांक 28-4-96	28-1-89 29-1-89 से 28-1-92 2/558/81- डी० एल० आई०
2. मै० गैस्ट किन विलियम्स लि०, स्कुर्वस एण्ड फास्टनर्स लि०, एल० बी० एस० मार्ग, बम्बु, बम्बई-4000781	एमएच/711 एमएच/9074	एस-35014/330/85- एस० एस० II दिनांक 3-1-86 एस-35014/307/82-पी एफ II दिनांक 31-3-86	2-1-89 3-1-89 से 2-1-92 2/558/81- डी० एल० आई० 28-1-89 29-1-89 से 28-1-92 2/558/81- डी० एल० आई०
3. मे० दी अकोला जिला सेन्ट्रल कोप० बैंक लि०, अकोला, पी० बी० नं० 8, सिविल लाईन, अकोला-444001 तथा इसकी शाखायें	एमएच/6934	एस-35014/65/86- एस० एस० II, दिनांक 7-2-86	6-2-89 7-2-89 से 6-2-92 2/419/80- डी० एल० आई०
4. मै० इविक अलोयस लि०, साकी बिहार रोड, पोवाई, बम्बई-72	एमएच/12309	2/1959/डी एल आई/ एकजम/89/भाग-I दिनांक 10-9-91	29-4-91 30-4-91 से 30-4-94 2/288/79- डी० एल० आई०

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसमें इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेंगे और ऐसे लेखा रखेंगे तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेंगे जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेंगे जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभाव का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेंगे।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेंगे और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्स करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेंगे, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिफल के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों की ओर यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसको हक्कार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेंगे।

बी. एन. सोम,  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/बी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/  
1728—जहां अनुसूची-1 उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भ्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन में प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

## अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना के भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बागल आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में समन्वित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि उस राशि में कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु पर उसकी हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

## अनुसूची-1

क्रम सं०	स्थापना का नाम और कोड सं० पना	स्थापना को छूट बढ़ाने के लिये भारत सरकार के अधि- सूचना की सं० तथा तिथि	पहले से प्रदान अवधि जिसके लिये के० भ० नि० आ० का गई और छूट दी गई है	को० भ० नि० आ० का सं०		
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० प्रथाप इण्डस्ट्रीज, इज इन कापाडू पी० अ० विजयवाड़ा-521108	ए पी/339	2/1959/डी० एल० आई/एकजम/89-भाग-I, दिनांक 22-2-91	31-1-91	1-2-91 से 31-1-94	2/3187/90-डी० एल० आई०
2.	मै० आंध्रा प्रिंटर्स, लि०, पी० वी० नं० 712, लेन्दापेट, विजयवाड़ा-520010 (ए० पा०)	ए पी/1480	एस-35014/(246)/86-एस० एस-II, दिनांक 29-9-86	28-9-89	29-9-89 से 28-9-92	2/1473/86-डी० एल० आई०

1	2	3	4	5	6	7
3.	मै. वि. कृष्णा कोष सेटल बैंक, मचीलीपटनम (ए. पी.)	ए पी/2364	एस-35014/(338)/88/ एस एस II, दिनांक 31-1-86	30-1-89 - 31-1-89 से 30-1-91 तथा 31-1-92 से 30-1-95	2/1316/85- डी. एल. आई.	
4.	मै. सी. बी. एम. बेयल अस्पताल, ब्यूरू-521165, कृष्णा जिला (ए. पी.)	ए पी/3797	2/1959/डी. एल. आई. एकतम/89/भाग-I, दिनांक 23-5-92	31-12-91 1-1-92 से 30-12-94	2/4184/91- डी. एल. आई.	

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकतम/89/भाग-1/17367—जहां अनुसूची में उल्लिखित निर्योक्तताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मै. बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी

निकोप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-II में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मै. बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-I में) उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कर्नाटका में स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता है।

#### अनुसूची-I

क्रम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1.	इण्डो-जर्मन प्लान्टेशन मशीनरी कं० प्रा० लि०, 21-ए, पहला फेस, पी० आई० ए० बेंगलोर	के० एन०/2438	1-3-89 से 29-2-92	2/4573/92/ डी० एल० आई०
2.	मै० प्रोवेल (इण्डिया) प्रा० लि०, 21-ए, पहला फेस, पी० आई० ए०, बेंगलोर	के० एन०/2524	1-3-89 से 29-2-92	2/4574/92/ डी० एल० आई०
3.	मै० कर्नाटका रिजनल इंजीनियर्स कालेज होस्टल्स सुरत फेस (डी० के०) श्रीनिवास नगर-574157	के० एन०/5036	1-1-89 से 31-12-91	2/4575/92/ डी० एल० आई०
4.	मै० कैनारा सिक्स्योरिटी प्रैक्ट लि०, पो० बा० नं० 10, मनोपाल-576119, डी० के०, कर्नाटका	के० एन०/12139	1-8-87 31-7-90 1-8-90 31-7-93	2/4576/92- डी० एल० आई०
5.	मै० पी० एण्ड टी० कोमुटेशन डिवाइसिस (प्रा०) लि०, सुनकाडाकडे, बेंगलोर-560091	के० एन०/11455	1-9-89 31-8-92	—

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसको पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी को प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आवि भी शामिल है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीमों के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उनका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाढ़ज आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सूनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

-----

सं. 2/1959/बी. एल. आइ./एकजम/89/भाग-1/1744—उहां अनुसूची-I में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है)। कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा उक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-II में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-I में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

## अनुसूची-I

क्रम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	स्थापना को छूट बढ़ाने के लिये भारत सरकार के अधिसूचना की सं० तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिये और छूट दी गई है।	के० प्र० नि० आ० का० सं०
1.	मै० इलैक्ट्रो इंजीनियरिंग इंटरप्राइज, वरदे वेलोला कार रोड, पा० बा० नं० 125, मारगोवा, गोवा-403601	गोवा/10127	2/1959/डी० एल आई/ एक्सम/89/भाग-1 दिनांक 24-8-90	28-2-90	1-3-90 से 28-2-93	2/2998/90/ डी० एल० आई०
2.	मै० सपना सेरामिक्स प्रा० लि०, वलोलोकार रोड, पा० बा० नं० 125, मार-गोवा-गोवा-403601।	गोवा/10127-एफ	2/1959/डी० एल० आई/ एक्सम/89/भाग-1 दिनांक 4-1-91	31-12-90	1-1-91 से 31-12-93	2/3340/90/ डी० एल० आई०
3.	मै० दोभारो दा नाइट प्रैस लूइस दे मैनेजिस स्ट्रीट, पानाजी गोवा।	गोवा/10230	2/1959/डी० एल० आई/ एक्सम/89/भाग-1 दिनांक निल	31-7-91	1-8-91 से 31-7-94	2/3236/90- डी० एल० आई०

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 का उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय भाषि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुत संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाकत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवस करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवये राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वंश में संवये होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवक वारिस/नाम निर्वाचितों को प्रतिफल के रूप में वंशों राशियों के अंतर बराबर राशि का हस्तांतर करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का अधिकार अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो यह छूट रद्द की जा सकती है।



11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निदेशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तर-दायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम निदेशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्सएम/89/भाग-1/1752—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का

19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई मजबूत अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी भविष्य सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-1 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

#### अनुसूची-I

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	स्थापना को छूट बढ़ाने के लिये भारत सरकार के अधिसूचना की सं० तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिये और छूट दी गई है।	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1.	मै० अन्ध्रा प्रदेश हेवी मशीनरी ए पी/5864 एण्ड इंजी० लि०, बी० एच० आर० शापिंग-कम-कम्पलैक्स, बूसरी मंजिल गर्बनरपेट विजयवाड़ा (ए० पी०) - 520002।		एस-35014(281)/83/पी० एफ०-11 दिनांक 28-11-83	27-11-86	28-11-86 से 27-11-89 से 28-11-89 से 27-11-92	2/960/83/डी० एल० आई०
2.	मै० कोरोमण्डल एग्रो प्रोडक्ट्स एण्ड आयलस लि० जंझरापेट-523165, चिराला, गुटुर जिला (ए० पी०)	ए पी/6257	2/1959/डी० एल० आई/एक्सएम/89/भाग-1 दिनांक निल	31-10-89	1-11-89 से 31-10-92	2/1739/88/डी० एल० आई०

#### अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार,

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुति किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का ग्रहण नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बायत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संवेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिफल के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना धष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह खर्च की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का

संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट खर्च की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिगत दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/1760—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-1 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

#### अनुसूची-I

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	स्थापना को छूट बढ़ाने के लिये भारत सरकार के अधि-सूचना की सं० तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिये छूट दी गई है	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० जी० आई० ग्लास डिवी-जन आफ हिन्दुस्तान सनीटरी वेयर एण्ड इण्डस्ट्रीज लि० पी० बी० सं० 1930 बरावा नगर, हैदराबाद—	ए पी/4133	2/1959/डी० एल० आई० एकजम/89/भाग-1 दिनांक 24-6-92	30-11-90	1-12-90 से 30-11-93	2/4207/92/- डी० एल० आई०

1	2	3	4	5	6	7
2.	मै० आन्ध्रा प्रदेश इण्डस्ट्रियल गैस लि० फक आई० डी ए० एस० आई० आई० एल० कम्पलेक्स पोस्ट पलोचा, -507154, खमाम जिला (ए० पी०)	ए पी/13212	2/1959/डी० एल० आई० एक्सम/89/भाग-1 दिनांक 4-10-91	30-11-92	1-11-92 से 30-11-95	2/3829/91/ डी० एल० आई०
3.	मै० पिताकिनी ग्रामीणा बैंक जी० टी० रोड ए० के० नगर पोस्ट नेलोर-240041	ए पी/14126	-वही-दिनांक 27-3-90	20-7-92	21-7-92 से 20-7-95	2/1466/86- डी० एल० आई०
4.	मै० प्रीमियर अलाउज एण्ड कमीकल्स (प्रा०) लि० 1-19/बी आई० डी० ए० जेडीमेटा हैबराबाद-500855 [(ए० पी०)]	ए पी/16281	2/1959/डी० एल० आई० एक्सम/89/भाग-1 दिनांक 24-2-92	31-10-92	1-11-92 से 30-10-95	2/3887/92- डी० एल० आई०

## अनुसूची -II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिससे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निरीक्षण करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निवेदन करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संवाय आवि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहू संस्था की भाषा में उराकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना के भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बावत आवश्यकता प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को सदा करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समीक्षित रूप में

वृद्धि किसे जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवाय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस वषा में संवाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में बाँटों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यत्नयुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम में, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हुए जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को वायगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के ग्राह्य में किए गए किसी कार्यक्रम की दशा में उन मत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक दूरियों को जो यदि यह छूट न हो गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्काार नाम निर्देशितों/विधिवक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई. /एक्सम/89/भाग-1/1768—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोड

अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मन्त्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

#### अनुसूची—1

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड सं.	स्थापना की छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की सं. तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिए और छूट दी गई है	के.भ.नि.आ. का सं.
1.	मै. वि. अनंतपुर डिस्ट्रिक्ट क्लोथिंग फैक्ट्री लि. कल. सुभाष रोड, अनंतपुर (ए.पी.) (साथ में इसकी 13 शाखाएं जो इस कोड नं. में स्थित हैं)	ए.पी. 2429	2/1959/डी.एल.आई. / एक्सम/89, भाग-1 दिनांक 24-2-92	30-11-90	1-12-90 से 39-11-93	2/3988/92/- डी.एल.आई.
2.	मै. रिजेंसी करामिम्स लि., एन. एन. ह. ऊस, चिरागली लेम, हैदराबाद-500001 (आ.प्र.)	ए.पी. 18791	2/1959/डी.एल.आई. / एक्सम/89/भाग-I दिनांक 1-8-91	30-11-92	1-12-92 से 30-11-95	2/3734/91 डी.एल.आई.
3.	मै. प्रसन्न इंगस (प्रा.) लि., 8-3-216/6 दूसरी मंजिल, श्रीनिवास नगर कालोनी (वेस्ट) हैदराबाद-500890	ए.पी. 18803	2/1959/डी.एल.आई. / एक्सम/89/भाग-I दिनांक 11-1-92	31-8-92	1-9-92 से 31-8-95	2/2135/89/ डी.एल.आई.
4.	मै. वसन्ती कोप. अरबन बैंक लि. 16.2.705/9/11, नलकपेट, हैदराबाद-500036, (साथ में दूसरी शाखा जो इस कोड नं. में सिध्दीअनपूर में स्थित है)	ए.पी. 19871	2/1959/डी.एल.आई. / एक्सम/99, भाग-I दिनांक 24-2-92	31-10-92	1-11-92 से 30-10-95	2/3986/92/ डी.एल.आई.

#### अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसमें इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार,

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और तब कभी उसके संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के गृह पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट पाए बिना स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी आवेदन प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ नष्ट हो जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समन्वित रूप से विचार करने के लिए व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब तक उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिस्तर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संग्रह करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और तब किसी संशोधन के कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का अधिकार प्राप्त होगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की नव सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों के अन्तर्गत पहले अपना सकृद्वि अधीन नहीं रह जाते हैं या वह स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक या नियम तालिका के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियंत्रित करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पॉलिसी को व्ययगत हो जाने लगा होता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

5-59GI/93

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती जो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन अपने बाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्काय नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने को एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एफएम/89/भाग-1/1776—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निष्ठो सहस्रद्वय बीमा स्कीम 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकूल है। (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए तथा इस संभाला भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शाई गई है, के अनुसारण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संज्ञान में प्रत्येक उक्त स्थापना को और 2 वर्ष की अवधि के लिए एक पत्र लिख रहा हूँ जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

## अनुसूची-1

क्र. सं.	स्थापना का नाम व पता	कोड सं.	स्थापना के छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधि-सूचना की सं. तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट को समाप्ति की तिथि	अवधि जिस के लिए और छूट दी गई है	क्र. भ. नि. आ. का सं.
1.	म. गुजरात इन्वैस्टीमेंट बोर्ड, विद्युत भवन, रैस कोर्स, बड़ौदा-390007	जी. जे/920	एस-35014/131/83-पी. एफ. दि. 24-4-86	20-7-89	21-7-89 से 20-7-92	2/893/83 डी. एल. आई.
2.	मै. फारमसन फार्मासियुटीकल गुजरात (प्रा.) लि., शंकर भवन, सायाजी गंज, बड़ौदा-390005	जी. जे/4000	2/1959/डी. एल. आई. / एकम/89 भाग-1, दिनांक 23-8-91	28-2-90	1-3-90 से 28-2-93	2/3603/91 डी. एल. आई.
3.	मै. गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स कं. लि., पो. आ. फर्टिलाइजर नगर-391705, जिला बड़ौदा	जी. जे/5238	2/1959/डी. एल. आई. / एकम/89 भाग-1, दिनांक 10-4-92	28-10-92	29-10-92 से 28-10-95	2/365/80-डी. एल. आई.
4.	मै. दीपक निटराइट लि., 4/12, जी. आई. डी. सी. केमि. ल. कम्पलैक्स, नन्देसरी, बड़ौदा-391346	जी. जे/5278	2/1959/डी. एल. आई. / एकम/89-भाग-1, दिनांक 29-8-90	28-2-90	1-3-90 से 28-2-93	2/170/79-डी. एल. आई.
5.	मै. पैट्रोफिल्स कोप. लि., पो. आ. पैट्रोफाइल्स-391347, जिला बड़ौदा।	जी. जे/5938	2/1959/डी. एल. आई. / एकम/89-भाग-1, दिनांक कुछ नहीं	30-9-89	1-10-89 से 30-9-92	2/1743/88-डी. एल. आई.
6.	मै. पोलोचेम लि., ए. बी. एस. प्लट, 18, पी. सी. सी. एरिया, पैट्रोफाइल्स, बड़ौदा-391347	जी. जे/10032	2/1959/डी. एल. आई. / एकम/89/भाग-1, दिनांक 29-8-90	28-2-90	1-3-90 से 28-2-90	2/891/83-डी. एल. आई.
7.	मै. जेटैक्स कुरकुरेट्स प्रा. लि., प्रतापुरा, हलोल, जिला पंच महल	जी. जे/11046	2/1959/डी. एल. आई. / एकम/89/भाग-1, दिनांक 4-4-91	28-2-90	1-3-90 से 28-2-93	2/3397/91-डी. एल. आई.

## अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विण्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक भाग की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभाग का संवाय यदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस वंश में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिश/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस निश्चित तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यग्रगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय या उन्मूलनव्यवस्था नियोजक पर होगी।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार

नाम निर्देशितों/विधिक वारिशों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्सम/89/भाग-1/1784—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्तियों ने (जिससे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 का 19 की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिससे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

धृति मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग वंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधि सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिससे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन में प्रत्येक उक्त स्थापना के और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

#### अनुसूची—I

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड सं.	स्थापना की गठ बढ़ाने के लिए भारत सरकार अधि-सूचना की सं. एवं तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट को समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिए और छूट दी गई है	के. भ. नि. का. सं.
1.	मै. इंडिया लोफ स्परिंग मैन्यु-फैक्चरिंग कं. (प्र.) लि., 61-ऐ, महम्मद गांधी रोड, सिकन्दराबाद-500003 (ऐ. पी.)	ऐ. पी. 2207	2/1959/डी. एल. आई./एक्सम/89/भाग-1, दिनांक 12-7-91	28-2-93	1-3-93 से 28-2-96	2/2693/90-डी. एल. आई.
2.	मै. भाग्य नगर (प्र.) लि., 1-11-220/ऐ, गुरुछतरथो लेन, बेग पट, हैदराबाद-500016 (ऐ. पी.)	ऐ. पी. 13377	2/1959/डी. एल. आई./एक्सम/89/भाग-1, दिनांक 24-9-91	28-2-93	1-3-93 से 28-2-96	2/3028/90-डी. एल. आई.
3.	मै. विजय इलेक्ट्रीकल्स लि., रत्नाराम पटनवेरू (मंडल) जिला-मेडक-502329 (ऐ. पी.)	ऐ. पी. 17868	2/1959/डी. एल. आई./एक्सम/89/भाग-1, दिनांक 12-7-91	28-2-93	1-3-93 से 28-2-96	2/3033/90-डी. एल. आई.

## अनुसूची-1

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशामन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को रुद्ध करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में सम्पत्ति रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यरगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन होने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उक्त हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/1792—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनकल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।



अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई

है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-II में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मी. बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों को मंचालन में लाने के उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करना हूँ जैसा कि संलग्न अनुसूची-I में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

## अनुसूची-II

क्र.सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड सं.	स्थापना को छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की सं. तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके के भ. नि. आ. के लिए छूट का. सं.
1.	मी. वेडमेटेक इंजीनियरिंग लिमिटेड, विश्वामित्री रोड, लल बिल्डिंग, बड़ीदा-390001	जी.जे. /214-ए	2/1959/डी. एल. आई. / 89/भाग-I, दिनांक 28-11-91	31-1-93 से 31-11-95	2/3838/91-डी. एल. आई.
2.	मी. वेडमेटेक इंजीनियरिंग लि., जी.जे. 214-बी चन्द्रा पुर बिल्डिंग, तालुका हसील, जिला पंचमहल	जी.जे. 214-बी	2/1959/डी. एल. आई. / एक्जम/89/भाग-I, दिनांक 28-11-91	31-1-93 से 31-1-96	2/3839/91-डी. एल. आई.
3.	मी. गजरात ट्रेक्टर कारपोरेशन लिमिटेड विश्वामित्री, बड़ीदा-390001	जी.जे. /1860	2/1960/डी. एल. आई. / एक्जम/89/भाग-I/1868-73 दिनांक 17-10-91	28-2-93 से 29-2-96	2/605/81-डी. एल. आई.
4.	मी. फौज प्रीमियम ब्युरो लि., मीनेज, बड़ीदा-390013	जी.जे. /4536	---वही--- दिनांक 24-1-92	15-12-92 से 16-12-95	2/374/80-डी. एल. आई.
5.	मी. रैम ऊंट पालूशन कंट्रोल लिमिटेड, मिरज काम्पलेक्स, मोदरी रोड, बड़ीदा-390007	जी.जे. /4926	---वही--- दिनांक 28-11-91	13-12-92 से 31-12-95	2/3842/91-डी. एल. आई.
6.	मी. रैम ऊंट कन्स्ट्रक्शनस, 4, ब्रजवती जेटलपुर रोड, अलकापुरी, बड़ीदा-390005	जी.जे. /11787	---वही--- दिनांक 16-1-92	31-12-92 से 31-12-95	2/3958/92-डी. एल. आई.
7.	मी. भारत एन्टरप्राइजिज, व.ई.ट हाऊस, गीता नगर, एच. एस. जी. कालोनी, प्रताप नगर रोड, बड़ीदा-390004	जी.जे. /16057	---वही--- दिनांक 28-11-93	31-12-92 से 31-12-95	2/3843/91-डी. एल. आई.

## अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसको पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियों भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी को प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केंद्रीय सरकार,

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीमों के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवस करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभोग्य हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस वंश में संवेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना धीष्टकरण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रव्व की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रव्व की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की वंश में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एन. आई./एकजम/89/भाग-1/1800—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निश्चय सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

#### अनुसूची—I

क्र० स्थापना का नाम और पता सं०	कोड सं०	स्थापना को छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की सं० तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिए और छूट दी गई है	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1	2	3	4	5	6
1. मै० सि० अफिस मशीन प्रा० लि०, 23, आर० एन० मुखर्जी रोड, बलकला-700001	डब्ल्यू०बी०/ 5003	2/1959/डी. एन. , आई०/एकजम/89/ भाग-1, विनांक 15-4-91	31-10-92	1-11-92 से 31-10-95	2/3485/91- डी० एन० आई०

1	2	3	4	5	6	7
2.	मै. दी निको कोर लि., 1 व 2, हरा स्ट्रीट, कलकता-1 तथा इसकी 7 शाखा सहित	डब्ल्यू.बी. / 5525	2/1959/डी.एल.आई. एकता 1/89/भाग-1, दिनांक 21-3-91	31-03-92	1-4-92 से 31-3-95	2/3441/91- डी.एल.आई.
3.	मै. गिरीजन लैबोरेटरीज लि., 40 बी., प्रिन्सेप स्ट्रीट, कलकता-72 और इसकी बम्बई शाखा सहित	डब्ल्यू.बी. / 7221	—वही— दि. 18-3-92	8-9-91	9-9-91 से 8-9-94	2/182/78- डी.एल.आई.
4.	मै. इण्डियन एक्स्प्लोसिव लि., आई.सी.आई. हाउस, 34, चौरंगी रोड, कलकता-700071 तथा इसकी शाखा सहित	डब्ल्यू.बी. / 8217	—वही— दि. 19-1-90	1-1-92	2-1-92 से 1-1-95	2/209/78- डी.एल.आई.
5.	मै. उषा भारतीय इण्डस्ट्रीज लि., 14, प्रिन्सेप स्ट्रीट, कलकता- 700072 इसकी शाखा सहित	डब्ल्यू.बी. / 11027	एस-35014/15/ 87-एस.एस. 11 दि. 29-1-87	6-5-89	7-5-89 6-5-92	2/101/77- डी.एल.आई.
6.	मै. टाटा देवी लि., (पहले देवी आश्वमेर इंडिया लि.) 8 ए, मिडटन स्ट्रीट, कलकता-71 तथा इसकी शाखा	डब्ल्यू.बी. / 11265	एस-35 14/71 87/एस एस -11 दि. 27-7-87	26-7-90	27-7-90 से 26-7-93	2/146/78- डी.एल.आई.
7.	मै. फूड इण्डस्ट्रीज (इंडिया) लि., सारातला रोड, कलकता-700088	डब्ल्यू.बी. / 15281	2/1959/डी.एल. आई. /एक्सएम/89/ भाग-2, दिनांक 18-2-92	15-10-91	16-10-91 15-10-94	2/444/87- डी.एल.आई.
8.	मै. न्यू वे, 207, ए.जे.सी. बोस रोड, कलकता-17	डब्ल्यू.बी. / 24555	2/1959/डी.एल. आई. /एक्सएम/89/ भाग-1, दिनांक 27-2-90	29-2-92	1-3-92 से 28-2-95	2/2331/89- डी.एल.आई.

## अनुसूची-I

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसको पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का धहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुत संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूते हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदाय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक परिशों/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वश में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिशों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई/एकप्रम/89/भाग-1/1808—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं के (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट से विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जेकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबन्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 1 (क) द्वारा उक्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित निम्नी तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त बड़ावा ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत हीन प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट देता हूँ।

#### अनुसूची-I

क्रम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के०भ०नि०आ० फा० सं०
1.	मै० अलाइड फार्मास्यूटिकल्स लैबोरेटरीज, इण्डस्ट्रियल एरिया, प्रताप नगर, बड़ौदा-390004	जी०जे०/5289	1-1-89 से 31-12-91 1-1-92 से 31-12-92	2/3467/92- डी०एल०आई०
2.	मै० इण्डस्ट्रियल आक्सीजन क० लि०, बोरु रोड, नर नरमदा कालोनी, कटोल गांव, जिला पंचमहल-389330	जी०जे०/10017- बी	1-3-92 से 28-2-92	2/4553/92- डी०एल०आई०
3.	मै० एलमिन एक्स्पटुन, जी०आई०डी०सी०, प्लाट नं० 876/2, रोड ई० मकरपुरा, बड़ौदा-390010	जी०जे०/15905	1-1-92 से 31-12-94	2/4554/92- डी०एल०आई०
4.	मै० रोप-ओसोल, जी०आई०डी०सी०, प्लाट नं० 876/2, रोड ई० मकरपुरा, बड़ौदा-390010	जी०जे०/18079	1-1-92 से 31-12-94	2/4555/92- डी०एल०आई०

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा गवेषा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्वक्ष करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब तक कि उक्त संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अन्वाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में निर्गोपित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वाका अवधि का प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सौंप करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेष हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है तो पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आर्. /एकजाम/89/भाग-1/1816—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त बम्बई ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ।

## अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1	2	3	4	5
1.	मै० पैंस्ट कंट्रोल इंडिया लि०, 36, युसूफ बिल्डिंग, एम० जी० रोड, पोस्ट, बम्बई तथा इसकी शाखा सहित ।	महा / 4029 4029-II	1-6-90 31-5-93	2/4781/92 डी एल आई
2.	मै० गुडलास नेरोलैक पेन्टस लि०, नेरोलैक हाउस लि०, नेरोलैक हाउस गनपतराव कट्टम मार्ग, लावर परेल, बम्बई तथा इसकी शाखा सहित ।	महा / 4098 5536	1-11-91 31-10-94	2/4782/92 डी एल आई

## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण की ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय लेखाओं का बंटवारा निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ दवाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समीक्षित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुबंध हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पाँचवी को ध्यगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट नहीं गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/बी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/1824—जहाँ अनुसूची में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई असंग अक्षयन या प्रीमियम की अवधारणा किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम

का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधेय सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित बातों के अनुसार मैं बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना के प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1-में) उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना के केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त गूटूर ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत विल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ।

#### अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	क०म०नि०आ० फा० सं०
1	2	3	4	5
1.	मे० साउथ इण्डियन रिसर्व इंस्टीट्यूट प्रा० लि० श्री नगर, विजयवाड़ा-7	ए पी / 125	1-3-92 से 28-2-95	2/4644/92 डी एल आई
2.	मे० विजय स्पिंग मिल्स लि०, गण गुरु पो० आ० कृष्णा जिला	ए पी / 3197	1-8-90 से 31-7-93	2/4645/92 डी एल आई

#### अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसमें इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण की ऐसी मर्यादाएं प्रदान करेगा जो केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना को प्रेषित किया जाए, सब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों के मजदूरी पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बातों आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनकल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनकल है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशकों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिक्रम की वशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिष्ठों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिष्ठों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/1832—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों के (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चुंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 1 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-1 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित निम्नी तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कोयम्बटूर ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ।

#### अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के०भ०नि०आ० फा० सं०
1	2	3	4	5
1.	मै० ए० सी० एम० फोडरेरी एस० एफ० 293, फीलाधी रोड मलोमचीम पट्टी, कोयम्बटूर	टी०एन०/11358	1-1-90 से 31-12-93	2/4753/92 -डी०एल०आई०
2.	मै० गाखा सिल्लीकेट एण्ड केमीकल इन्डस्ट्रीज, 6/412 पालट रोड, कुन्नीमुथार (पो०आ०), कोयम्बटूर	टी०एन०/6964	1-7-90 से 30-6-93	2/4738/92- डी०एल०आई०
3.	मै० रस्सीपुरम टेक्सटाइल (प्र० लि०, 22-डी, कन्नीए नावडू गली, रस्सीपुरम (पो० आ०), सलैम	टी०एन०/21118	1-12-90 से 30-11-93	2/4738/92- डी०एल०आई०
4.	मै० रेमन प्रोसन प्रोडक्ट (प्रा०) लि०, 317, अबनाशी रोड, कोयम्बटूर	टी०एन०/9511	1-4-88 से 31-3-91 1-4-91 से 31-3-94	2/4736/92- डी०एल०आई०



## अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवये राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में संवये होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्वाचितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वृत्ति में उन मृत सदस्यों के नाम निर्वाचितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्वाचितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/बी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/  
1840—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं में (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई असंग अंशदान या प्रीमियम की अवधारणा किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, ताकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहस्रध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 1(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसकी साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त आंध्र प्रदेश ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संवादन की छूट देता हूँ।

## अनुसूची—1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1	2	3	4	5
1.	मै० ऐस०सीयल पावर ट्रांसमिशन प्रा० लि० एण्ड स०स० ट्रांसमिशन इन्क्युपमेंट प्रा० लि०, सेस०प्रो हाउस, 24, महल कोप, इन्डस्ट्रियल एस्टेट, आफिस एम० बी० रोड, अंधेरी (ई०), बम्बई-59 तथा इसकी शाखा सहित ।	एम०एच०/5476 एम०एच०/5476-ए०	1-2-89 से 31-1-92 1-2-92 से 31-1-95	2/4849/93 डी०एल०आई०
2.	मै० यूनीचेम लैबोरीज लि०, तथा इसको सहयोगी कठतरा जेत, मै० यूनीचेम एक्सपोर्ट लि०, जी और मै० यूनीसर्व लि०, यूनिचेम भवन, जोबेश्वरी (प०) बम्बई-400102 तथा इसे इसकी शाखा सहित ।	एम०एच० 1064 एम०एच० 1064-ए० एम०एच० 1064- बी०	1-4-92 से 31-3-95	2/4850/93 डी०एल०आई०

## अनुसूची—II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खंड-के के अधीन समय-समय पर निदेश करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसका अन्तर्गत लखाया का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लखाया का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, हानि वाले सभा व्यय का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमादित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाढ़त आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभवे हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबन्ध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबन्ध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवत वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो छूट रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यर्थगत हो जाने बिना जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम को संभाल में किए गए किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकत्रम/89/भाग-1/1848—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्तों ने (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 का 19 की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवधिगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निरोप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनकल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-1 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम प्रत्येक उक्त स्थापना का प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना के केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त गुजरात ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत कील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ।

अनुसूची—1

क्र. सं.	स्थापना का नाम व पता	कोड सं.	छूट की प्रभावी तिथि	के.म.नि.आ. फा. सं.
1	2	3	4	5
1.	मै. अतूल प्रोडक्ट्स लि., अतूल (डब्ल्यू.रेलवे) जिला :— वलसाद-396020	जी० जे०/1056	1-1-88 से 1-1-90 तथा 1-1-90 से 31-12-93	2/3875/92/ डी०एल०आई०
2.	मै. स्टील कास्ट लि., रुवापरो रोड, भावनगर, गुजरात-364001	जी० जे०/1913	1-11-91 से 30-11-94	2/4423/92/ डी०एल०आई०
3.	मै. प्रकाश वूड वर्क्स, सोमनाथ रोड, महादेव नगर, बिलिमोरा-396321 (गुजरात)।	जी० जे०/2409	1-3-90 से 28-2-93	2/4426/92/ डी०एल०आई०
4.	मै. दि अमलसाद, वी० वी० के० साहाकारी मंडली लि., पी० आ० अमलसाद : गुड्डेवो, जिला : वलसाद	जी० जे०/4865	1-3-89 से 29-2-92 तथा 1-3-92 से 28-2-95	2/4427/92/ डी०एल०आई०

1	2	3	4	5
5.	मै० क्लासा प्रोसेस पम्पस 173, जी० आई० डी० सी०, इस्टेट नरोदा, अहमदाबाद-382330	जी० जे०/11044	1-12-89 से 30-11-92	2/4428/92/ डी०एल०आई०
6.	मै० एटलस रेडियो एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री प्रा० लि०, 57, जी० आई० डी० सी० इंडस्ट्रीयल टाऊनशिप नरोदा- 382330 (अहमदाबाद)	जी० जे०/6066	1-3-87 से 28-2-90 तथा 1-3-90 से 28-2-93	2/4429/92/ डी०एल०आई०
7.	मै० शिवा इंजिनियरिंग वर्क्स रोड नं० 13, उधना-394210 (सूरत)	जी० जे०/9009	1-1-90 से 31-12-92	2/4430/92/ डी०एल०आई०
8.	मै० इस्टर्न क्रमपरज लि०, 87, पिपारिया इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सिलवसा	जी० जे०/9160	1-8-89 से 31-7-92 तथा 1-8-92 से 31-7-95	2/4431/92/ डी०एल०आई०
9.	मै० श्री भरोली विभाग खण्ड उद्योग, साहाकारो मंडली लि०, कल्याण नगर, पो० आ० भरोली बाजार-396436, जिला :—वलसाड (गुजरात)	जी० जे०/9871	1-3-88 से 28-2-91 तथा 1-3-91 से 28-2-94	2/4432/92/ डी०एल०आई०
10.	मै० एन० चिमन लाल एंड कं० (जेसमिन बिल्डिंग) ग्राऊंड फ्लोर, खानपुर, अहमदाबाद-380001	जी० जे०/10344	1-4-89 से 31-3-92 तथा 1-4-92 से 31-3-95	2/4433/92/ डी०एल०आई०
11.	मै० गुजरात कोप आयल सीड्स प्रोवरज फेडरेशन लि०, नारायण चेम्बरस, आसदम रोड, अहमदाबाद-380009	जी० जे०/11429	1-1-87 से 31-12-89 तथा 1-1-90 से 31-12-92	2/4434/92/ डी०एल०आई०

1	2	3	4	5
12.	मै० एन० बी० इलेक्ट्रिकल्स, 40, जी० आई० डी० सी० एस्टेट, विसनगर-384315	जी० जे०/12225	1-2-89 से 31-1-92 तथा 1-2-92 से 31-1-95	2/4435/92/ डी०एल०आई०
13.	मै० ए० जी० प्राइमरी स्कूल, नवरंग पुरा, अहमदाबाद-380009	जी० जे०/13223	1-3-89 से 29-2-92 तथा 1-3-92 से 28-2-95	2/4436/92/ डी०एल०आई०
14.	डी सुरेन्द्रा नगर मरफिनटाईल कोप० बैंक लि० नवकार कमणियल सेंटर मूनोबन मार्ग, सुरेन्द्रानगर-363001	जी० जे०/16904	1-7-91 से 30-6-94	2/4437/92/ डी०एल०आई०
15.	मै० मारसपुर नागरिक कोप० बैंक लि०, मारसपुर बाजार, अहमदाबाद-380018	जी० जे०/16914	1-2-91 से 31-1-94	2/4428/92/ डी०एल०आई०
16.	मै० पारी पलैस्ट (प्रा०) लि०, शांति चेम्बर, सामने दिनेश हल, नवरंगपुर, अहमदाबाद-380009	जी० जे०/17041	1-3-91 से 28-2-94	2/4439/92/ डी०एल०आई०
17.	खिल इंजी० (प्रा०) लि०, प्लॉट नं० 380-81/ए, फेस-II, बतवा, अहमदाबाद-382445	जी० जे०/17465	1-9-91 से 31-8-94	2/4440/92/ डी०एल०आई०
18.	मै० रेमीक ट्रेडिंग कं० (प्रा०) लि०, प्राबल निवास, पंचवटी, इलीसत्रिज, अहमदाबाद	जी० जे०/17687	1-10-91 से 30-9-94	2/4441/92/ डी०एल०आई०
19.	मै० इण्डीफटी कास्ट 904, विशाल उद्योग नगर गुजरात-388121	जी० जे०/17839	1-2-91 से 31-1-94	2/4442/92/ डी०एल०आई०
20.	मै० प्रोमैकट प्लास्टिक्स (प्रा०) लि०, 125, जी० जे० डी० सी० एस्टेट, मेहसाना-384002	जी० जे०/18080	1-3-91 से 28-2-94	2/4443/92/ डी०एल०आई०
21.	मै० दन डिस्ट्रिब्यूटर्स, प्लॉट नं० 207, इंडस्ट्रीयल एस्टेट, दूसरी फेस, दादर एंड नागर हवेली, मिलबासा-396230	जी० जे०/19864	1-3-92 से 28-2-95	2/4444/92/ डी०एल०आई०

## अनुसूची-II.

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विण्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्वाह करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय लेखाओं का अन्तर्गण निरीक्षण प्रभार का संवाय आवि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदन सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की माथा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मरण पर इन स्कीम के अधीन संवेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दश में संवेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन ने कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यत्नित्युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वश में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त,

दिनांक 8 अप्रैल 1993

में. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/  
1856—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि मैं बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अलग या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस दिनांक से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त आनीकृत ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत ठीक प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संबालन की छूट देता हूँ।

## अनुसूची—I

क्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के०म०नि०आ० फा० सं०
1	2	3	4	5
1.	मै० केलट्रान मैगनैटिक्स लि०, केलट्रान नगर, डाकघर कालियासेरी कन्नूर-670562	के०आर०/4184	1-6-90 से 31-5-93	2/4538/92- डी०एल०आई०
2.	मै० स्टील कैमप्लक्स लि०, विसको नैमोर डा० बा० नं० 42 फरोक-केरल (इण्डिया) 673631	के०आर०/3996	1-3-88 से 28-2-91	2/4539/92- डी०एल०आई०
3.	मै० केलट्रान रजिस्ट्रार लि०, केलट्रान नगर, डाकघर कलियासेरी कन्नूर 670562	के०आर०/4289	1-6-90 से 31-5-93	2/4540/92- डी०एल०आई०
4.	मै० केरल सर्वोदय संघ, गांधी आश्रम, कालीकट-20	के०आर०/2152	1-1-88 से 31-12-90	2/4541/92- डी०एल०आई०
5.	मै० केलट्रान क्रिस्टल लि० केलट्रान नगर, कालीसेरी-670562, कन्नूर (इण्डिया)	के०आर०/4402	1-6-90 से 31-05-93	2/4542/92- डी०एल०आई०
6.	म० रानी फूड्स प्रोडक्ट्स, वाटानगर, कालीकट (जिला)	के०आर०/11002	1-10-88 से 30-9-91	02/4543/92- डी०एल०आई०
7.	मै० केलट्रान कम्पोनेन्ट कमप्लेक्स लि०; केलट्रान नगर, पो०आ० कालीफरी कन्नूर-670562	के०आर०/4401	1-06-90 से 31-5-93	2/4544/92- डी०एल०आई०
8.	मै० फातिमा माया मिसन हास्पिटल, कलपेटा, डाकघर विनाद	के०आर०/4788	1-3-90 से 28-2-93	2/4545/92- डी०एल०आई०
9.	मै० मनोज पैकेजिंग ऑफ इण्डिया डा० बा० नं० 15, फरोक-673631, केरल स्टेट	के०आर०/4472	1-9-89 से 31-8-92	2/4546/92- डी०एल०आई०
10.	मै० सन मेटल्स एण्ड एलेज प्रा० लि०, 49, अवनाशी रोड, कोयम्बटूर-641037	के०आर०/10331	1-7-88 से 30-6-91	2/4547/92- डी०एल०आई०
11.	मै० बी विनायक जिला कोप० बैंक लि०, केलपेटा नार्थ, विनायक	के०आर०/9958	1-1-88 से 31-12-90	2/4548/92- डी०एल०आई०
12.	मै० फलक्सन आटो स्टील प्रोडक्ट्स (प्रा०) लि०, के०के०-136बी० साउथ बाजार, कन्नूर-670002 (साउथ इण्डिया)	के०आर०/11308	1-3-89 से 29-2-92	2/4549/92- डी०एल०आई०
13.	मै० कोयनको सोल्वेन्ट एक्स ट्रेक्टर्स (प्रा०) लि० कोयनको बिल्डिंग, बैस्ट हिल, कालीकट-673005	के०आर०/ 11358	1-2-90 से 31-1-93	2/4550/92/ डी०एल०आई०
14.	मै० दी मुसलिम प्रिंटिंग एण्ड पब्लिशिंग कं० लि०, वार्ड० एम०सी०ए० रोड, पो०बा० नं० 64, कालीकट-673001	के० आर/277	7-11-89 से 6-11-92	2/4551/92 डी०एल०आई०
15.	मै० केरल अरबन डेवेलपमेन्ट फाइनेन्स कोर० लि०, कालीकट	के०आर०/ 11047	1-1-88 से 31-12-90	2/4552/92 डी०एल०आई०

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निरीक्षित करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निरीक्षित करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय बाँट भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुत संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के तृचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिकारियों/नाम निर्देशितों को प्रसिद्धि के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों

के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, बहुत क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना विचारकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यंगगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्ति क्रम की वशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिकारियों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिकारियों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर निरीक्षित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/  
1864—जहाँ अनुसूची-II में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूँकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवस्यगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।



क्षेत्र :

अनुसूची—I

क्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	भारत सरकार के अधिसूचना में प्रकाशित होने की दिनांक व सं० जिसमें छूट प्रदान की गई	छूट की समाप्ति की अवधि	छूट बढ़ाई जाने की अवधि	के०भ०नि०आ० फा० सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० साया जी आयरन एण्ड इंजीनियरिंग का० प्रा० लि०, चानी रोड बड़ीदा-390002	जी०जे०/ 204	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पार्ट-1 दि० 25-06-92	30-09-91	01-10-91 30-09-94	2/204/92- डी०एल०आई०
2.	मै० ओ०आर०जी० मिस्टमस, बाडी बाडी, बड़ीदा	जी०जे०/ 1315-सी	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पार्ट-1 दि० 19-01-90	30-04-91	01-05-91 30-04-94	2/2562/90- डी०एल०आई०
3.	मैसर्स एसोसिएटेड प्रेसिजन सर्वे-डेलस लि०, बम्बई-अहमदाबाद, एन०एच० सं० 8, डाक मकरपुरा जी०आई०डी०सी०, बड़ीदा-390010	जी०जे०/ 4808 जी०जे०/ 4578	एम-35014/460/ 82/पी०एफ० दि० 31-01-86 एस-35014/457/ 82/एस०एस०-11 दि० 31-01-86	11-02-89 11-02-89	12-02-89 11-02-92 12-02-92 11-02-95	2/832/ डी०एल०आई०
4.	मैसर्स रिंकी हाईड्रो कार्बन्स लि०, 67, सर्किल, बड़ीदा-390007	जी०जे०/ 4952-ए	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पार्ट-1 दि० 14-05-91	28-02-90	01-03-90 28-02-93	2/3466/91- डी०एल०आई०
5.	मै० फाउण्ट्री एप्रोक्लचरल एण्ड माइनिंग इक्विपमेंट्स प्रा० लि०, 355-57 जी०आई०डी०सी० इण्डस्ट्रियल एरिया, मकरपुरा, बड़ीदा-390010	जी०जे०/ 6147	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पार्ट-1 दि० 4-04-91	28-02-90	01-03-90 28-02-93	2/3395/91- डी०एल०आई०
6.	मै० सायाजी आयरन वर्क्स (कांक्रिटस) प्रा० लि०, चानी रोड, बड़ीदा-390002	जी०जे०/ 6325	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पार्ट-1 दि० 25-06-92	30-11-91	01-12-91 30-11-94	2/34608/91- डी०एल०आई०
7.	मै० अलाइड इलेक्ट्रिकल्स इण्ड-स्ट्रीज, 276, जी०आई०डी०सी० मकरपुरा रोड, बड़ीदा-390010	जी०जे०/ 6913	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पार्ट-1 दि० 25-06-92	31-07-91	01-08-91 31-07-94	2/3469/91- डी०एल०आई०
8.	मै० गुजरात कम्युनिकेशन एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स लि०, जी०आई०डी०सी० इण्डस्ट्रियल एस्टेट, मकरपुरा, बड़ीदा-390001	जी०जे०/ 6933	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पार्ट-1 दि० 19-01-90	28-02-91	01-03-91 28-02-94	2/2507/90- डी०एल०आई०
9.	मै० एबीस प्लास्टिक्स लि०, 11 वीं मंजिल, किरती टावर, बिलक रोड, बड़ीदा-390001	जी०जे०/ 7029	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पार्ट-1 दि० 4-04-91	28-02-90	01-03-90 28-02-93	2/3391-91- डी०एल०आई०
10.	मैसर्स एस०आई० वर्क्स, क्वारी (प्रा०) लि०, चानी रोड, बड़ीदा-390002	जी०जे०/ 7901	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पार्ट-1 दि० 25-06-92	30-09-91	01-10-91 30-09-94	2/3470/92- डी०एल०आई०

1	2	3	4	5	6	7
11.	मैसर्स रिंकी इण्डस्ट्रियल आंचल लि०, 67 रेस कोर्स सर्कल, बंबई-390007	जी०जे०/ 7976	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पार्ट-1 दि० 14-05-91	28-02-90	01-03-90 28-02-93	2/3471-91- डी०एल०आई०
12.	मै० कृषिदर उद्योग, 50ए, जी०आई०डी०सी०, इण्डस्ट्रियल एस्टेट, कलोल-380330	जी०जे०/ 10030	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पार्ट-1 दि० 04-04-91	28-02-90	01-03-90 28-02-93	2/3398/91- डी०एल०आई०
13.	मैसर्स पंच महल 50-ए०जी०आई०डी०सी० इण्डस्ट्रियल एस्टेट, कलोल-पी०एम०एस०	जी०जे०/ 10848	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पार्ट-1 दि० 18-07-91	28-02-90	01-03-90 28-02-93	2/3408/91- डी०एल०आई०

### अनुसूची -II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी बुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिनों के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रकाशन में, जिसके अंतर्गत संभाव्यों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संभाव्य संभाव्यों का अंतरण निरीक्षण प्रभारी को संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब सभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रकाशित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबद्ध करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समीक्षित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी नाश के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियम की तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पानिसी को व्ययगत हो जाने बिना जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिष्ठों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिष्ठों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/1872—जहाँ अनुसूची- I में उल्लिखित निगोष्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एल. सोम, केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग प्रदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप

सहबन्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, को अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची- I में निर्धारित शर्तों को रहते हुए मैं, बी. एल. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों को संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, जैसा कि संलग्न अनुसूची- I में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

## अनुसूची—1

क्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	भारत सरकार के अधिसूचना संख्या व दिनांक जिसके द्वारा छूट दी गई है	छूट की समाप्ति अवधि	छूट बढ़ाई जाने की अवधि	के० भ० नि० आ० फा० सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	में० एलकान इंजीनियरिंग क० लि०, पो० बा० नं० 6 बी० बी० नगर, गुजरात	जी० जे०/ 1834	एस-35014/153/ 86 एस० एस०—II दि० 21-04-86	20-04-89	21-04-89 20-04-92	2/1 डी० एल० आई०
2.	में० कुचमोटार जन्म भूमि ग्रुप आफ न्यूज पेपर्स, कैम्प एरिया, मृण (कुच)	जी० जे०/ 1978	2/1959/डी० एल० आई०/छूट/86/पार्ट-1 दि० 1-8-90	28-06-90	01-03-80 28-02-93	2/2806/90- डी० एल० आई०
3.	के० के० प्रोसेस, सरस्वती भवन, आजोव, डेयरी के पास, गोमतीपुर, अहमदाबाद-380021	जी० जे०/ 4775ए	—वही— दि० 21-05-91	28-02-91	01-02-91 28-02-94	2/331/91/- डी० एल० आई०
4.	में० आई० एम० सिन्ट्रस प्रोजेक्ट्स लि०, पहले श्री अम्बिका मिक्स लि०, न० 2, कनकरीया रोड, अहमदाबाद-380002	जी० जे०/ 307	एस-3514/203/ 83/पी० एफ० II एस० एस० II दि० 17-10-86	16-12-89	17-12-89 16-12-92	2/326/90- डी० एल० आई०
5.	में० एस० टी० सी० इंजीनियरिंग (पहले मिलिंग ट्रेडिंग क० लि०,) आनन्द सोजीबसरा रोड बी० बी० नगर, अहमदाबाद	जी० जे०/ 4864	एस-35014/151/ 83/पी० एफ०—II एस० एस०—II दि० 26-22-86	21-10-89	22-10-89 21-10-92	2/302/79- डी० एल० आई०
6.	में० अजय ट्रेडिंग क० सोप नं० 11, जिला पंचायत बिल्डिंग अपना बाजार के सामने, लाल दरवाजा, अहमदाबाद	जी० जे०/ 7288	2/1959/डी० एल० आई०/छूट/89- पी० एफ०—1 दि० 19-01-90	29-02-92	01-03-92 28-02-95	2/2564/90- डी० एल० आई०
7.	में० जे० सी० इण्डस्ट्रीज पी० डी० एम० कालेज के पास, गोन्डल रोड, राजकोट-360002	जी० जे०/ 7382	—वही— दि० 15-5-90	29-02-92	01-03-92 28-2-95	2/2355/89- डी० एल० आई०

1	2	3	4	5	6	7
8.	मै० मोती केमीटम प्रा० लि०, प्लॉट सं० 67/1-2 और 68, जी०आई०डी०सी० एस्टेट, बिसनगर	जी०जे०/ 11575	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पार्ट-1 दि० 10-09-91	27-02-92	28-02-91 27-02-94	2/1166/88- डी०एल०आई०
9.	मै० दी० सहयोग कोप० बैंक लि०, आयोजन नगर, अम्बाबाड़ी, अहमदाबाद	जी०जे०/ 11943	- वही— दि० 04-06-91	31-08-90	01-09-90 31-08-93	2/3581/91- डी०एल०आई०
10.	मै० दी० गुजरात स्टेट हैण्डलूम इण्डस्ट्रियल कोप० फैब्रिकेशन लि०, अहमदाबाद-380001	जी०जे०/ 14250	-वही— दि० 20-11-91	29-02-91	01-03-92 28-02-95	2/3486/91- डी०एल०आई०
11.	मै० एल० मैफ इण्डस्ट्रीज सर्वेस० 2876/2 विविधता के सामने क्षेसी स्कूल, बाद नगर, बिसनगर एप्रोच रोड, विदनगर-384355	जी०जे०/ 14356	—वही— दि० 15-05-90	30-09-91	01-10-91 30-09-94	2/2335/89- डी०एल०आई०

### अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसको पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और एने लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्देश करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत संस्थाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सचिवालय पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी दावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाया जाते है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनेकूल हो ज उक्त स्कीम के अधीन अनुशेष है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने में पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यत्नयुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते है तो यह रुढ़ की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत भारतीय के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रुढ़ की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न हो गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सन्निश्चित करेगा।

पी. एन. सोम  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

## दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय के वर्ष 1990-91 के वार्षिक लेखे और साथ में लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रकाशित सूचना के लिए आवश्यक अधिनियम के अधीन 39 (2) का दिल्ली विश्वविद्यालय एक्ट 1922 (एक्ट VIII का 1922) ।

एस० के० बासन  
रजिस्ट्रार

## दिल्ली विश्वविद्यालय

वर्ष 1990-91 के लेखे तथा लेखा परीक्षा रिपोर्ट  
दिल्ली विश्वविद्यालय का तुलन-पत्र 31-3-1991 को

31-3-90 को	निधियां तथा वेयताएं	31-3-91 को
रुपये	निधियां	रुपये
47,86,28,689	1. अनुदान	51,47,26,838
47,18,166	2. उपहार तथा दान	53,14,279
24,58,52,137	3. भविष्य निधि	28,08,40,557
67,25,558	4. मूल्य ह्रास आरक्षित निधि	69,81,909
2,32,753	5. प्रकाशन निधि	2,32,387
14,41,436	6. कुलपति की छात्र निधि	17,54,750
1,46,84,942	7. बन्वोबस्त निधि लेखा	1,69,10,561
4,28,451	8. बाह्य-ऋण निधि	4,33,504
6,95,90,791	9. गृह निर्माण ऋण निधि	7,68,26,782
2,41,417	10. प्रकाशन परिक्रामी निधि	2,53,918
4,34,149	11. रायल्ली निधि (अंग्रेजी विभाग)	5,05,717
1,68,707	12. 'ओरिएण्टल इन्स्टीट्यूट' के प्रकाशन की निधि	1,76,172
31,47,818	13. हिन्दी माध्यम कार्यालय निवेशालय निधि वेयताएं	29,22,387
2,49,35,994	1. (क) अप्रयुक्त अनुदान	2,47,54,976
1,35,00,000	(ख) पेशगी प्राप्त हुआ अनुरक्षण अनुदान	1,71,50,000
46,29,611	2. विज्ञान भवधान राशि तथा पुस्तकालय जमा राशियां	61,14,474
25,07,984	3. ठेकेदार की जमानतें	24,02,568
15,65,547	4. छात्रवृत्तियों की जमा राशि	36,84,964
1,19,10,148	5. अनुसंधान योजनाओं की जमा राशि	1,43,10,416
6,31,955	6. ग्रीष्म संस्थान, संगोष्ठियों, गोष्ठियों इत्यादि की जमा राशियां	2,61,417
35,37,442	7. अन्य जमा राशियां और प्रेषणाएं	38,34,240
1,44,17,528	8. देय राशि	18,07,599
20	9. पुस्तक बैंक (शिक्षा विभाग)	20
17,02,879	10. राष्ट्रीय सेवा योजना	8,79,220
4,27,300	11. प्रौढ़ तथा अनुवर्ती शिक्षा लेखा	3,30,460
—	12. पेंशन लेखा	95,358
99,726	13. सामूहिक बीमा योजना लेखा	93,491
—	14. व्यय से आय का आधिक्य	2,89,071
90,61,61,148	जोड़	98,38,88,035

## दिल्ली विश्वविद्यालय का तुलन-पत्र 31-3-91 को

31-3-90 को	परिसम्पत्तियां	31-3-91 को
रुपये		रुपये
16,15,28,797	1. भवन	18,16,95,041
1,30,02,032	2. भूमि	1,30,86,632
16,28,80,202	3. फर्नीचर तथा उपस्कर	17,25,83,338
24,39,173	4. वाहन	26,64,279
1,53,71,036	5. वैज्ञानिक उपकरण	1,62,69,533
13,54,40,456	6. पुस्तकें तथा पत्र-पत्रिकाएं	4,14,48,247
1,56,149	7. खेलकूद का सामान तथा द्रापियां	1,56,149
3,99,096	8. प्राप्य राशि	3,82,048
18,32,51,500	9. भविष्य निधियां	
2,85,75,523	(क) निवेश	22,99,77,995
	(ख) निवेशों पर प्राप्य व्याज	1,40,34,903
	10. अन्य निवेश -	
13,65,000	(क) मूल्य ह्रास आरक्षित निधि	11,15,000
1,83,000	(ख) प्रकाशन निधि	2,06,000
6,15,500	(ग) कुलपति की छात्र-निधि	7,30,000
1,25,99,164	(घ) बन्दोबस्ती निधियां	1,44,91,609
89,817	(ङ) समाज कार्य विभाग	89,817
33,41,100	(च) विज्ञान अवधान राशि तथा पुस्तकालय जमा	49,76,100
1,30,000	(छ) कम्प्यूटर केन्द्र की मशीनों का लेखा	—
3,55,000	(ज) रॉयस्टी निधि (अंग्रेजी विभाग)	5,00,000
1,34,04,000	(झ) योजनागत विकास लेखा	1,31,89,111
1,65,000	(झ) प्रकाशन परिक्रामी निधि	1,65,000
1,00,000	(ट) 'ओरिएन्टल इन्स्टीट्यूट' के प्रकाशन की निधि	1,00,000
13,00,000	(ठ) हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय निधि	18,00,000
1,35,000	(ड) विविध लेखा	1,35,000
	11. पेशगियां तथा ऋण	
1,04,775	(क) स्थायी पेशगी	1,08,525
14,91,511	(ख) अन्य पेशगियां	18,51,006
3,55,255	(ग) बाह्य ऋण	3,81,294
6,47,93,900	(घ) गृह निर्माण ऋण	6,58,26,603
30,53,000	12. विश्वविद्यालय प्रेस	39,71,000
4,795	13. डेसू के पास अमानत (समाज कार्य विभाग)	4,795
1,98,60,949	14. आय से व्यय का आधिक्य	—
33,94,350	15. अन्य अनुदान और बसूली की राशि	26,83,523
—	16. होस्टल अनुदान	1,28,083
7,62,76,068	17. बैंक में रोकड़	9,91,39,404
90,61,61,148	जोड़	98,38,88,035

## लेखों पर टिप्पणियाँ

## 1. सामान्य

इन वार्षिक लेखों में अनुरक्षित संस्थाओं/कालेजों के लेखे शामिल नहीं हैं, जिन्हें अलग से भेजा जाएगा।

## 2. परिसम्पत्तियाँ : कम सम्पत्ति 11 (ख) अन्य पेशगियाँ

इन आंकड़ों में निम्नलिखित पेशगियाँ शामिल नहीं हैं जिन्हें उनके अन्तिम लेखा मद में ले लिया गया है। इन पेशगियों के समायोजन के लिए पेशगियों के रजिस्ट्रार पर ध्यान रखा जा रहा है और समायोजनों के लिए 31-3-1990 तक रोकी गई पेशगियों की स्थिति को श्रेणीवार नीचे दिया जा रहा है :—

श्रेणी जोड़ रुपये	पिछले वर्षों में रुपये	1988-89 रुपये	1989-90 में रुपये	1990-91 में रुपये	योग रुपये
1. भवन	32,443	—	11,44,800	14,000	11,91,243
2. फर्नीचर तथा उपकरण	29,783	15,26,935	19,79,581	50,00,491	85,36,790
3. वैज्ञानिक उपकरण	2,51,500	23,873	27,826	6,84,154	9,87,353
4. पुस्तकें तथा पत्र-पत्रिकाएं	—	—	—	—	—
5. वाहन	—	—	—	—	—
6. अनुसंधान योजनाएं	24,260	11,514	8,62,811	34,14,104	43,12,689
7. संगोष्ठियाँ	52,850	36,783	72,600	75,675	2,37,908
8. अन्य पेशगियाँ जिन्हें संबंधित वर्षों के आय तथा व्यय लेखों में लिख लिया गया है	8,32,865	17,64,862	33,05,868	54,04,546	1,13,08,141
	12,23,701	33,63,967	73,93,486	1,45,92,970	2,65,74,124

प्रमाणित किया जाता है कि विश्वविद्यालय को मिले अनुदान का उपयोग उन्हीं कार्यों के लिए किया गया है जिनके लिए उन्हें स्वीकृत किया गया था और दिया गया था।

सहायक कुल सचिव (लेखा-1)  
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

वित्त अधिकारी  
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

कोषाध्यक्ष  
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

विवरण संख्या 2

वर्ष 1990-91 का आय तथा व्यय लेखा

वर्ष 1989-90	आय	वर्ष 1990-91
गैर-योजनागत लेखा (अनुदान अनुदान लेखा)		
रु०	पै०	रु० पै०
18,77,39,998.12	1. अनुदान, पूंजीगत व्यय को छोड़कर	23,06,55,563.19
42,22,882.80	2. छात्रों से प्राप्त शुल्क	2,05,30,919.45
1,34,07,785.55	3. परीक्षा शुल्क	—
17,02,032.56	4. अन्य शुल्क	—
2,17,632.50	5. स्वास्थ्य केन्द्र अंशदान	2,57,163.15
3,56,119.35	6. प्रकाशनों की बिक्री	4,14,664.70
1,18,677.05	7. फोटोकॉपी तैयार कराने के खर्च	65,443.75
—	8. ग्राफिक आर्ट सेक्टर	—
16,98,892.17	9. लाइसेंस शुल्क, बिजली पानी के खर्च इत्यादि	16,59,877.40
8,86,820.18	10. विविध	
49,58,375.68	(क) व्याज	2,84,049.30
	(ख) अन्य मदों से आय	19,45,406.61
21,53,09,215.96	जोड़	25,58,13,087.55

## II. योजना विकास लेखा

(अनुदान, अनावर्ती अनुदानों को छोड़कर)

41,86,497.96	(क) सातवीं योजना की स्कीमें	82,12,356.10
82,225.68	(ख) क्षेत्रीय अध्ययन कार्यक्रम— चीन और जापान सम्बन्धी अध्ययन	6,00,000.00
68,95,000.00	(ग) विशेष सहायता कार्यक्रम	3,92,871.00
2,48,630.81	(घ) अन्य मदों से आय	91,020.70
1,14,12,354.45	जोड़—II	92,96,247.80
22,67,21,570.41	जोड़—I तथा II	26,51,09,335.35
38,83,429.50	आय से व्यय का आधिक्य	—
23,06,04,999.91	कुल जोड़	26,51,09,335.35



वर्ष 1990-91 का आय व्यय-लेखा

वर्ष 1989-90

वर्ष 1990-91

भेदन तथा भत्ते	अन्य प्रकार	योग	विवरण	भेदन तथा भत्ते	अन्य प्रकार	योग
रु० पै०	रु० पै०	रु० पै०		रु० पै०	रु० पै०	रु० पै०
I. गैर योजनायत व्यय (अनुसूचित अनुदान लेखा)						
2,03,54,732.10	66,80,900.75	2,70,35,632.85	1. सामान्य प्रशासन	2,17,22,939.55	77,91,020.80	2,95,13,960.35
49,18,634.85	1,95,16,756.38	2,44,35,391.23	2. परीक्षक नियुक्त कर्मचारी	53,71,874.50	1,10,56,335.04	1,64,28,209.54
2,69,49,894.09	12,13,321.16	2,81,63,215.25	3. कला तथा समाज विज्ञान संकाय	2,82,31,899.16	15,70,483.25	2,98,02,382.41
2,71,03,148.90	33,41,441.90	3,04,44,590.80	4. विज्ञान संकाय	2,83,43,560.45	43,66,832.66	3,27,10,393.11
77,35,475.10	2,21,998.20	79,57,473.30	5. विधि संकाय	80,55,733.90	2,80,642.25	83,36,376.15
21,44,906.00	15,475.00	21,60,381.00	6. संगीत तथा ललित कला संकाय	23,67,045.00	11,492.00	23,78,537.00
33,21,602.00	2,46,228.97	35,67,830.97	7. गणित संकाय	37,74,656.00	2,73,638.76	40,48,294.76
5,59,073.85	5,99,712.70	11,58,786.55	8. आयुर्विज्ञान तथा प्रौद्योगिक संकाय	6,34,243.00	6,06,318.86	12,40,561.86
28,02,978.40	1,52,525.90	29,55,504.30	9. प्रकाश अध्ययन संकाय	31,19,134.30	1,58,490.75	32,77,625.05
41,32,660.30	2,53,605.00	43,86,265.30	10. विद्या संकाय	44,98,814.59	2,77,411.00	47,76,225.59
1,09,61,491.00	82,91,740.51	1,92,53,231.51	11. दक्षिण दिल्ली परिसर	1,44,00,097.00	1,10,70,685.18	2,54,70,782.18
1,00,86,684.34	7,81,448.45	1,08,68,132.79	12. दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय संकाय	1,08,21,769.30	7,47,546.04	1,15,69,315.34
6,07,372.50	46,068.31	6,53,440.81	13. हिन्दी माध्यम कार्यालय निदेशालय	6,74,335.00	52,918.59	7,27,253.59
14,05,155.10	1,02,91,713.16	1,16,96,868.26	14. (क) छात्र-सुविधायें	14,73,185.65	45,21,001.95	59,94,187.60
—	—	—	(ख) विश्वविद्यालय संग्रहित होस्टल	—	55,69,285.00	55,69,285.00
40,94,688.50	2,12,79,232.65	2,53,73,921.15	15. कर्मचारी हित योजना	47,04,720.60	2,48,07,935.30	2,95,12,655.90
68,38,463.80	3,51,085.50	71,89,549.30	16. अनुदान तथा अर्द्धदान	—	4,57,320.40	4,57,320.40
1,36,557.00	—	1,36,557.00	17. अनुसंधान तथा परम्परा के कार्य	70,75,281.80	1,31,97,430.56	2,02,72,712.36
9,26,095.05	17,41,596.95	26,67,692.00	18. अध्ययन अवकाश	1,48,517.00	—	1,48,517.00
3,03,032.00	2,58,515.33	5,61,547.33	19. कालेजों में महिला शिक्षा मण्डल	10,44,768.00	24,07,368.89	34,52,137.69
17,19,831.40	9,15,353.89	26,35,185.29	20. प्रौद्योगिकी आर्ट्स केंद्र	4,14,078.25	3,53,573.35	7,67,651.60
—	—	—	21. दिल्ली विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केंद्र	16,25,247.25	11,86,751.43	28,11,998.68
13,71,02,496.28	8,72,41,009.71	22,43,43,505.99	जोड़-I	14,85,01,901.10	9,07,64,482.06	23,92,66,383.16

## II. योजनागत विकास अनुदान लेखा

29,96,773.20	15,00,239.93	44,97,013.13	(क) सार्वजनिक योजना की स्कीम	15,13,003.00	16,45,827.21	31,58,830.21
1,97,905.00	2,66,082.00	4,63,987.00	(ख) सार्वजनिक-कार्यक्रम-जीन जापान सम्मेलन कार्यक्रम	05,82,600.00	02,11,831.00	07,94,431.00
2,41,155.00	10,59,338.79	13,00,493.79	(ग) विशेष सहायता कार्यक्रम	7,22,546.80	10,17,124.51	17,39,671.31
24,35,833.20	28,25,660.72	62,61,493.92	जोड़ -II	28,18,149.80	28,74,782.72	56,92,932.52
14,05,38,329.48	9,00,66,670.43	23,06,04,999.91	जोड़ I और जोड़ II	15,13,20,050.90	9,36,39,264.78	24,49,59,315.68
—	—	—	आय से व्यय का आधिक्य	—	—	2,01,50,019.67
14,05,38,329.48	9,00,66,670.43	23,06,04,999.91	कुल जोड़	15,13,20,050.90	9,36,39,264.78	26,51,09,335.35

## लेखों पर टिप्पणियाँ

वर्ष 1990-91 के दौरान दिये गये ऋणों में उन पैसियों को भी शामिल किया गया है जिसका लेख के अन्तिम अंक से तब किन्ने गये संघ में 31-3-1991 तक, नीचे दी गई हर तक, समायोजन करना है।

- (1) अवकाश यात्रा रिवास्त के रूप में कार्यकारिणों को दी गई राशि रु० 17,495.00  
 (2) आनुवंशिक अध्ययन इत्यादि के निमित्त किसानों को दी गई राशि रु० 53,97,051.00

54,14,546.00

सहायक कुल सचिव (लेखा-I)  
 दिल्ली विधानसभा  
 दिल्ली

वित्त अधिकारी  
 दिल्ली विधानसभा  
 दिल्ली

कोषाध्यक्ष  
 दिल्ली विधानसभा  
 दिल्ली

## वर्ष 1990-91 के लिए प्राप्तियों और अदायगियों का सारांश

क्र० सं०	खाते का नाम	रोकड़ जमा 1-4-1990		प्राप्तियां		अदायगियां		रोकड़ बाकी 31-3-91	
		रु०	पै०	रु०	पै०	रु०	पै०	रु०	पै०
1	2	3		4		5		6	
1. गैर-योजनागत खाता									
(1)	सामान्य निधि बचत लेखा (सी० एण्ड आई० 212)	29,92,832.25						1,08,29,116.16	
(2)	अनुरक्षण अनुदान लेखा सं० 1	3,64,475.90						8,78,299.50	
(3)	अनुरक्षण अनुदान लेखा सं० 2	1,35,199.74						4,99,622.60	
(4)	अनुरक्षण अनुदान लेखा सं० 3	29,87,313.92						4,63,554.72	
(5)	साध्य विधि केन्द्र सं० 1 लेखा	1,87,418.56						1,21,235.11	
(6)	सांध्य विधि केन्द्र सं० 2 लेखा	61,879.01		32,58,28,660.93		31,97,30,428.53		8,249.66	
(7)	दक्षिण दिल्ली परिसर सामान्य निधि लेखा	3,10,671.08						3,421.01	
(8)	समाज कार्य विभाग	(-) 1,609.87						35,904.01	
(9)	कालेजेतर महिला शिक्षा मण्डल लेखा (सी एण्ड आई 326)	94,644.05						80,358.05	
(10)	शिक्षा विभाग लेखा	58,925.82						(-) 9,394.77	
(11)	बाह्य छात्र कक्ष लेखा (सी० एण्ड आई० 325)	31,817.45						1,64,305.45	
(12)	कम्प्यूटर सेंटर बचत लेखा सं० 234	92,928.54						2,40,165.54	
(13)	विभागीय प्राप्ति बचत खाता सं० 445	31,821.05						1,44,015.75	
कुल रोकड़ बाकी गैर योजनागत		73,48,317.50		32,58,28,660.93		31,97,30,428.53		1,34,58,852.79	
योजनागत विकास खाता									
(1)	योजनागत विकास बालू खाता	6,90,052.56						15,34,917.79	
(2)	योजनागत विकास बचत खाता (सी० एण्ड आई० 211)	38,88,302.04						83,93,715.04	
(3)	दक्षिण दिल्ली परिसर	6,86,674.74		5,09,15,304.70		4,47,72,463.78		9,11,162.43	
(4)	शिक्षा विभाग	11,514.30						11,514.30	
(5)	समाज कार्य विभाग	1,761.88						1,761.88	
(6)	सी० पी० डी० एण्ड ई० (सी एण्ड आई० 440)	48,630.81						12,660.81	
योजना विकास लेखों के अन्तर्गत कुल रोकड़ बाकी		53,26,936.33		5,09,15,304.70		4,47,72,463.78		1,08,65,732.25	

1	2	3	4	3	6
<b>3. विविध लेखा</b>					
(1) विविध चालू लेखा	7,67,728.50				1,57,355.42
			50,63,665.43	69,62,338.12	
(2) विविध बचत बैंक लेखा (सी० एण्ड आई०—213)	7,88,538.71				91,981.21
(3) दक्षिण-दिल्ली मरिसर (सी० एण्ड आई०—39)	—	20,26,824.29		18,86,428.00	1,40,396.29
विधि लेखों के अन्तर्गत कुल रोकड़ बाकी	15,56,267.21	70,90,489.72		88,48,766.12	3,89,732.92
<b>4. (1) भविष्य निधि लेखा</b>					
(सी० यू० 40)	17,13,769.03	4,14,70,216.27		4,04,48,703.00	27,35,282.30
(2) अदायगी भविष्य निधि लेखा (सी० यू० 109)	19,256.62	10,62,24,576.17		10,21,91,860.37	40,51,972.42
(3) सामान्य भविष्य निधि लेखा (सी० यू० 106)	47,06,847.95	3,21,27,245.97		3,11,56,861.87	56,77,232.05
(4) अंशदायी भविष्य निधि लेखा जो वि० अनु० आ० को लौटाना है (सी० यू०) 107	2,75,85,240.93	11,95,54,467.22		12,27,76,535.00	2,43,63,173.15
(5) मूल्यह्रास आरक्षित निधि लेखा (सी० एण्ड आई० 216)	5,66,734.00	10,10,142.00		8,92,903.68	6,83,972.32
(6) प्रकाशन विधि लेखा (सी० यू० 35)	40,423.62	57,546.00		88,504.00	9,465.62
2. प्रकाशन लेखा—स्लेविक स्टडीज विभाग (सी० एण्ड आई० 455)	4,664.30	3,796.00		—	8,460.30
3. प्रकाशन लेखा—एस० आई० एस० (सी० एण्ड आई० 456)	4,664.30	3,796.00		—	8,460.30
7. कुलपति छात्र निधि लेखा (सी० यू० 31)	8,25,936.55	6,00,013.80		4,01,200.00	10,24,750.35
8. बन्धोबस्ती निधि खाता	21,85,778.59	68,49,615.83		66,16,441.21	24,18,953.21
9. बाह्य ऋण निधि लेखा (सी० एण्ड आई० 100)	73,196.40	3,58,624.00		3,79,610.00	52,210.40
10. गृह निर्माण ऋण निधि लेखा (सी० एण्ड आई० 258)	47,96,891.08	2,91,86,898.57		2,29,83,611.00	1,10,00,178.61
11. प्रकाशन परिक्रमी निधि लेखा (सी० एण्ड आई० 264)	76,417.74	93,576.95		81,076.00	88,918.69
12. अंग्रेजी विभाग रायल्टी लेखा (सी० एण्ड आई० 282)	79,149.39	83,061.74		1,56,493.75	5,717.38
13. दिल्ली विश्वविद्यालय ओरिएण्टल इंसेक्टस का प्रकाशन निधि लेखा (बचत खाता सं० 344)	68,706.68	17,465.00		10,000.00	76,171.78

1	2	3	4	5	6
14.	हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय	18,47,818.75	18,33,151.65	25,58,583.00	11,22,387.40
15.	विज्ञान अनुसंधान निधि (सी० एण्ड आई० 70)	1,12,019.48	64,798.15	1,03,086.60	73,731.03
16.	पुस्तकालय जमा राशि खाता (सी० एण्ड आई० 140)	11,66,793.62	16,55,391.00	17,67,239.20	10,54,945.42
17.	सी० एस० आई० आर० छात्रवृत्ति लेखा (सी० एण्ड आई० 99)	7,95,136.50	60,43,624.95	67,45,448.00	93,313.45
18.	बि० अनु० आ० छात्रवृत्ति लेखा (सी० एण्ड आई० 131)	4,13,785.75	1,48,91,637.15	1,28,45,113.78	24,60,309.12
19.	अन्य निकायों का छात्रवृत्ति लेखा (सी० एण्ड आई० 165)	4,71,644.90	22,75,441.38	13,14,861.00	14,32,425.28
20.	अध्येवृत्ति छात्रवृत्ति लेखा (शिक्षा विभाग) (सी० एण्ड आई० 152)	18,265.65	912.80	—	19,198.45
21.	विदेशी छात्रों का छात्रवृत्ति लेखा (सी० एण्ड आई० 4018)	1,79,791.10	5,70,017.00	5,66,793.00	1,83,015.10
22.	अनुसंधान योजना लेखा (सी० एण्ड आई० 148)	36,28,810.54	2,22,53,138.71	2,29,37,716.06	29,37,733.19
23.	अनुसंधान परियोजना लेखा (समाज कार्य विभाग)	48,380.59	4,89,636.65	3,57,831.56	80,185.68
24.	आई० ए० एस० (शिक्षा विभाग)	—	18,42,892.30	10,69,869.00	7,73,023.30
25.	डी० ओ० ई० अनुसंधान परियोजना लेखा (सी० एण्ड आई० 280)	89,991.75	2,99,701.00	3,82,736.50	6,956.75
26.	अनुसंधान योजना लेखा. (सी० एण्ड आई० 384)	30,15,129.95	50,87,373.00	44,39,860.50	36,62,642.45
27.	अनुसंधान योजना लेखा (सी० एण्ड आई० 21)	25,01,530.00	53,86,999.60	39,41,460.00	39,47,069.00
28.	संगोष्ठी ग्रीष्म कालीन संस्थान (सी० एण्ड आई० 252)	6,31,955.47	15,65,601.84	19,36,140.00	2,61,417.31
29.	प्रेषणाएं तथा जमा लेखा (शिक्षा विभाग)	81,937.77	69,3941.00	3,398.00	87,880.77
30.	हिन्दी विश्वविद्यालय कर्मचारी क्वार्टर लेखा (सी० एण्ड आई० 313)	76,201.05	45,53,876.00	41,90,208.55	1,39,868.50
31.	केस सामग्री योजना लेखा (1) परिसर विधि केन्द्र (सी० एण्ड आई० 390)	77,481.05	3,59,548.00	3,10,342.00	1,26,687.05

1	2	3	4	5	6
	(2) सांध्य विधि केन्द्र-I (लेखा सं० 12742)	75.00	—	—	75.00
	(3) सांध्य विधि केन्द्र-I (लेखा सं० 14974)	1,48,584.74	2,12,656.55	2,21,078.00	1,40,163.29
	(4) सांध्य विधि केन्द्र-I (लेखा सं० 7803)	4,634.70	1,33,881.10	1,33,155.00	5,360.80
32.	जापान से मिले विशेष अनुदान का लेखा (सी० एण्ड आई० 361)	63,590.65	3,382.00	—	66,972.65
33.	एशिया-82 लेखा (सी० एण्ड आई० 288)	2,22,862.58	11,409.00	11,409.00	2,26,862.58
34.	विदेशी मुद्रा लेखा (सी० एण्ड आई० 426)	708.30	321.00	708.30	321.00
35.	संकाय विकास विधि (1) प्रबन्ध अध्ययन संकाय (बचत लेखा-297)	7,551.70	1,649.00	—	9,200.70
	(2) सांध्य विधि केन्द्र-I (बचत खाता-17336)	61,973.10	1,10,331.13	93,194.00	79,110.23
	(3) परिसर विधि केन्द्र	31,759.30	60,060.00	39,807.75	61,011.55
36.	श्रमजीवी महिला होस्टल (सी० एण्ड आई० 356)	25,516.65	1,291.00	—	26,807.65
37.	दाखिला प्रक्रिया व्यय खाता- प्रबन्ध अध्ययन संकाय तथा वाणिज्य शास्त्र विभाग (सी० एण्ड आई० 449)	11,34,642.65	10,80,137.80	6,68,498.00	15,46,282.45
38.	विधिसंकाय कम्प्यूटर विज्ञान विभाग (सी० एण्ड आई० 460)	1,10,673.00	99,533.00	1,13,523.35	96,682.65
39.	रा० से० योजना लेखा (समाज कार्य विभाग)	17,02,879.04	30,403.01	8,54,062.48	8,79,219.57
40.	दिल्ली विश्वविद्यालय प्रौढ़ तथा अनुवर्ती शिक्षा लेखा (सी० एण्ड आई० 336)	4,27,298.42	7,48,058.85	8,44,899.00	3,30,458.27
41.	सामुहिक बीमा योजना लेखा (सी० एण्ड आई० 374)	99,726.33	1,27,83,978.89	1,27,90,213.61	93,491.61
42.	दिल्ली विश्वविद्यालय पेन्शन खाता (सी० एण्ड आई० 471)	1,00,000.00	9,21,427.00	9,26,069.00	95,358.00
	कुल जोड़	7,62,76,068.30	80,66,26,097.78	78,37,62,762.05	9,91,39,404.03
सहायक कुल सचिव (लेखा-1) दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली		वित्त अधिकारी दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली		कोषाध्यक्ष दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली	

## टिप्पणियां

## आंतर बैंक अन्तरण

31-3-1991 की स्थिति के अनुसार 1990-91 के दौरान तथा इससे पहले के वर्षों में निम्नलिखित आंतर बैंक अन्तरण असमायोजित पड़े रहे :

क्रमांक	मद से	मद को	राशि रुपए में
1.	अनुरक्षण अनुदान लेखा	दिल्ली विश्वविद्यालय प्रेस	25,00,000
2.	अनुरक्षण अनुदान लेखा	विविध लेखा	10,00,000
3.	योजना विकास लेखा	अनुरक्षण अनुदान लेखा	20,000
4.	विविध लेखा	दक्षिण दिल्ली परिसर	20,000
5.	योजना विकास लेखा	विविध लेखा	6,60,000
6.	विविध लेखा	दिल्ली विश्वविद्यालय प्रेस	14,71,000
7.	विविध लेखा	संकाय विकास निधि	30,000
8.	अन्य निकायों की छात्रवृत्ति (सी० एण्ड आई०-165)	सी० एस० आई० आर० छात्रवृत्ति	1,86,421
9.	यू० जी० सी० छात्रवृत्ति (सी० एण्ड आई०-131)	सी० एस० आई० आर० छात्रवृत्ति	4,00,000
10.	अनुसन्धान योजना लेखा (सी० एण्ड आई०-148)	सी० एस० आई० आर० छात्रवृत्ति	1,70,000

## दिल्ली विश्वविद्यालय

## 2. रोकड़ बहियों में गलत वर्गीकरण का सुधार

रोकड़ बहियों में गलत वर्गीकरण के कारण 1990-91 के निम्नलिखित आंतर बैंक अन्तरणों को 1991-92 में पूरा किया जाना था ।

क्रमांक	मद से	मद को	राशि रुपए में
1.	विविध लेखा	योजना विकास लेखा	5,99,693.00
2.	अनुरक्षण अनुदान लेखा	विविध लेखा	5,895.69

सहायक कुल सचिव (लेखा-1)  
दिल्ली विश्वविद्यालय  
दिल्ली ।

प्रवक्तृ अधिकारी  
दिल्ली विश्वविद्यालय  
दिल्ली ।

काषाध्यक्ष  
दिल्ली विश्वविद्यालय  
दिल्ली ।

विवरण सं० 4

## दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संरक्षित हॉलों/अवकाशों का सुलन-पत्र

31-3-1991 की स्थिति

31-3-1990 को	निधियां तथा वेधताएं	31-3-1991 को
1	2	3
रुपए		रुपए
32,71,390	1. अनुदान : ग्वायर् हॉल 3,38,294 जुबली हॉल 3,53,066 इंटरनेशनल स्टूडेंट हाउस 10,05,076 विश्वविद्यालय बीमन होस्टल 7,75,674 समाज कार्य होस्टल 47,870 शिक्षा विभाग होस्टल 1,22,129 पी० जी० मैन होस्टल 3,14,138 मानसरोवर होस्टल 7,30,906 गीतांजलि होस्टल 32,471	37,18,624
5,89,071	2. अवधान राशि : ग्वायर् हॉल 51,716 जुबली हॉल 1,22,100 इंटरनेशनल स्टूडेंट हाउस 89,350 विश्वविद्यालय महिला होस्टल 1,87,850 पी० जी० मैन होस्टल 71,968 मानसरोवर होस्टल 91,800	6,14,784
5,200	3. अमानत की राशि : ग्वायर् हॉल 250 जुबली हॉल 5,200 विश्वविद्यालय महिला होस्टल 1,250 समाज कार्य विभाग होस्टल 42,200 शिक्षा विभाग होस्टल 18,738 पी० जी० मैन होस्टल 1,500 गीतांजलि होस्टल 15,000	84,138



1	2	3
1,15,404	4. अन्य जमा राशि :	
	ग्वायर हॉल	60
	जुबली हॉल	84,351
	इंटरनेशनल स्टूडेंट हाउस	7,906
	विश्वविद्यालय महिला होस्टल	12,304
	शिक्षा विभाग होस्टल	4,740
	मानसरोवर होस्टल	28,071
		<hr/> 1,37,432 <hr/>
18,638	5. बन्दोबस्ती निधि :	
	विश्वविद्यालय महिला होस्टल	2,220
	पी. जी. मैन होस्टल	20,085
		<hr/> 22,305 <hr/>
14,555	6. भविष्य निधि, सामान्य निधि खाता छात्रावास विकास निधि :	<hr/>
1,52,483	7. जुबली हॉल :	1,200
	इंटरनेशनल स्टूडेंट हाउस	1,74,188
	विश्वविद्यालय महिला होस्टल	38,034
	मानसरोवर होस्टल	21,585
		<hr/> 2,35,007 <hr/>
4,46,898	8. वेयरशिप :	
	ग्वायर हॉल	3,26,005
	जुबली हॉल	80,727
	इंटरनेशनल स्टूडेंट हाउस	8,089
	विश्वविद्यालय महिला होस्टल	29,609
	समाज कार्य विभाग होस्टल	76,000
	शिक्षा विभाग होस्टल	710
	पी. जी. मैन होस्टल	61,210
		<hr/> 5,20,350 <hr/>
46,958	9. व्यय पूरा हो जाने के बाद लेव प्राय	1,88,777
<hr/> 46,60,594	जोड़	<hr/> 55,22,417 <hr/>

## वित्तीय विवरणों द्वारा संरक्षित हॉलों/छात्रावासों का तुलना-पत्र

31-3-1991 की स्थिति

31-3-90 को	परिसम्पत्तियाँ	31-3-91 को
रुपए		रुपए
8,66,890	1. भवन : इन्टरनेशनल स्टूडेंट हाउस मानसरोवर होस्टल	8,66,890 29,147
		8,96,037
4,37,319	2. फर्नीचर तथा उपस्कर स्वायर हॉल जुबली हॉल इन्टरनेशनल स्टूडेंट हाउस विश्वविद्यालय महिला होस्टल समाज कार्य विभाग होस्टल शिक्षा विभाग होस्टल पी० जी० मैन होस्टल मानसरोवर होस्टल गीतान्जली होस्टल	3,84,676 3,53,066 1,38,186 7,75,674 47,870 1,22,129 3,14,138 7,01,739 32,471
		28,69,969
4,68,296	3. निवेश स्वायर हॉल जुबली हॉल इन्टरनेशनल स्टूडेंट हाउस विश्वविद्यालय महिला होस्टल पी० जी० मैन होस्टल मानसरोवर होस्टल	12,140 67,373 70,000 1,52,000 78,240 77,000
		4,56,753
24,500	4. प्रभानत की राशि स्वायर हॉल शिक्षा विभाग होस्टल पी० जी० मैन होस्टल मानसरोवर होस्टल	16,100 19,448 5,400 19,000
		59,948
5,500	5. स्थायी अग्रिम राशि जुबली हॉल विश्वविद्यालय महिला होस्टल मानसरोवर होस्टल	5,000 200 1,000
		6,200

1	2	3
1,33,758	6. अन्य अग्रिम राशि	
	स्वायत्त हॉल	1,07,556
	जुबली हॉल	3,900
	इन्टरनेशनल स्टूडेंट हाउस	31,673
	विश्वविद्यालय महिला होस्टल	13,600
	समाजकार्य विभाग होस्टल	4,205
	पी० जी० मैन होस्टल	13,139
	मानसरोवर होस्टल	3,680
		<hr/> 1,67,753
56,930	7. प्राप्य धनराशि	
	स्वायत्त हॉल	17,267
	जुबली हॉल	19,482
	इन्टरनेशनल स्टूडेंट हाउस	3,973
	विश्वविद्यालय महिला होस्टल	2,530
	पी० जी० मैन होस्टल	11,195
	मानसरोवर होस्टल	5,491
		<hr/> 69,938
1,52,483	8. छात्रावास विकास	
	इन्टरनेशनल स्टूडेंट हाउस	1,74,188
		<hr/> 1,74,188
10,165	9. वाहन ऋण	
	स्वायत्त हॉल	1,653
	जुबली हॉल	7,614
	मानसरोवर होस्टल	15,200
		<hr/> 24,467
5,04,753	10. बैंक में शेष जमा राशि	8,05,486
—	11. खोजनीय राशि (स्वायत्त हॉल)	1,378
<hr/> 20,00,000		<hr/> 55,22,417

विवरण सं० 5

## संरक्षित हॉलों/छात्रावासों के वर्ष 1990-91 का आय तथा व्यय लेखा

हॉल/होस्टलों के नाम	स्थिति रु० पै०	समावेश रु० पै०	आय रु० पै०	व्यय रु० पै०	स्थिति 31-3-1991 रु० पै०
रवायर हॉल	(-) 1,87,945.70	—	12,06,427.50	12,20,173.05	(-) 2,01,691.25
जुबली हॉल	77,665.37	—	12,96,267.63	12,85,890.80	88,042.20
इन्टरनेशनल स्टूडेंट हाउस	(-) 1,003.45	—	9,70,277.06	9,56,569.94	12,703.67
विश्वविद्यालय महिला होस्टल	(-) 20,972.31	(+) 2,400.00	13,77,342.05	13,61,118.85	(-) 2,349.11
समाज कार्य विभाग होस्टल	(-) 13,464.78	—	4,04,751.00	3,84,633.98	6,652.24
शिक्षा विभाग होस्टल	8,059.69	—	1,62,026.00	1,40,933.00	29,152.69
पी० बी० मैन होस्टल	1,40,292.41	—	8,24,999.10	7,97,240.92	1,68,050.59
मानसरोवर होस्टल	38,921.23	(-) 16,00,000	8,70,869.70	8,41,402.00	84,388.93
बीसाणली होस्टल	—	—	21,507.55	17,679.99	3,827.56
जोड़	41,552.46	18,400.00	71,34,467.59	70,05,642.53	1,88,777.52

छाते क्रमांक 5, 6 और 9 पहली बार सम्मिलित किए गए हैं।

सहायक कुल सचिव  
दिल्ली विश्वविद्यालयवित्त अधिकारी  
दिल्ली विश्वविद्यालयकोषाध्यक्ष  
दिल्ली विश्वविद्यालय

विवरण सं०-6

## वर्ष 1990-91 के लिए प्राप्त और जुगतान के खाते का विवरण (रोकड़ जमा और रोकड़ बाकी सहित)

हॉल/होस्टलों के नाम	1-4-90 की स्थिति रु० पै०	भूत सुधार रु० पै०	अनुदान रु० प०	प्राप्तियाँ 1990-91 रु० पै०	अदायगियाँ 1990-91 रु० पै०	स्थिति 31-3-91, रु० प०
1	2	3	4	5	6	7
रवायर हॉल	20,110.29	(-) 1,378.14	8,43,000.00	34,145.25	13,29,513.05	(-) 26,135.65
जुबली हॉल	2,19,819.83	--	10,29,000.00	4,40,684.14	14,11,033.17	2,78,250.80
इन्टरनेशनल स्टूडेंट हाउस	4,932.97	--	8,82,500.00	4,74,329.52	13,51,360.46	10,402.03
विश्वविद्यालय महिला होस्टल	88,013.50	--	8,14,980.00	8,67,066.00	18,59,452.50	1,10,587.00

1	2	3	4	5	6	7
समाज कार्य विभाग						
होस्टल	1,00,969.72	--	3,06,000.00	1,98,512.80	4,80,094.45	1,25,388.07
शिक्षा विभाग होस्टल	8,059.69	--	1,08,326.00	53,700.00	1,40,933.00	29,152.69
पी० जी० मन होस्टल	1,31,723.41	--	7,50,499.00	1,58,566.15	8,85,948.97	1,54,839.59
मानसरोवर होस्टल	40,352.41	--	7,15,000.00	3,90,395.70	10,41,274.00	1,04,474.11
गीतांजली होस्टल	--	--	20,000.00	48,978.20	50,150.64	18,827.56
जोड़	6,73,781.72	) - ) 1,378,14	55,69,278.00	29,73,857.76	83,49,760.24	8,05,788.20

खाते क्रमांक 5, 6 और 9 पहली बार सम्मिलित किए गए हैं ।

सहायक सचिव  
दिल्ली विश्वविद्यालय

वित्त अधिकारी  
दिल्ली विश्वविद्यालय

कोषाध्यक्ष  
दिल्ली विश्वविद्यालय

विवरण सं०-7

दिल्ली विश्वविद्यालय प्रेस  
31 मार्च 1990 तक का तुलना-पत्र

31-3-90 को	परिसम्पत्तियां	31-3-91 को
रुपये		रुपये
13,40,383	1. मशीनें, फर्नीचर तथा उपस्कर घटाएँ : मूल्यहास	26,69,573 13,49,346 ----- 13,20,227
	जितनी संवत्ति को बिपटा दिया गया	84,636 ----- 12,35,591
2,08,705	2. कम्पोजिंग का सामान घटाएँ : मूल्यहास	7,81,887 ----- 5,94,095 ----- 1,87,792
13,08,300	3. प्राप्य राशि	12,92,665
1,95,188	4. मौजूदा स्टॉक	
54,375	(क) कच्चा माल	93,814
82,667	(ख) तैयार माल	32,601
1,000	5. कार्य जो चल रहा है	73,350
1,54,466	6. स्थायी पेशगी	1,000
10,460	7. बैंक में रोकड़	68,639
31,48,683	8. स्पीडर पेशगी	10,490
	9. हानि (इकट्ठी हो गई)	40,33,952
65,04,127	जोड़	70,29,894
31-3-90 को	निधियां और धनताएँ	31-3-1993 का

1	2	3	4
रुपये			रुपये
	1. अनुदान		
1,62,442	(क) बि० अ० आ० विशेष अनुदान		1,62,442
9,08,764	(ख) ब्लॉक अनुदान में से अनुदान		9,08,764
12,04,306	(ग) फोर्ड फाउंडेशन में से अनुदान	12,04,306	
5,36,000	घटाएं :	84,636	
2,75,000	(क) योजना खाता (मशीन खरीदने के लिए)		11,19,670
	2. मूल्यह्रास आरक्षित निधि		5,36,000
	3. विविध लेन-देन		25,000
10,622	(क) अन्य विभागों से संबंधित प्राप्तियाँ		10,702
1,31,048	(ख) वेतन बिलों से कटौती		1,35,277
2,12,417	(ग) वेतन बिल		1,50,511
	4. कर्ज और पेशगियाँ :		
7,528	(क) कराए जाने वाले काम के लिए पेशगी		7,528
30,53,000	(ख) अंतरा बैंक भ्रंशरण		39,71,000
3,000	(ग) ब्याज		3,000
65,04,127	जोड़		70,29,894

लेखों पर टिप्पणियाँ परिसम्पत्तियों के अन्तर्गत-3

12,92,665 रुपये की बकाया राशि में से 3,73,199-रुपये की राशि विश्वविद्यालय और इसके विभागों को छोड़कर मांग पत्र भेजने वालों से ली जानी थी।

प्रबन्धक  
दिल्ली विश्वविद्यालय

वित्त अधिकारी  
दिल्ली विश्वविद्यालय

कोषाध्यक्ष  
दिल्ली विश्वविद्यालय

विवरण सं०-8

वर्ष 1990-91 का लाभकारी लेखा

व्यय	1990-91	पिछले वर्ष	आय	1990-91	पिछले वर्ष
1. मौजूदा स्टॉक				1. प्राप्तियाँ	
(क) कच्चा माल		1,95,188	1,22,744	(क) प्रिंटिंग तथा बाह्जिंग के खिल	26,45,348 --
(ख) तैयार माल		54,375	24,158	(ख) रही कागज की बिक्री	33,168 --
2. काम जो चल रहा है		82,667	3,96,142	(ग) विविध प्राप्तियाँ	2,539 28,11,202
3. (क) वेतन तथा भत्ते	27,01,018			(घ) जो मशीन पिछले वर्ष बची थी उसकी राशि गलती से आरक्षित निधि में जमा कर दी गई थी, यह प्रविष्टि अब सुधार की गई है	
(ख) समयोपरि कार्य-भरती	38,833			(ङ) फोर्ड फाउंडेशन	84,636
(ग) अचकाश यात्रा रियायत	35,194				
(घ) शिक्षा शुल्क	3,057				
(ङ) ई० एस० आई० सी०	16,031				

1	2	3	4	5	6	7
(ब) दोनस	29,05,488			25,25,270	अनुबाध से जो मशीन खरीदी	
4. कच्चे माल की खरीद			3,37,223	3,39,267	गई थी, पिछले वर्षों में वह	
5. विविध आनुवंशिक खर्च			71,494	99,759	राशि लाभ-हानि खाते में !	
6. किराया वर तथा कर			5,992	6,375	लिखा ही गई थी, अब मूल्य- ह्रास राशि का पुनरांकन कर दिया गया है।	
7. बाहरी एजेंसियों के माध्यम से किया गया कार्य			2,94,822	3,23,729	2. अंतिम स्टॉक (क) कच्चा माल	93,814 1,95,188
8. मूल्यह्रास (क) कम्पोजिंग का सामान			25,046	28,259	(ख) तैयार माल	32,601 54,376
(ख) मशीनें, फर्नीचर और उपस्कर			1,06,392	52,314	3. कार्य चल रहा है	73,350 82,667
9. बैंक कमीशन			410	--	4. हानि	8,78,601 8,32,585
10. मशीन लगाने पर खर्च हुए विविध खर्च जो मालती से पिछले वर्ष परि- संपत्तियों में जोड़ दिए गए थे			15,000	--		
जोड़			40,94,057	39,76,017	जोड़	40,94,057 39,76,017

## वर्ष 1990-91 में कच्चे माल की खपत

मदे	1-4-90 को प्रारम्भिक देय	1990-91 के दौरान चुकाए गए बिलों की राशि	घटाएँ पिछले वर्ष की खरीद के लिए जिन बिलों का भुगतान किया गया	जोड़ : 31-3-91 को देय बिलों की राशि	1990-91 के दौरान खरीदा गया कच्चा माल	1990-91 के दौरान जितने माल की खपत हुई	31-3-91 को कच्चे माल का अंतिम स्टॉक
कागज	1,58,778	3,50,866	72,266	34,138	3,12,738	3,89,617	81,899
बाईंडिंग का सामान	20,647	12,933	4,940	--	7,993	23,645	4,095
मोनों स्त्रूल	--	--	--	--	--	--	--
स्लेटक	--	8,100	--	--	8,100	8,100	--
स्याही	15,763	10,875	4,661	2,178	8,392	17,235	6,920
जोड़	1,85,188	3,82,774	81,867	36,316	3,37,223	4,38,597	93,814

प्राप्ति एवं भुगतान का सार तथा रोकड़ बाकी : 1990-91

31-3-90 को	परिसम्पत्तियां	31-3-91 को
		रुपये      पैसे
	रोकड़ बाकी के अनुसार 1-4-90 को प्रारम्भिक शेष	1,54,465.89
जोड़ :	वर्ष 1990-91 के दौरान प्राप्ति (अस्थायी अंतरण समेत)	47,19,991.39
घटाएं :	वर्ष 1990-91 के दौरान भुगतान (अस्थायी अंतरण समेत)	05,818.61
	रोकड़ बाकी के अनुसार 31-3-91 को अन्तिम शेष	68,638.77

टिप्पणी--1. पिछले वर्षों के दौरान अनुरक्षण अनुदान में से 18,02,000 रुपये की जो राशि अन्तरित की गई थी, इसमें से 1990-91 के दौरान 2,52,000 रुपये की राशि समायोजित की जा चुकी है। अतः 31-3-1991 तक 25,00,000 रुपये की धनराशि असमायोजित रही।

2. पिछले वर्षों के दौरान विविध खातों में से 12,51,000 रुपये की जो राशि अन्तरित की गई थी, इसमें से 1990-91 के दौरान 1,30,000 रुपये की राशि समायोजित हो चुकी है। 1990-91 के दौरान 3,50,000 रुपये का अन्तरण और किया गया। अतः 31-3-1991 तक 14,71,000 रुपये की धन राशि असमायोजित रही, जो कि विविध खाते से अन्तरित की गई थी।

सहायक कुलसचिव (लेखा)  
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

वित्त अधिकारी  
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

कीर्वाण्यक्ष  
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

### लेखापरीक्षा प्रमाण पत्र

मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय के इसके अनुरक्षित संस्थानों के अतिरिक्त 31 मार्च, 1991 को समाप्त होने वाले प्राप्ति एवं भुगतान लेखे/आय एवं व्यय लेखे तथा 31 मार्च, 1991 के तुलन पत्र की जांच कर ली है। मैंने सभी अपेक्षित सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं तथा संलग्न लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में दी गई अभ्युक्तियों के अधीन रहते हुए अपनी लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप में प्रमाणित करता हूँ कि मेरी राय में, मेरी सर्वोत्तम जानकारी, मुझे दिये गये स्पष्टीकरण तथा संगठन की बहियों में दर्शाये गये उल्लेखों के अनुसार ये लेखे और तुलन पत्र उचित रूप से तैयार किये गये हैं तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के कार्यकलापों का सही एवं उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

बी० पी० मथुर  
महानिवेशक लेखापरीक्षा  
केन्द्रीय राजस्व

स्थान: नई दिल्ली

तिथि: 16-11-92

वर्ष 1990-91 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

#### 1. प्रस्तावना

दिल्ली विश्वविद्यालय मुख्यतः ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में अनुदेश देने तथा अनुसन्धान करने, डिग्रियां प्रदान करने तथा

उस उद्देश्य के लिये महाविद्यालयों, सभागारों तथा संस्थाओं की स्थापना तथा अनुरक्षण हेतु मई, 1922 में स्थापित किया गया था। विश्वविद्यालय का वित्त पोषण मुख्यतः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (वि० अ० आ०) से प्राप्त अनुदानों द्वारा होता है। वर्ष 1990-91 के दौरान विश्वविद्यालय के अनुदान के रूप में 2767.87 लाख रु०, अनुरक्षण अनुदान के रूप में 2464.87 लाख रु०, योजनागत विकास 284.18 लाख रु० तथा विविध लेखा में 18.82 लाख रु० प्राप्त किये। अनुरक्षण अनुदानों में 1991-92 में अग्रिम रूप में प्राप्त 171.50 लाख रु० शामिल थे।

विश्वविद्यालय के लेखाओं का नियंत्रक-मह लेखापरीक्षक के अधिनियम (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा शर्तें) 1971 की धारा 19(2) के अन्तर्गत लेखापरीक्षा की जाती है। विश्वविद्यालय के वर्ष 1990-91 के वार्षिक लेखाओं में विश्वविद्यालय तथा उनकी प्रैस की प्राप्तियों तथा भुगतानों का सार, विश्वविद्यालय सभागारों/छात्रावासों का समेकित प्राप्ति तथा भुगतान लेखा, विश्वविद्यालय तथा उसकी प्रैस का आय तथा व्यय लेखा, लाभ तथा हानि लेखा, विश्वविद्यालय के अनुरक्षित सभागारों छत्र व से के समेकित तुलन पत्र तथा विश्वविद्यालय तथा उसकी प्रैस का तुलन पत्र सम्मिलित है।

#### 2. लेखाओं का समेकन

विश्वविद्यालय ने वर्ष 1990-91 के अपने अनुरक्षित सभागारों/छात्रावासों के समेकित वार्षिक लेखे तैयार किये हैं



लेकिन, जैसा कि अपेक्षित था, उनको विश्वविद्यालय के मुख्य लेखाओं में समाविष्ट नहीं किया गया था।

अनुरक्षित संस्थानों/महाविद्यालयों के समेकित लेखे भी विश्वविद्यालय के मुख्य लेखे के साथ प्रमाणीकरण तथा लेखा परीक्षा हेतु प्रस्तुत किये जाने अपेक्षित थे। वर्ष 1991-92 के लेखे अभी तक (सितम्बर 1992) समेकित नहीं किए गये थे।

### 3. परिसम्पत्तियों का मूल्यांकन तथा सत्यापन

विश्वविद्यालय के 31 मार्च 1991 के तुलन पत्र में 52.79 करोड़ रु० की निम्नलिखित परिसम्पत्तियां दर्शाई गई थी :—

क्रम सं०	परिसम्पत्तियों का प्रकार	परिसम्पत्तियों का मूल्य (लाख रु० में)
1.	भूमि	130.87
2.	भवन	1816.95
3.	फर्नीचर तथा उपकरण	1725.83
4.	वाहन	26.64
5.	विज्ञान उपकरण	162.70
6.	पुस्तकें तथा सामग्री	1414.46
7.	खेल उपकरण तथा द्राफिया	1.56
	<b>जोड़</b>	<b>5279.01</b>

(क) तुलन पत्र में दर्शाया गया परिसम्पत्तियों का मूल्य सत्यापित नहीं किया जा सका क्योंकि (i) प्रत्येक श्रेणी के अन्तर्गत केन्द्रीयकृत परिसम्पत्ति रजिस्टर में केवल अथ शेष की कुल राशि, वर्ष के दौरान किया गया व्यय तथा संबंधित परिसम्पत्तियों के विस्तृत ब्यौरे दिये बिना अन्त शेष दर्शाया गया है। केन्द्रीयकृत रजिस्टर निर्धारित फार्म में अनुरक्षित नहीं किया जा रहा था।

(ii) विभागों द्वारा अनुरक्षित स्टक रजिस्टर में 1000/- रु० से कम लागत वाली समस्त परिसम्पत्तियां शामिल नहीं की गईं तथा विभागों द्वारा प्रगामी जोड़ परिकल्पित नहीं किये गये हैं, तथा

(iii) विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित केन्द्रीयकृत परिसम्पत्ति रजिस्टर तथा विश्वविद्यालय के विभागों के स्टक रजिस्टर के बीच कोई समाधान नहीं किया गया था।

(ख) विश्वविद्यालय द्वारा भूमि तथा भवन के ब्यौरे जैसे खसरा संख्या, उसकी चार दीवारियों की भूखण्ड संख्या, प्रादेशिक मद का मूल्य तथा अनुमोदित डिजाइन दर्शाने वाला सम्पत्ति

रजिस्टर अनुरक्षित किया जाता अपेक्षित था। विश्वविद्यालय द्वारा इस प्रकार का कोई रजिस्टर अनुरक्षित नहीं किया गया था। इस प्रकार, तुलन पत्र में दर्शाये गये भूमि तथा भवन का मूल्य सत्यापित नहीं किया जा सका।

इसी प्रकार की अनियमितताओं के बारे में वर्ष 1987-88 से 1989-90 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों में भी संकेत किया गया था।

### 4. भविष्य निधि लेखे

31 मार्च 1991 को भविष्य निधि की देयता 2808.41 लाख रु० दर्शाई गई थी। इस देयता को न तो सत्यापित किया जा सका न ही इस लेखे में सही देयता का पता लगाया जा सकता था क्योंकि जुलाई, 1988 में एक विशेष सैल सृजित किये जाने के बावजूद भविष्य निधियों की ब्राडशीटों का हिसाब-किताब बराबर करने से संबंधित कार्य 1986-87 से बकाया में था। आगे, 1985-86 के अन्त में व्यक्तिगत लेखाओं के शेषों के जोड़ तथा लेखा आंकड़ों के बीच 53,41,466.93 का अन्तर था। इस कमी के बारे में 1989-90 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में भी संकेत किया गया था।

### 5. अन्य जमा लेखे (38.34 लाख रु०)

31 मार्च 1991 को तुलन पत्र के देयता पक्ष में "अन्य जमा तथा प्रेषण" शीर्ष के अंतर्गत 38.34 लाख रु० की राशि दर्शाई गई थी, जो निम्न प्रकार है :—

क्रम सं०	लेखा शीर्ष	31 मार्च, 1991 को शेष (लाख रु० में)
1.	जमा	16.57
2.	अन्य जमा	26.34
3.	वेतन से कटौती	(-) 4.57
		<b>38.34</b>

(i) इन शीर्षों के अन्तर्गत शेषों को सत्यापित नहीं किया जा सका क्योंकि संबंधित लेजर/अभिलेख उपलब्ध नहीं कराये गये थे।

(ii) 'वेतन से कटौतियां' उप शीर्ष के अन्तर्गत निम्नलिखित यूनिटों के सम्बन्ध में घटा शेष है :—

लेखे का शीर्ष	राशि
योजनांतर (मुख्य कैम्पस)	(-) 5,88,169.55
साउथ दिल्ली कैम्पस योजनागत	(-) 2,91,920.64
साउथ दिल्ली कैम्पस	(-) 4,147.39
एशियाड 1982	(-) 4,337.92
स्टाफ क्वार्टर	(-) 3,550.45

इससे यह प्रकट हुआ कि प्रेषणों ने वेतन बिलों से की गई वसूलियों को बढ़ा दिया था। इसको 1989-90 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में भी उचित किया गया था।

विश्वविद्यालय ने मार्च 1991 में बताया था कि कारणों पर ध्यान दिया जा रहा था। तथापि, इस मामले में कोई प्रगति नहीं हुई थी।

#### 6. 18.08 लाख रु० की देय राशि

तुलन पत्र के देयता पक्ष में देय राशि के रूप में 18.08 लाख रु० की राशि दर्शाई गई थी। इसमें खरीदी गई पुस्तकों के 10.14 लाख रु०, भवनों के 0.22 लाख रु० तथा 1990-91 से संबंधित अन्य प्रसारों के 7.01 लाख रु० शामिल थे। विश्वविद्यालय अभियन्ता से संबंधित 00.71 लाख रु० की राशि पूर्व वर्षों से देय थी।

#### 7. 3.82 लाख रु० की प्राप्ति योग्य राशि

तुलन पत्र के परिसम्पत्ति पक्ष में प्राप्ति योग्य राशि के रूप में दर्शाई गई 3.82 लाख रु० की राशि में लहसैस शुल्क के 1.92 लाख रु०, कम्प्यूटर केन्द्र की राशियों के रूप में 0.61 लाख रु०, अतिथि गृह की राशियों के रूप में 0.86 लाख रु०, रायल्टी के रूप में 0.42 लाख रु० तथा रसायन विभाग की राशियों के 0.01 लाख रु० शामिल थे। राशियाँ कई वर्षों से प्राप्ति योग्य थीं उनमें से कुछ 1978-79 से संबंधित थीं। बकाया लाह सैस शुल्क का वर्ष वार झौरा विश्वविद्यालय के पास उपलब्ध नहीं था।

#### 8. बकाया अग्रिम

31 मार्च, 1991 को संभरकों को भण्डार, उपकरण तथा भवन सामग्री की खरीद तथा विश्वविद्यालय विभागों का सहायता सेमिनार आयोजित करने के लिये दिये गये अग्रिमों बीमा शुल्क का भुगतान, विदेश से उपकरण तथा रसायन आयात करने के लिये साख पत्रों को खोलने, जिन्हें लेखों के अन्तिम शीर्ष में प्रभावित किया गया था, के कारण निम्न 265.74 लाख रु० राशि बकाया थी।

(लाख रु० में)

1. भवन	11.91
2. फर्नीचर तथा उपकरण	85.37
3. विज्ञान उपकरण	9.87
4. अनुसन्धान योजना	43.13
5. सेमिनार	2.38
6. संबंधित वर्षों के आय तथा व्यय लेखों में प्रभावित अन्य अग्रिम	113.08
	265.74

(i) 12.24 लाख रु० 33.64 लाख रु० तथा 73.93 लाख रु० की राशि के अग्रिम क्रमशः 1987-88 1988-89 तथा 1989-90 तक के पूर्व वर्षों से संबंधित थे। ये राशियाँ उस वित्तीय वर्ष जिसमें इनको दिया गया था की समप्ति से पहले समायोजित की जाती अपेक्षित थी।

(ii) अन्य अग्रिमों (113.08 लाख रु०) में विभिन्न महाविद्यालयों संस्थानों की परीक्षाओं आयोजित करने के लिए दिये गये 90.55 लाख रु० राशि के अग्रिमों शामिल थे। असमायोजित अग्रिम कई वर्षों 1981-82 के पहले से बकाया थे।

1981-82 से 1986-87 के दौरान दिये गये अग्रिमों के समायोजन में कोई प्रगति नहीं हुई थी। बकाया अग्रिमों में 1989-90 में 73.87 लाख रु० से 1990-91 में 90.55 लाख रु० की वृद्धि हो गई थी।

विश्वविद्यालय ने जुलाई 1992 में बताया कि "अन्य अग्रिमों" के अन्तर्गत बकाया अग्रिमों को 58.78 लाख रु० तक कम कर दिया गया है।

#### 9. ब्राडशीटों का अनुरक्षण बन करना

31 मार्च 1991 को तुलन पत्र के परिसम्पत्ति पक्ष में निम्नलिखित ऋण तथा अग्रिम दर्शाये गये थे:—

(लाख रु० में)

शीर्ष	राशि
गृह निर्माण अग्रिम	658.27
वाहन अग्रिम	18.51
वाहन मरता	3.81

(i) वाहन अग्रिम के प्रति दर्शाये गये शेष में त्र्योहार अग्रिम की 0.95 लाख रु० की राशि शामिल थी।

(ii) गृह निर्माण अग्रिम के प्रति दर्शाई गई राशि की विशुद्धता को मर्यापित नहीं किया जा सका क्योंकि ब्राडशीट 1986-87 से बन्द नहीं की गई थी।

(iii) तुलन पत्र के साथ संलग्न परिकलन शीट में "वाहन अग्रिम" के रूप में दर्शाई गई 17.56 लाख रु० की राशि के प्रति ब्राडशीट के अनुसार राशि 17.18 लाख रु० थी। 0.38 लाख रु० के अन्तर का समाधान नहीं किया गया था।

उपर्युक्त कमी के बारे में 1988-89 तथा 1989-90 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों में भी संकेत किया गया था।

#### 10. मूल्यह्रास आरक्षित निधि

31 मार्च 1991 के तुलन पत्र के देयता पक्ष में "मूल्य ह्रास आरक्षित निधि" के रूप में 69.82 लाख रु० की राशि दर्शाई गई थी। चूंकि विश्वविद्यालय पूर्णतः बि० अ०

आ० द्वारा निधिबद्ध था, मूल्य ह्रास आरक्षित निधि का सृजन अनियमित था। इस बारे में 1989-90 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में भी संकेत किया गया था।

#### 11. बैंक समाधान

विश्वविद्यालय 71 बैंक लेखे प्रचालित करता है। मार्च

1991 तक के 67 लेखाओं (नार्थ कैम्पस) से संबंधित बैंक समाधान विवरणों की पुनरीक्षा से प्रकट हुआ कि बैंक पास बुकों में दर्शाये गये शेषों तथा विश्वविद्यालय को रोकड़ पुस्तकों के बीच अंतर ये जिनका समाधान नहीं किया गया था, जिसके न्यौरे नीचे दिये गये हैं :—

क्रम सं०	विवरण	तीन वर्षों से अधिक	एक तथा तीन वर्षों के बीच	एक वर्ष से कम	जोड़
1.	बैंक द्वारा क्रेडिट की गई लेकिन रोकड़वही में दर्शाई जा रही राशि	2.86	1.76	42.31	46.92
2.	जारी किये गये लेकिन भुनाये नहीं गये बैंक	—	1.81	181.72	183.53
3.	बैंक द्वारा डेबिट दिये गये लेकिन आहरण/लेखाबद्ध नहीं किये गये	0.08	21.45	406.42	427.95
4.	राशि बैंक को प्रेषित की गई लेकिन बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं दिये गये	0.08	0.02	247.29	247.39
		3.02	25.04	877.74	905.80

साउथ दिल्ली कैम्पस द्वारा प्रचालित 4 लेखाओं के सम्बन्ध में 1990-91 के दौरान कोई बैंक समाधान नहीं किया गया था। इन चार में से एक लेखे के सम्बन्ध में समाधान नवम्बर 1989 से बकाया में था।

#### 12. अप्रयुक्त अनुदान

योजनागत विकास लेखे से संबंधित अप्रयुक्त अनुदानों की 247.55 लाख रु० की देयता के प्रति विश्वविद्यालय ने विकास निवेश लेखे में 31 मार्च 1992 के तुलन पत्र (131.89 लाख रु०) के परिसम्पत्ति पक्ष में 253.34 लाख रु० की तदनुसूची परिसम्पत्तियों तथा 121.45 लाख रु० अन्तःशेष के रूप में दर्शाये थे। इस प्रकार योजनागत विकास लेखे की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं के बीच 5.79 लाख रु० का अंतर था। इसके अतिरिक्त "विविध लेखे" के अन्तर्गत दर्शाया गया जापानी अनुदान एशियाड 82 तथा स्टाफ क्वार्टरों से संबंधित 4.34 लाख रुपये के अन्तःशेष को योजनागत विकास लेखे के अन्तर्गत भी दर्शाया जाना चाहिए था। 10.13 लाख रु० के समग्र अंतर का समाधान नहीं किया गया था।

#### 13. पुस्तकालय पुस्तकों का प्रत्यक्ष सत्यापन

सरकारी वित्तीय नियमावली के अनुसार 20000 खण्डों तक की पुस्तकालय पुस्तकों के मामले में प्रति वर्ष तीन वर्ष के अंतराल पर पुस्तकों का प्रत्यक्ष सत्यापन किया जाना अपेक्षित था, 20000 पुस्तकों से अधिक तथा 50000 पुस्तकों से अधिक नहीं तथा 50,000 से अधिक पुस्तकों के पुस्तकालयों के मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष के अंतराल में नमूना सत्यापन किया जाना चाहिये तथा यदि ऐसे नमूना सत्यापन से असाधारण अतिशय कमियों का पता चलता है तो पूर्ण सत्यापन संचालित किया जाना चाहिये।

विश्वविद्यालय के पास 11.50 लाख पुस्तकों से अधिक का संकलन था। पिछला पूर्ण प्रत्यक्ष सत्यापन से 1971 में किया गया था जिसमें 0.53 लाख पुस्तकें कम/खोई गई पाई गई थी। तब से ही विश्वविद्यालय द्वारा पूर्ण सत्यापन नहीं किया गया था यद्यपि सन् 1976 में एक स्टाक सत्यापन कक्ष स्थापित किया गया था।

विश्वविद्यालय ने जुलाई 1992 में बताया कि 25012 पुस्तकें खोई हुई पाई गई थी और उनका मूल्य बट्टे खाते डाला गया था और इस प्रकार 1971 के स्टाक सत्यापन के मामले का निपटारा हो गया था। उसने आगे बताया कि नमूना सत्यापन पुनः प्रक्रियाधीन था तथा उसके ग्रीष्म अवकाश 1992 के अन्त तक पूर्ण किये जाने की संभावना थी यदि आवश्यक होगा तो पूर्ण सत्यापन, असाधारण अतिशय कमियों के ध्यान में आने पर किया जायेगा। विश्वविद्यालय का अभिमत सही नहीं था चूंकि 1971 में किये गये नमूना सत्यापन के दौरान विस्तृत कमियां ध्यान में आई थी। अतः पूर्ण सत्यापन किया जाना अपेक्षित था। नमूना सत्यापन केवल इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए ही निर्धारित किया गया था कि यदि कमियां असाधारण हों तो पूर्ण सत्यापन किया जा सके। इसलिये जब असाधारण कमियां पहले ही स्थापित हो चुकी थी, तो दूसरा नमूना सत्यापन पुस्तकालय पुस्तकों की उचित अभिरक्षा तथा अस्तित्व को सुनिश्चित नहीं करता था।

14. विश्वविद्यालय प्रैस के बकाया गुरुक 12.93 लाख रु०

31 मार्च 1991 को प्रैस द्वारा विभागों, कालिजों तथा बाह्य पाठियों आदि से 12,92,665.42 रु० के योग की

राशि प्राप्य थी। प्राप्त होने वाली राशि का विवरण निम्न-लिखित है:—

वर्ष जब से देय है	राशि (लाख रु० में)
1975-76 से 1980-81 . . . . .	1.41
1981-82 . . . . .	0.63
1982-83 . . . . .	0.14
1983-84 . . . . .	0.52
1984-85 . . . . .	0.48
1985-86 . . . . .	0.33
1986-87 . . . . .	0.24
1987-88 . . . . .	0.27
1988-89 . . . . .	0.14
1989-90 . . . . .	0.81
1990-91 . . . . .	7.96
	12.93

प्राप्य राशि में से 3.73 लाख रु० की राशि विश्व-विद्यालय विभागों से प्रलग मांग पत्रों से प्राप्त होनी थी। 31 मार्च 1981 तक 1.70 लाख रु० की बकाया राशि में से 31 मार्च 1990 को केवल 0.29 लाख रु० 1990-91 के दौरान वसूल किये गये थे।

विश्वविद्यालय को जुलाई 1992 में बताया कि 12.93 लाख रु० की कुल प्राप्त होने वाली राशि में से 7.79 लाख रु० की राशि पहले ही प्राप्त हो गई थी तथा आगे बकाया को कम करने के लिये प्रयास जारी रखे जायेंगे।

#### 15. वेतन से कटौती—1.35 लाख रु०

प्रेस के तुलन पत्र में देयताओं के पक्ष में वेतन बिलों से कटौती/शीर्ष के अन्तर्गत 1,35,277 रु० के योग की राशि दर्शाई गई थी, वेतन से बिजली विद्युत प्रभारों आयकर, स्वास्थ्य अंशदान ग्रुप बीमाजीवन बीमा प्रीमियम, संय निधि आदि के रूप में कटौतियां की गई थी। वेतन बिलों से की गई कटौती संबंधित शीर्षों में प्रेषित नहीं की गई थी। 1975-76 से बहुत पहले की तिथियों से राशि प्रेषण के लिये देय थी।

विश्वविद्यालय प्रैस ने मार्च 1992 में बताया कि समाधान के उपरान्त देयता परिसमाप्त कर दी जायेगी।

#### 16 कम्प्यूटर के केन्द्र बकाया बिल

विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर का उपयोग ने विश्वविद्यालय तथा अन्य एजेंसियों से भुगतान आधार पर किया जा रहा था। 31 मार्च 1991 को 61,329.52 रु० के योग की राशि वसूली योग्य थी। राशि का पर्यवार वसीय निम्न प्रकार से था:—

वर्ष	वसूली योग्य राशि
1977-78 . . . . .	17,436.67
1978-79 . . . . .	1,083.33
1979-80 . . . . .	7,065.69
1980-81 . . . . .	15,463.30
1981-82 . . . . .	3,328.89
1983-84 . . . . .	9,196.11
1984-85 . . . . .	5,583.33
1985-86 . . . . .	2,172.20
	61,329.52

विश्वविद्यालय ने मार्च 1992 में बताया कि अनुस्मारक नियमित रूप से जारी किये जा रहे थे यद्यपि 15 वर्षों की अवधि के दौरान अधिकतर कार्मिक या तो कार्यमुक्त हो गये थे या सेवा निवृत्त हो गये थे या प्राइवेट फर्म समाप्त हो गई थी तथा आगे प्राप्ति के लिये कोई आशा नहीं थी।

#### 17. बीमा दावा प्राप्त करने में विलम्ब (कम्प्यूटर केन्द्र)

फाई फाउन्डेशन अनुदान में से सन् 1971 में विश्वविद्यालय ने एक कम्प्यूटर आई० वी० एम०/360/44 प्राप्त और प्रतिस्थापित किया।

केन्द्र के वातानुकूलन कक्ष में दिसम्बर 1985 में आग लग गई जिसमें हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर अव्यय पूर्णतः नष्ट हो गये। समस्त पद्धति मैसर्ज यूनाइटेड भारत इश्योरेंस के पास 80.70 लाख रु० बीमाकृत की गई थी, जबकि बीमा कम्पनी के पास दावा प्रस्तुत करते समय उपकरण का वास्तविक मूल्य 171.76 लाख रु० था। बीमा कम्पनी 48.25 लाख रु० दावे का निपटान करने के लिये सहमत हो गई थी, जिसमें से 42.04 लाख रु० विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त हुए

थे। उससे देश 6.21 लाख रु० की राशि अभी तक प्राप्त नहीं हुई थी (मार्च, 1992)। विश्वविद्यालय ने मार्च 1992 में बताया कि कम्प्यूटर पद्धति को अन्तिम रूप से बदलने पर बीमा कम्पनी द्वारा शेष राशि जारी की जायेगी।

आगे विश्वविद्यालय ने उपकरण की राशि भी बढ़े खाते नहीं डाली थी जो अग्नि में क्षतिग्रस्त हो गया था, (दिसम्बर 1985)।

18. अंशदायी भविष्य निधि में कर्मचारियों के अंशदानों के सम्बन्ध में वि० अनु० आयोग को 414.34 लाख रु० की राशि का वापस न किया जाना।

वर्तमान कर्मचारियों को जो 1 जनवरी, 1980 से पूर्व सेवा में शामिल हुए थे, समय समय पर सामान्य भविष्य निधि एवं पेंशन उपदान योजना ग्रहण करने या विकल्प दिया गया था। उन कर्मचारियों के मामले में, जिन्होंने उपरोक्त योजना का विकल्प दिया था, अंशदायी भविष्य निधि के प्रति नियोजता का अंशदान जमा उस पर ब्याज, निधि लेख से आहरित किया जाना और वि० अनु० आयोग को वापस किया जाना अपेक्षित था।

विश्वविद्यालय ने, उन कर्मचारियों के सम्बन्ध जिन्होंने उपरोक्त योजना का विकल्प दिया था, कर्मचारियों के शेयर जमा उन पर अर्जित ब्याज का आहरण किया तथा इसके फलस्वरूप 31 मार्च 1991 को संचित हुए कुल राशि 514.34 लाख रु० थी। अंशदान की राशि में से, जो वि० अनु० आयोग को वापस की जानी अपेक्षित थी, वि० अनु० आयोग द्वारा अनुमोदित 3 करोड़ रु० के अनुमानित मूल्य पर स्टाफ क्वार्टर आवास योजना के निर्माण पर व्यय के भाग की पूर्ति के लिये वि० अनु० आयोग ने विश्व-विद्यालय को 2 करोड़ रु० को उपयोग में लाने की अनुमति प्रदान की। उपयोगिता भारत सरकार के अनुमोदन के अध-धीन थी। तथापि विश्वविद्यालय ने वि० अनु० आयोग/भारत सरकार का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किये बिना 31 मार्च, 1991 तक 270.71 लाख रु० का उपयोग किया था तथा 243.63 लाख रु० की शेष राशि वि० अनु० आयोग को वापस नहीं की गई थी।

#### 19. विशिष्ट योजनायें/परियोजनायें

1990-91 के दौरान विश्वविद्यालय विभिन्न एजेंसियों द्वारा आयोजित 140 विशिष्ट योजनायें परिचालित कर रहा 11—59GI/93

था। समग्र रूप से इसने, इन योजनाओं के लिये प्रायोजित एजेंसियों से प्राप्त अनुदानों से 26.63 लाख रु० अधिक खर्च किए थे जब कि कुछ योजनाओं के सम्बन्ध में प्राप्त अनुदानों के प्रतिशेष थे, अन्य के प्रति अधिक व्यय वहन किया गया था, जिसके कारण 26.83 लाख रु० का निश्चल अधिक व्यय हुआ था। अधिक व्यय की पूर्ति, अन्य योजनाओं के शेषों में से तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनाधिकृत प्राप्त अनुदानों में से निधियों के विपणन द्वारा की जानी थी। कुछ योजनाओं में 1985-86 से घटा शेष प्रकट हुए थे। विश्वविद्यालय ने जुलाई, 1992 में बताया कि घटा शेष को समाप्त करने के लिये प्रयास किये जायेंगे।

#### 20. बकाया निरीक्षण रिपोर्टें पैरा

वर्ष की लेखा परीक्षा की समाप्ति पर 87 पैराओं सहित 11 निरीक्षण रिपोर्टें बकाया थी, जिनका विवरण नीचे दिया गया है :—

क्र० सं०	निरीक्षण रिपोर्ट का वर्ष	बकाया पैराओं की कुल संख्या
1.	1976-77	2
2.	1979-80	2
3.	1981-82	5
4.	1982-83	4
5.	1983-84	3
6.	1984-85	5
7.	1985-86	2
8.	1986-87	9
9.	1987-88	22
10.	1988-89	13
11.	1989-90	20
		87

बी० पी० माधुर  
महानिदेशक लेखा परीक्षा  
केन्द्रीय राजस्व,

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 16-11-92

## STATE BANK OF INDIA

## CENTRAL OFFICE

Bombay, the 12th April 1993

## NOTICE

In terms of Section 29 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India, after consulting the Board of Directors of the State Bank of Bikaner & Jaipur and with the approval of the Reserve Bank of India, have appointed Shri M. Krishnamurthi as Managing Director of State Bank of Bikaner & Jaipur as from the 14th April 1993 to 28th February 1995 (both days inclusive) vice Shri Supriya Gupta.

Signature (Illegible)  
Chairman

## ANNEXURE.

STATE BANK OF HYDERABAD  
(ASSOCIATE OF STATE BANK OF INDIA)

## HEAD OFFICE : GUNFOUNDRY

Hyderabad-500177, the 13th April 1993

In pursuance of Regulation 55(1) of the Subsidiary Banks General Regulations, 1959, framed under the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the Board of State Bank of Hyderabad hereby authorises the undernoted officers jointly or severally :—

1. To endorse and transfer promissory notes, stock receipts stock debentures, shares, securities and documents of title to goods standing in the name of or held by the Bank, to draw, accept and endorse bills of exchange and cheques, to issue, confirm and transfer Letters of Credit, to sign guarantee an indemnities in the current and authorised business of the Bank and to sign all other letters advices, accounts, receipts and documents connected with such business or other current or authorised business of the Bank

- (i) Managing Director
- (ii) Chief General Manager
- (iii) General Managers
- (iv) Chief Vigilance Officer
- (v) Deputy General Managers
- (vi) Assistant General Managers
- (vii) Regional Managers
- \*(viii) Chief Managers
- \*(ix) Managers at Administrative Offices
- (x) Branch Managers
- (xi) Managers (Accounts)/Deputy Managers (Accounts)/Assistant Manager (Accounts) at branches.
- (xii) Managers of Divisions
- (xiii) Deputy Manager, Funds Management Cell.

\*Excluding Officers in the Specialist Cadre - Law, Security and Engineering.

The Managing Director and the other officers referred to above and the Deputy Managers (Advances), Assistant Managers (Advances) at Branches are hereby empowered to exercise powers mentioned in Regulation 56 read with Regulation 55 of the Subsidiary Banks General Regulations 1959 as follows :

- (i) To sign and verify complaints, written statements, petitions and applications.
- (ii) To swear/affirm affidavit.
- (iii) To sign, seal and deliver bonds.
- (iv) Generally to make and complete all other documents connected with legal proceedings on behalf of the Bank.

2. To endorse and transfer documents of title to goods standing in the name of or held by the Bank, to draw, accept and endorse bills of exchange and cheques, to issue confirmation and transfer letters of credit in the current and authorised business of the Bank and to sign all other letters, advices, accounts, receipts and documents connected with such business.

- (i) All Deputy Managers/Assistant Managers at branches
- (ii) Deputy Managers/Assistant Managers at Administrative Offices.

3. (i) To sign for and on behalf of the Bank, letters of demand, notices and correspondence.

(ii) To sign, swear, verify or affirm complaints, written statements, petitions, applications, representations, appeals, memos.

(iii) To sign, seal and deliver bonds.

(iv) Generally sign all documents connected with legal proceedings, assessment proceedings, adjudication etc., in which the Bank may be a party or otherwise interested, before any court, Tribunal, Authority, Official, etc. whether Civil Criminal, Revenue or otherwise.

Chief Manager (Law), Manager (Law), Deputy Manager (Law), and Assistant Manager (Law) at Administrative offices.

4. To sign inter-office/inter-departmental communication and letters to outside agencies in relation to matters dealt by him.

Chief Manager (Security/Engineering), Manager (Security/Engineering), Deputy Manager (Security/Engineering), Assistant Manager (Security/Engineering) at administrative offices.

5. To sign drafts for amounts not exceeding Rs. 50,000/- by Assistant Managers functioning as third line officers at branches.

6. To sign drafts for amounts not exceeding Rs. 1,00,000/- by Deputy Managers functioning as third line officers at branches.

7. To sign statements submitted to the Charity Commissioner and Income Tax and Estate Duty Authorities and Letters, advices accounts and receipts connected with such business.

Chief General Manager

General Managers

Deputy General Managers

Assistant General Manager (Finance & Accounts)

8. To sign Interest Warrants and Dividend Warrants of loans and debentures issues managed by the Bank and letters, advices, accounts and receipts connected with the management of such loans and debentures :

Chief General Manager

General Managers

Deputy General Managers

Assistant General Managers

Chief Managers

Branch Managers

Managers of divisions at branches

Manager (Accounts)

Deputy Manager (Accounts)

Assistant Manager (Accounts)

9. To endorse cheques, bills, drafts and other negotiable instruments but not documents of title to goods

Special Assistants

10. To receipt Government and other credit vouchers up to and including Rs. 15,000/- (for cash transactions) and Rs. 25,000/- (for transfer transactions)

Special Assistants

11. To receipt Government and other credit vouchers up to and including Rs. 15,000/- jointly with an authorised person

Head Cashier

12. To receipt Government and other credit vouchers up to and including Rs. 3,000/- (for cash transactions) and Rs. 7,500/- (for transfer transactions).

Head Clerks

13. To receipt credit vouchers upto and including Rs. 1,000/-

Tellers

The existing notifications as to signing powers shall operate subject to the above modification and to the extent to which those are not inconsistent with anything contained in this modification.

By the Order of the Board.

Managing Director

ALLAHABAD BANK

LEGAL DEPARTMENT

Calcutta-700001, the 28th December 1992

No. HO/Legal/333/1137.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board of Directors of Allahabad Bank in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Allahabad Bank Officers Employees' (Conduct) Regulations, 1976.

2. Short title and commencement : (1) These Regulations may be called the Allahabad Bank Officer Employees' (Conduct) (Amendment) Regulations, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. In the Allahabad Bank Officer Employees' (Conduct) Regulations, 1976:

(a) In the proviso to sub-regulation (2) of regulations, after the words "shall be reported to the competent authority" the words "within three months from the date of the receipt of offer of employment" shall be inserted;

(b) in regulation 14, in sub-regulation (1), in the Explanation, Note (2) shall be omitted;

(c) for the sub-regulation (2) of regulation 20, the following shall be substituted, namely :—

"(2) Every officer employee shall every year submit a return of his movable, immovable and valuable property including liquid assets like shares, debentures as on 31st March of that year to the bank before the 30th day of June of that year".

B.P. GHOSH  
Assistant General Manager (Law)

#### Note : Previous Notification

(1) Regulation 20(4) Date of Publication 14-5-88.

(2) Regulation 6(4) date of Publication 12-2-90.

(3) Regulation 21, date of Publication 17-2-90.

#### MINISTRY OF LABOUR

#### OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

New Delhi-110001, the 5th April 1993

No. 2/1959/DLI/Exemp/89Pt.1/1616.—WHEREAS M/s. U.P. State Mineral Development Corp. Ltd., Pragati Centre, 2nd Floor, Aliganj, Lucknow (UP/4962), have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S-35014/87/83-PF-II Dated 19-7-83 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 19-7-86 to 18-7-89, 19-7-89 to 18-7-92, 19-7-92 to 18-7-95.

#### SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct clause (a) sub-section 3(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employee, his approval, gives a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner.

No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt./1624.—WHEREAS Ex-Serviceman's Air link Transport Services Ltd., 62 Yashwant Place Chanakyapura, New Delhi-110021 (Code No. DL/4120) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-I annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Delhi from the operation of the said Scheme for and upto a period of 5 years from 1-12-88 to 30-11-91.

## SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct Clause (a) Sub-section 3(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval, gives a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner



No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1632.—WHEREAS M/s. Regency Ceramics Ltd. Yanam-533464., Visakhapatnam (AP18610), have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act :—

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976, (hereinafter referred to as the said Scheme),

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. 2/1959/EDLI/Exem/89/pt. Dated 30-7-92 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I. B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 1-2-93 to 31-1-96 upto and inclusive of 31-1-96.

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) sub Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims completes in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1640.—WHEREAS M/s. Kalar Dyechem(P) Ltd., 90F, I.D.A. Jeedimetla., Hyderabad, (AP/19658), have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act :—

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976, (hereinafter referred to as the said Scheme),

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. 2/1959/EDLI/Exem/89/pt.I Dated 12-5-92 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I. B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 1-3-93 to 29-2-96 upto and inclusive of the 29-2-96.

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' his approval give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt./1648 ---WHEREAS M/s. A. K. Automatics, Hissar Road, Rohtak-124001 (India) (IIR-1232), have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-I annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Haryana from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-11-87 to 31-10-90 & 1-11-90 to 31-10-93.

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under Clause (a) Sub-section 3(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s) legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of

the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain recovered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heirs(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heirs(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1656.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### Schedule-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption	Period for further extended	C P F C's file No.
1.	M/s. Indian Petrochemicals Corpn. Ltd., P.O. Petrochemicals, Distt. Baroda-391346.	GJ/5256	S-35014/13/87-SS.II dated 9-2-87	30-7-88	31-7-88 30-7-91 31-7-91 30-7-94	2/386/80-DLI
2.	M/s. Farmson Analgesics Pvt. Ltd., Shankar Bhawan Sayajigunj, Vadodra-390005.	GJ/10826	2/1959/DLI/Exem/89 Pt. I dated 19-1-90	31-3-91	1-4-91 31-4-94	2/2500/90-DLI
3.	M/s. Gujarat State Fertilizers Co. Ltd., (Polymers Unit) Giriraj Apartments, Race Course Circle, Baroda-390007.	GJ/10985	2/1959/DLI/Exem/89- Pt. I dated 2-3-90	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/365/79-DLI
4.	M/s. Special Engineering (Halol) Pvt. Ltd. Jetex Compound Pratapura Halol-389350.	GJ/14687	2/1959/DLI/Exem/89- Pt. dated 4-4-91	28-2-90	1-3-90 28-2-943	2/3413/91-DLI

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under Clause (a) Sub-section 3(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval, gives a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1664.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favorable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, IN exercise of the powers conferred by Sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & date of the Govt.'s Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F.C.'s No.	File
1.	M/s. The National Co-operative Sugar Mills Ltd., A-2731 Nattupatti P.O. Ltd., Alanganallur, Madurai Distt.	TN/5982	S-35014/108/83-PF.II (ss. II) dated 23-2-87	26-8-89	27-8-89 to 26-8-92	2/877/83/DLI	
2.	The Nesamony Transport Corpn. Ltd., Nesamony Nagar, Ranithottam, Nagergole-629001 Tamil Nadu including 10 branches covered under this code No.	TN/16775	S-35014/57/84/PF-dated 11-7-84	31-3-92	1-4-89 to 31-3-92	2/53/77/DLI	
3.	M/s. Tuticorin Stevedores Association Indian Chamber Building, 84-D South Raja Street, Tuticorin-I.	TN/20328	2/1989/DLI/exempt/89/Pt. I dated 22-3-90	31-3-92	1-4-92 to 31-3-95	2/2343/89/DLI	
4.	M/s. Anna Co-operative Spinning Mills Ltd., S.S. Puran Andipatti, Madurai Distt.	TN/20443	2/1959/DLI/exemp/89/Pt. I/49 dt.	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3293/90/DLI	
5.	M/s. Virudhnagar Textiles Mills Ltd., Sulakarai Virudh Nagar	TN/293	2/1959/DLI/Exemp/89 Pt. I/49 dt. 9-12-91	8-9-91	9-9-91 to 8-9-94	2/448/91/DLI	

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance

Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

No. 22/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1672.—WHEREAS THE employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favorable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishments and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B.N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE—I

S. No.	Name & Address of the estt.	Code No.	No. & Date of the Govt.'s Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F.C.'s No.	File
1.	M/s. Sri Ganp .thy Mills Co. Ltd., Sangar Nagar, Tirunelveli-627357	TN/273	2/1959/DLI/Exemp/89/ Pt. I 14-3-90	31-10-91	1-11-91 to 31-10-94	2/2443/90/DLI	
2.	M/s. Fenner India Ltd., Kochadai, Madurai-625001	TN/940	S-35014/16182/Pt. I 2-4-86	17-9-91	18-9-91 to 17-9-94	2/436/80/DLI	
3.	M/s. Sri Sivakaami Mills Ltd., Thenur, Samayanallur P.O. Madurai.	TN/1707	2/1959/DLI/Exemp/89 10-7-91	3-9-91	4-9-91 to 3-9-94	2/591/80/DLI	
4.	M/s. Bhuvaneswari Textiles (P) Ltd., Th diombu, Dindigul TK-6424709.	TN/7692	2/1959/DLI/Exemp/89/ Pt. I 26-2-90	18-3-92	19-3-92 to 18-3-95	2/604/81/DLI	
5.	M/s. M.K.V.K. Tiles, Timber Merchants, Pavoorchatram-627800	TN/10467	2/1959/DLI/Exem/89 12-12-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3098/90/DLI	
6.	M/s. Southern Engineering Co., 12-EC, Bangalow Street, Pettai-Tirunelveli-627004.	TN/11271	2/1959/DLI/Exemp 27-2-90	30-11-91	1-12-91 to 30-11-94	2/2389/90/DLI	
7.	M/s. Suburaj Cotton Mills Srivilliputtur Road, Rajapalayam 626117.	TN/17268	2/1959/DLI/Exemp/89/ Pt. I dated 14-3-90	31-10-91	1-11-91 to 31-11-94	2/2451/90/DLI	
8.	M/s. Arvind Spinners (P) Ltd., 41-A, Sharmadevi Road, S.B. N. 15, Thirunelveli-627001.	TN/20248	2/1959/DLI/Exemp/89/ Pt. I 24-9-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/2922/90/DLI	
9.	M/s. G.V.G. Industries Ltd., Samuadaiptetti, Palakkanuthu Post, Dindigul Taluk (including branches covered under this code number).	TN/20395	2/1959/DLI/Exemp/89/ Pt. I 14-3-90	31-1-92	1-2-92 to 31-1-95	2/2447/90/DLI	

## SCHEDULE—II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/Legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the

nominee(s)/Legal heirs(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/5/1680.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employee's Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, IN exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Gujarat from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

#### SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. Poly Kraft Machines Jaybharat Rangshala Compound, Bapunagar, Ahmedabad-380024.	GJ/156	1-3-90 to 28-2-93	2/4503/92/DLI
2.	M/s. The Charotar Iron Factory, Anand Sojitra Road, Anand-388001.	GJ/159	1-3-90 to 28-2-93	2/4504/92/DLI
3.	M/s. The Ashoka Mills Ltd., Railwaypura, Naroda Road, Ahmedabad.	GJ/275	1-11-91 to 31-10-94	2/4505/92/DLI
4.	M/s. Shree Rajkot Lodhika Sahakari Kharid Vechan Sangh Ltd., Sahakari Triveni, 29/38, Karan Pura, Behind Bus Station, Rajkot-360001. (including branches covered under this code no.)	GJ/5673	1-10-91 to 30-9-94	2/4506/92/DLI
5.	M/s. NIF Mechanical Works, Post Box No. 69, Chhapra Road, Navsari-396445.	GJ/6122	1-12-89 to 30-11-92	2/4507/92/DLI
6.	M/s. Jagdish Eng. & Sales Corp., Opp. New Ramji Mandir, Anand Distt. Kaira.	GJ/6331	1-3-90 to 28-2-93	2/4508/92/DLI
7.	M/s. Gujarat Oxygen Ltd., Post Box No. 4, Limbadi-363421.	GJ/10918	1-11-90 to 31-10-93	2/4509/92/DLI
8.	M/s. Swelore Engg. Pt. Ltd., 1&22 Union Co-op. Ind. Estate, Nr. Guj. Bottling Rakhial, Ahmedabad-380023.	GJ/11355	1-9-89 to 31-8-92	2/4510/92/DLI
9.	M/s. Vijaynagar Primary School, Opp. Patrakar Colony, Vijaynagar, Naranpur, Ahmedabad-13.	GJ/13663	1-3-89 to 29-2-92	2/4511/92/DLI
10.	M/s. Shahibad, Nawroji Vikil Compound, Police Lines, Shalibag, Ahmedabad-380004.	GJ/14299	1-9-89 to 31-8-92	2/4512/92/DLI
11.	M/s. Morvel Laboratories Pvt. Ltd., 251, GIDC Estate, Mehsana-384002.	GJ/17784	1-3-91 to 28-2-94	2/4513/92/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heirs(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme, of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heirs(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heirs(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1688.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

Now, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Coimbatore from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. The Nilgiris Co-op. Marketing Society Ltd., K-708, Saling House, P.B. No. 56, Udhagamandalam-643001.	TN/2686	1-11-87 to 31-10-90 1-11-90 to 31-10-93	2/4598/92/DLI
2.	M/s. Escorpe Mills Ltd., SARAVANAN PATTI, P.O. Coimbatore-641035.	TN/3924	1-9-89 to 31-8-92	2/4599/92/DLI



1	2	3	4	5
3.	M/s. Coimbatore Auto Garage, 496, Avanashi Road, Peelamedu, Coimbatore-641004.	TN/6684	1-3-89 to 29-2-92	2/4600/92/DLI
4.	M/s. Gedee Stoll (P) Ltd., 317 Avanashi Road, Coimbatore-641018.	TN/7102	1-5-88 to 30-4-91 1-5-91 to 30-4-94	2/4601/92/DLI
5.	M/s. G. Kuppaswamy Naidu Memorial Hospital, P.B. No. 6327, Pappanaichesspa- layam, Coimbatore-641037.	TN/7539	1-4-89 to 31-3-92 1-4-92 to 31-3-95	2/4602/92/DLI
6.	M/s. Sovereign Engineers (P) Ltd., Post Bog No. 4415, Indl. Estate, Post Coimbatore-641021.	TN/8467	1-12-90 to 30-11-93	2/4603/92/DLI
7.	M/s. Shanthi Greers Ltd., 304 A, Trichy Road, Singanallur, Coimbatore-641005.	TN/8537 TN/8537A	1-7-87 to 30-6-90 1-7-90 to 30-6-93	2/4604/92/DLI
8.	M/s. The Good Samorittan Ladies Polythene Indl. Co-op. Society Ltd., Unit No. 6, SIDCO Indul. Estate, P.B. No. 4413, Pollachi Road, Coimbatore-641021.	TN/10692	1-2-91 to 31-1-94	2/4605/92/DLI
9.	M/s. MAKCONTROLS, Red Fields, 122, Appusamy Naidu Layout, Coimbatore-641045.	TN/10824	1-11-90 to 31-10-93	2/4606/92/DLI
10.	M/s. Sudha Spinning Mills, Textool Road, Ganapathy, Coimbatore-641006.	TN/11449	1-11-90 to 31-10-93	2/4607/92/DLI
11.	M/s. Vasantham Foundry, 10, Bharathipuram, Pallapalayam (PO) Irugur (Nia) Coimbatore-641103.	TN/12100	1-3-91 to 28-2-94	2/4608/92/DLI
12.	M/s. Thangavelu Spinning Mills (P) Ltd., Bommidi-635301, Dharmapuri District.	TN/16420	1-9-90 to 31-8-93	2/4709/92/DLI
13.	M/s. Sri Vidya Mandir Higher Secondary School, Shevapet, Salem-2.	TN/17196	1-6-89 to 31-5-91	2/4610/92/DLI
14.	M/s. Rajshree Spinning Mills (P) Ltd., 6/7A, Velanleaurichi Road, Peelamedu, Coimbatore-641004.	TN/17505	1-2-88 to 31-1-91	2/4611/92/DLI
15.	M/s. Renowned Auto Products Manufactures Ltd., 122, SIPCOY Industrial Complex, Hosur, Pin-635126, Tamil Nadu.	TN/21052	1-6-88 to 31-5-91 1-6-91 to 31-5-94	2/4612/92/DLI
16.	M/s. C.R.I. Industrials, 3, Saradadevi Street, Ramakrishna Puram, Ganapathy (PO), Coimbatore-641006.	TN/21267	1-9-88 to 31-8-91 31-9-91 to 31-8-94	2/4613/92/DLI
17.	M/s. Mahem Engineering Products, B-10, Sidco Industrial Estate House, Pin 635126, Tamil Nadu.	TN/21281	1-2-88 to 31-1-91 1-2-91 to 31-1-94	2/4614/92/DLI
18.	M/s. Sree Alagulkarshmi Mills (P) Ltd., K.G. Chavadi Palghat Road, Coimbatore-641105.	TN/21317	1-3-90 to 28-2-93	2/4615/92/DLI
19.	M/s. Sri Aaree Hotels, 311-A, Bharathiar Road, Sidhapurdur, Coimbatore-641044.	TN/21501	1-6-88 to 31-5-91 1-6-91 to 31-5-94	2/4616/92/DLI

1	2	3	4	5
20.	M/s. Super Springs (P) Ltd., Lakshmi Feeder Industrial Complex, Muthugoundenpudur (PO) Coimbatore-641406.	TN/21523	1-11-88 to 31-10-91 1-11-91 to 31-10-94	2/4617/92/DLI
21.	M/s. Adilakshmi Transports (P) Ltd., Gopal Bagh, Avanashi Road, Coimbatore-18.	TN/21996	1-3-90 to 28-2-93	2/4618/92/DLI
22.	M/s. Srivishnu Foundry, 259-A, Sathy Road, Eran Thottam, Ganapathy, Coimbatore.	TN/25226	1-3-91 to 28-2-94	2/4619/92/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as Compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of insurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims completes in all respect.

B. N. SOM  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt./1696.—WHEREAS M/s. Guindy Machines Tools Pvt. Ltd., Pallikaranai, Madras 601302 (TN 12830), have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act :—

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I Dated 21-12-89 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 1-3-91 to 28-2-94 upto and inclusive of the 28-2-94.

## SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employers than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/1424.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule—I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And Whereas, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976, (herein after referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, IN exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1.	M/s. D. Wamadeo & Co. (Air Unit), 41/42/140, Adarsh Industrial Estate, Sahar Road, Andheri (E), Bombay-100099. (included branches covered under this code no.)	MH/18728	1-1-90 to 31-12-92	2/4423/92/DLI
2.	M/s. Palm Grov Beach Hotels Pvt. Ltd., Juhu Beach, Bombay-49.	MH/22643	1-8-89 to 31-7-92 & 1-8-92 to 31-7-95	2/4532/92/DLI
3.	M/s. the North Bombay Central Co-op. Cons. Wholesale & Retail Stores Ltd., Opp. Bandra Rly. Station (West), Bandra, Bombay-400050.	MH/11341	1-11-90 to 31-10-93	2/4777/92/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt I/1712.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule—I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide exemption was granted/extended.	Date of expiry which earlier exemption Further extended.	Period for exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Batliboo & Co. Ltd., P.O. Baroda Region, Udhna Distt. Surat.	GJ/4476	S-35014/13/81-PF II dated 28-6-85	1-10-88	2-10-88 to 1-10-91	2/663/82/DLI
2.	M/s. Intersoll and (India) Ltd., GIDC Estate, Naroda, Ahemdabad-382330	GJ/4548	S-35014/80/82/PF.II dated 9-2-87	8-10-88	9-10-88 to 8-10-91	2/185/78/DLI
3.	M/s The Surat Distt. Co-op. Bank, Ltd., Kanipith, Surat-395003.	GJ/4672	2/1959/DLI/- Exemp/89/Pt. I dated 16-7-91	26-8-92	27-8-92 to 26-8-95	2/211/79/DLI
4.	M/s Kutch Gramin Bank, Station Road, Nr. Ravi Cenema, (Bhnri) Kuten-370001.	GJ/4700	Do. dated 19-1-90	31-10-91	1-11-91 o 31-10-94	2/2494/90/DLI
5.	M/s Amlt Alcohol & Carbon Dioxide Ind., N. H. No. 8, Vapi-396145, Distt. Valsad.	GJ/9446	Do. dated 27-4-92	29-2-92	1-3 92 to 28-2-95	2/4124/92/DLI
6.	M/s Udgam School for Childranallisbridge, Ahemdabad-6	GJ/13632	Do dated 18-7-91	28-2-92	1-3-92 to 28-2-95	2/3686/91/DLI
7.	M/s La-Gajjar Blowers Pvt. Ltd., Acidwala Estate, opp. Sukarampura, P. O. Nagarkol Hanuman Road, Amraiwadi, Ahemdabad.	GJ/20-C	S-35014/122/SS.II dated 17-9-97	27-8-88	28-8-88 to 27-8-91 & 28-8-91 to 27-8-94	2/689/87/DLI
8.	M/s Rajkot Dist. Co-op Milk Producers Union Ltd., Dudh Sacar Marg, Nr. New Power House, Rajkot-360003.	GJ/3551	2/1959/DLI/Exemp/ 89/Pt. I dated Nil	26-11-91	27-11-91 to 26-11-94	2/606/81/DLI
9.	M/s. The Surat Distt Co-op. Spining Mills Ltd., Varrachag Road, 395006	GJ/4148	2/1959/DLI/Exem/- 89-Pt. I dated 27-3-92	30-6-91	1-7-91 to 30-6-94	2/3864/91-DLI
10.	M/s. Bhagwati Foundaries Ltd., Odhav Road, Odhav-382410 (GJ)	GJ/4594	2/1959/DLI/Exemp/- 89-Pt. I dated 20-11-91	31-3-92	1-4-92 to 31-3-95	2/3457/91-DLI
11.	M/s. The Gujarat State Co-op Land Development Bank Ltd., Sahakari Bhavan, Dhebarbhai Road, Rajkot-360001.	GJ/4674	S-35014/76/79-Pt.II dated 29-7-80	30-9-81	1-10-81 30-9-84  10-10-84 to 30-9-87 1-10 87 to 30-9-90 1-10-90 to 30-9-93	2/292/79-DLI

1	2	3	4	5	6	7
12.	M/s. Acyls Chemicals Industries N.H. No. 8, Vapi-396191 Distt. Bulsard.	GJ/5241	2/1959/DLI/Exem/- 89-Pt. I dated 26-5-92	30-4-92	1-5-92 to 30-4-95	2/3808/91-DLI
13.	M/s. The Gujarat State Handicrafts Development Corpn. Ltd. opposite Sanyas Ashram, Ashram Road, Ahmedabad-380009	GJ/7283	2/1959/DLI/Exem/- 89-Pt. I dated 1-1-90	29-2-92	1-3-92 to 28-2-95	2/2506/90-DLI
14.	M/s. Vimal Industries, 5 GIDC Estate, Mehsana-384002	GJ/11107	2/1959/DLI/Exem/- 89-Pt. I dated 15-5-90	31-7-91	1-8-91 to 31-7-94	2/2370/89-DLI

#### SCHEDULE—II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1720.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said

establishments are without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in contribution of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE—I

S. No.	Name & Address of the est.	Code No.	No. & date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. Guest Keen Williams Ltd., Sankey Electrical Stampings Divi, LBS Marg, Bhandup, Bombay-400078.	MH/75	S-35013/308/82-PF. II(SS.II) dated 28-4-86	28-1-89	29-1-89 to 28-1-92	2/558/81-DLI
2.	M/s. Guest Keen Williams Ltd., Screws and Fastners Divi, LBS Marg, Bhandup, Bombay-400078	MH/711 MH/9074	S-35014/330/85-SS. IV dated 3-1-86 S-35014/307/82-PF. II dated 31-3-86	2-1-89 28-1-89	3-1-89 to 2-1-92 29-1-89 28-1-92	2/558/81-DLI 2/558/81-DLI
3.	M/s. The Akola Distt. Central Co-op. Bank Ltd., Akola, Post Box No. 8, Civil Line, Akola-4440001 alongwith its branches.	MH/6934	S-35014/65/86-SS. II 7-2-86	6-2-89	7-2-89 to 6-2-92	2/419/80-DLI
4.	M/s. Ewac Alloys Ltd., Saki Vihar Road, Powai, Bombay-72	MH/12309	2/1959/DLI-Exem/- 89-Pt. I, dated 10-9-91	29-4-91	30-4-91 to 30-4-94	2/288/79-DLI

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as Compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

#### SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption extended	CPFC's File No.
1.	M/s Prathap Industries Enikapadu, P. O. Vijayawada-521108	AP/339	2/1959/DLI/Exem/- 89/Pt. I dtd 22-2-91	31-1-91	1-2-91 to 31-1-94	2/3187/90/DLI
2.	M/s Andhra Printers Ltd., P.B. No. 712, Labbipot, Vijayawada-520010(A.P.)	AP/1480	S-35014/246/86-SS.II dated 29-9-86	28-9-89	29-9-89 to 28-9-92	2/1473/86/DLI
3.	M/s The Krishna Co-op Central Bank, Machilipatnam (A.P.)	AP/2364	S-35014(338)/86/- SS.II dated 31-1-86	30-1-89	31-1-89 to 30-1-92 & 31-1-92 to 30-1-95	2/1316/85/DLI
4.	M/s C.B.M.Bethel Hospital, Vuyyuru-521165, Krishna-Distt.(A.P.)	AP/3797	2/1959/DLI/Exom/- 89/Pt. I dated 28-5-92	31-12-91	1-1-92 to 31-12-94	2/4184/91/DLI

#### SCHEDULE—II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

No. 2/1959/DLI/Exem/89/Pt.1/1728.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.



5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

2. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1736.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

#### SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1.	M/s. Indo German Plantation Machinery Co. Pvt. Ltd., 21-A, Ist Phase, P.I.A., Bangalore-560058.	KN/2438	1-3-89 to 29-2-92	2/4573/92/DLI
2.	M/s. Growell (India) Pvt. Ltd., 21-A, Ist Phase, P. I. A., Bangalore-560058.	KN/2524	1-3-89 to 29-2-92	2/4574/92/DLI
3.	M/s. Karnataka Regional Engineering College Hostels, Surathkal (D.K.), Sriniwasanagar-574157.	KN/5036	1-1-89 to 31-12-91	2/4575/92/DLI
4.	M/s. Canara Security Press Ltd., P. B. No. 10, Manipal-576119 D. K. Karnataka.	KN/12139	1-8-87 to 31-7-90 & 1-8-90 to 31-7-93	2/4576/92/DLI
5.	M/s. P&T Commutation Divices(P) Ltd., Sunkadakatte, Vishwanedam Post, Bangalore-560091	KN/11455	1-9-89 to 31-8-92	

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as Compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1744.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F. C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Electro Engineering Enterprise, Varde Valaulicar Road, P. B. No. 125, Margoa-Goa-403601	GOA/10127	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I date 24-9-90	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/2998/90-DLI
2.	M/s. Sapna Ceramics Pvt. Ltd., Valaulicar Road, P. B. No. 125, Margoa -Goa-403601	GOA/10127-F	2/1959/DLI/Exem- /89- Pt. I, dated 4-1-91	31-12-90	1-1-91 31-12-93	2/3340/90-DLI
3.	M/s. Diario Da Noite Press, Luis de Menezes Street, Panaji-Goa.	GOA/10230	2/1959/DLI/Exem/89 Pt. I dated Nil	31-7-91	1-8-91 31-7-94	2/3236/90-DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1752.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	CPFC's File No.
1.	M/s. Andhra Pradesh Heavy Machinery and Engineering Ltd., V. H. R. Shopping-Cum-Complex 2nd Floor, Governorpet, Vijayawada-520002 (A.P.)	AP/5864	S-35014(281) 83/PF-II dt. 28-11-83	27-11-86	28-11-86 to 27-11-89 28 11 89 27-11-92	2/960/82/DLI to 2/1739/88/DLI
2.	M/s Coromandal Agro Products & Oils Ltd., Jandrapet-523165, Chirala, Guntur Distt. (A.P.)	AP/6557	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I dated Nil	31-10-89	1-11-89 to 31-10-92	

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1312.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name and Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption	Period for further exemption extended.	CPFC's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s AGI Glass Division of Hindustan Sanitary Ware & Industries Ltd., P. B. No. 1930, Varada Nagar, Hyderabad-500018.	AP/4133/	2/1959/DLI/ Exemp/89/Pt.I dated 24-6-92	30-11-90	1-12-90 30-11-93	2/4207/92/DLI
2.	M/s. Andhra Pradesh Industrial Gases Ltd., Fac. I. D. A. SILL, Campus Post, Palonche-507154, Khammam Distt. (A. P.)	AP/13212	Do. dated 4-10-91	30-11-92	1-11-92 30-11-95	2/3829/91/DLI
3.	M/s. Pinakini Gramma Bank, G. T. Road, A. K. Nagar, Post Nellore-524004	AP/14126	Do. dated 27-3-90	20-7-92	21-7-92 20-7-95	2/1466/86/DLI
4.	M/s Premier Alloys & Chemicals(I) Ltd., 1-1/3, IDA Jeedimetta, Hyderabad-500855 (A. P.)	AP/16281	Do dated 24-2-92	31-10-92	1-11-92 31-10-95	2/3987/92/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, involved maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s) legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

14-59GI/93

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain recovered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heirs(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1768.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act).

And Whereas, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment is without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Govt. of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was extended.	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended.	C. P. F. C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. The Anantpur Distt. Co-op. Central Bank Ltd., Subhash Road, Ananthapur (A.P.) (alongwith its 13 branches covered under the same code no.)	AP/2429	2/1959/DLI/ Exem/89Pt. I dated 24-2-92	30-11-90	1-12-90 to 30-11-93	2/3988/92/DLI
2.	M/s. Regency Ceramics Ltd., N. N. House, Chiragale Lane, Hyderabad-500001(A.P.)	AP/18791	2/1959/EDLI/ Exem/89/Pt. dated 1-8-91	30-11-92	1-12-92 to 30-11-95	2/3734/91/DLI
3.	M/s. Prasad Drags (P) Ltd., 8-3-214/6, 2nd Floor, Srinivasa Nagar Colony, (West) Hyderabad-500890	A/18803	Do. dated 11-1-92	31-8-92	1-9-92 to 31-8-95	2/2135/89/DLI
4.	M/s. Vasani Co-op Urban Bank Ltd., 16-2-705/9/11, Na'akpet, Hyderabad-300036. (Alongwith other branches at Siddian Bar Covered under the same code No.)	AP/19871	Do. dated 24-2-92	31-10-92	1-11-92 to 30-10-95	2/3986/92/DL

## SCHEDULE—II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1776.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17

of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

### SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	No. & date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption.	Period for exemption further extended	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Gujarat Electricity Board Vidyut Bhawan, Race Course, Baroda-390007.	GJ/920	S-35014/131/83-PF dated 24-4-86	20-7-89	21-7-89 to 20-7-92	2/898/83-DLI
2.	M/s. Farmson Pharmaceutical Gujarat (P) Ltd., Shankar Bhawan, Sayaji Ganj, Baroda-390005.	GJ/4000	2/1959/DLI/Exem/89-Pt. I dated 23-8-91	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3603/91-DLI
3.	M/s. Gujarat State Fertilizers Co. Ltd., P.O. Fertilizer Nagar-391705, Distt. Baroda.	GJ/5238	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 10-4-92	28-10-92	29-10-92 to 28-10-95	2/365/80-DLI
4.	M/s. Deepak Nitrite Ltd., 4/12, GIDC, Chemical Complex, Nandesari, Baroda-391345	GJ/5278	2/1959/DLI/Exem/89-Pt. I dated 29-8-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/170/79-DLI
5.	M/s Petrofils Co-operative Ltd., P.O. Petrofils-391347, Distt. Baroda.	GJ/5938	2/1959/DLI/Exem/89-Pt. I dated Nil	30-9-89	1-10-89 to 30-9-92	2/1743/88-DLI
6.	M/s. Polychem Ltd., ABC Plant, 18, P.C.C. Area, Petrofils, Baroda-391347.	GJ/10032	2/1959/DLI/Exem/89-Pt. I dated 29-8-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/891/83-DLI
7.	M/s. Jetex Curburettors Pvt. Ltd., Pratap Pura, Halol, Distt. Panchmahal.	GJ/11046	2/1959/DLI/Exem/89-Pt. I dated 4-4-91	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3397/91-DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,

Central Provident Fund Commissioner.

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/1784.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended.	CPFC's File No.
1.	M/s India Leaf Spring Manufacturing Co. (P) Ltd. 61-A, Mahatma Gandhi Road, Secundrabad-500003 (A.P.)	AP/22007	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 29-1-92	28-2-93	1-3-93 to 29-2-96	2/2693/90/DLI
2.	M/s Bhagyanagar Pipe Ind. (P) Ltd., 1-11-220/A, Gunurnurthy Lane, Begumpet, Hyderabad-500016 (A.P.)	AP/13377	Do. dated 24-9-91	28-2-93	1-3-93 to 29-2-96	2/3028/90/DLI
3.	M/s Viji Electricals Ltd., Rudravam Patan Choru (Mandal) Distt. Madak 502329 (A.P.)	AP/17868	Do. dated 12-7-91	28-2-93	1-3-93 to 29-2-96	2/3033/90/DLI



## SCHEDULE—II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.1/1792.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule—I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And Whereas, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry earlier exemption.	Period for further extended	CPFC's File No.
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	M/s Padmatex Engineering, Vishwamitri Road, Lal Building, Baroda-390001	GJ/214-A	2/1959/DLI/Excm/89/Pt. I dated 28-11-91	31-1-93	1-2-93 to 31-1-96	2/2938/91/DLI

1	2	3	4	5	6	7
2.	M/s Padmatax Engineering Limited, Chandrapura Village, Taluk, Halol, Distt. Panchmahal.	GJ/214-B	2/1959/DLI/Exem/89/PT. I dated 28-11-91	31-1-93	1-2- 3 to 31-1-96	2/3839/91/DLI
3.	M/s Gujarat Tractor Corporation Ltd., Vishwamitri Road, Vadodara-390001.	GJ/1860	Do. dated 17-10-91	28-2-93	1-3-93 to 29-2-96	2/605/81/DLI
4.	M/s Fag Precision Bearings Ltd., Manaja, Baroda-390013	GJ/4536	Do. dated 24-1-92	16-12-92	17-12-92 to 16-12-95	2/374/80/DLI
5.	M/s Paramount Pollution Control Ltd., Miraj Complex Godri Road, Baroda-390077.	GJ/4926	Do. dated 28-11-91	13-12-92	1-1-93 to 31-12-95	2/3842/91/DLI
6.	M/s Paramount Constructions, 4, Vrojwadi, Jetalpur Road, Alkapuri, Baroda-390005.	GJ/11787	Do. dated 16-1-92	31-12-92	1-1-93 to 31-12-95	2/3958/91/DLI
7.	M/s Mars Enterprises White House, Gita Nagar Hhg. Colony, Partapnagar Road, Baroda-390004.	GJ/16057	Do. dated 28-11-93	31-12-92	1-1-93 to 31-12-95	2/3843/91/DLI

## SCHEDULE—II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1800.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule—I hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):—

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more

favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule—II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule—I against their names.

#### SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	No. & date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry earlier exemption.	Period for further extension	C.P.F.C's File No.
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	M/s. Cicika Office Machine Pvt. Ltd., 23, R.N. Mukherjee Road Calcutta-700001.	WB/5003	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. dated 15-4-91	31-10-92	1-11-92 to 31-10-95	2/3483/91-DLI—
2.	M/s. The Nicco Corpn. Ltd., 1&2, Hare Street, Calcutta-1 alongwith 7 branches covered under the same code number	WB/5525	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. dated 21-3-91	31-3-92	1-4-92 to 31-3-95	2/3441/91-DLI
3.	M/s. Griffon Laboratories Ltd., 40/B, Prinsep Street, Calcutta-72 alongwith its branches at Bombay.	WB/7221	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. dated 18-3-92	8-9-91	9-9-91 to 8-9-94	2/182/78-DLI
4.	M/s. Indian Explosives Ltd., ICI House, 34, Chowranghee Road, Calcutta-700071 alongwith its branches.	WB/8217	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. 19-1-90	1-1-92	2-1-92 to 1-1-95	2/209/73-DLI
5.	M/s. Usha Martin Industries Ltd., 14, Prinsep Street, Calcutta-700072 alongwith its branches.	WB/11027	S-35014/15/87-SS. II dated 29-1-87	6-5-89	7-5-89 to 6-5-92	2/101/77-DLI
6.	M/s. Tata Devy Ltd., (Formerly Davy Ashmore India Ltd.) 6A, Middleton Street, Calcutta-71 alongwith its one branch at Kharagpur.	WB/11265	S-35014/71/87-SS. II dated 27-7-87	26-7-90	27-7-90 to 26-7-93	2/145/73-DLI
7.	M/s. Modern Food Industries (I) Ltd., Taratala Road, Calcutta-700088.	WB/15281	2/1959/DLI/Exemp/89-Pt. I dated 18-2-92	15-10-91	16-10-91 to 15-10-94	2/444/37-DLI
8.	M/s. New Wave, 207, R.J.C. Bose Road, Calcutta-17.	WB/24555	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I dated 27-2-90	29-2-92	1-3-92 to 28-2-95	2/2331/89-DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as al-

ready adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1808.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Baroda from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	2.	3.	4.	5.
1.	M/s Allied Pharmaceutical Laboratories, Indl. Area, Pratapnagar, Baroda-390004.	GJ/5289	1-1-89 to 31-12-91 & 1-1-92 to 31-12-94	2/3467/91/DLI
2.	M/s Industrial Oxygen Co. Ltd., Boru Road, Nr. Narmada Colony, Village Katol, Distt. Panchmahal-389330.	GJ/10017 'B'	1-3-92 to 28-2-95	2/4553/92/DLI
3.	M/s Almin Extrusion, GIDC, Plot No. 876/2, Road E. Makarpura, Baroda-390010.	GJ/15905	1-1-92 to 31-12-94	2/4554/92/DLI
4.	M/s Top-O-Seal, GIDC, Plot No. 876/2, Road E. Makarpura, Baroda-390010.	GJ/18079	1-1-92 to 31-12-94	2/4555/92/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government, may from time to time, direct under clause (a) of Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1816.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule—I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. M. SOM, Central Provident Funds Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule—II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Bombay from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1.	M/s Pest Control (India) Ltd., Yusuf Building, M.G. Road, Fort, Bombay-400001 (alongwith its branches covered under the same code No.)	MH/4029 4029 'A'	1-5-90 to 31-5-93	2/4781/92/DLI
2.	M/s Goodlass Nerolac Paints Ltd., Nerolac House, Ganpatrao Kadam Marg, Lower Pard, Bombay-400013. (alongwith its branches covered under the same code no.)	MH/4098 5536	1-11-91 to 31-10-94	2/4782/92/DLI

## SCHEDULE—II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, the Life Insurance Corporation of India will ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1824.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act),

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Guntur from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s South Indian Research Institute (P) Ltd., Siri Nagar, Vijayawada-7	AP/125	1-3-92 to 28-2-95	2/4644/92/DLI
2.	M/s Vijay Spinning Mills Ltd., Gan Guru (P.O.) Krishna Distt.	AP/3197	1-8-90 to 31-7-93	2/4645/92/DLI

## SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exempt/89/Pt.I/1832.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule I against said scheme has been granted by the R.P.F.C. Coimbatore from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE—I

Sr. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C. No.	File
1.	M/s. ACM Foundries SF-293, Pollachi Road Malumichampatti (P.O.) Coimbatore-21.	TN/11358	1-1-90 to 31-12-93	2/4753/92	DLI
2.	M/s. Sharda Sidicate & Chemical Industries, 6/412, Palghat Road, Kuniamuthur (P.O.) Coimbatore.	TN/6964	1-7-90 to 30-5-93	2/4739/92	DLI
3.	M/s. Rasipuram Textiles (P) Ltd., 22-D, Kanniak Naidu Street Rasipuram (PO), Salem Dist.	TN/21118	1-12-90 to 30-11-93	2/4738/92	DLI
4.	M/s. Raman Precision Products (Pvt.) Ltd., 317, Avanashi Road, Coimbatore.	TN/9511	1-4-88 to 31-3-91 1-4-91 to 31-3-94	2/4736/92	DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of insurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims completes in all respect.

B. N. SOM  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Eexmp/89/Pt. I/1840.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred as the said Act).

AND WHEREAS I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against said Scheme has been granted by the R. P. F. C. Bombay from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE—I

Sr. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. Essential Power Transmission Pvt. Ltd. and Esenpro Transmission Equipment Pvt. Ltd., Esenpro House, 24, Mahal Coop. Indl. Estate., off M.V. Road, Andheri (E), Bombay-59 alongwith its branch.	MH/5476 MH/5476-A	1-2-89 to 31-1-92 1-2-92 to 31-1-95	2/4849/90/DLI
2.	M/s. Unichem Laboratories Ltd., alongwith its associate concerns namely M/s Unichem Exports Ltd. and M/s. Unisearch Ltd., Unichem Bharan, Jogeshwari (W), Bombay-400102 alongwith its branches.	MH/1064 MH/1064-A MH/1064-B	1-4-92 to 31-3-95	2/4850/93/DLI



## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims completes in all respect.

B. N. SOM  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1848.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Gujarat from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s No.	File
1	2	3	4	5	
1.	M/s. Atul Products Ltd., Atul (W. Rly.), Distt. Valsad-396020.	GJ/1056	1-1-88 to 31-12-90 & 1-1-90 to 31-12-93	2/3875/91/DLI	
2.	M/s. Steel Cast Ltd., Ruvapari Road, Bhav Nagar, Gujarat-364001.	GJ/1913	1-11-91 to 31-11-94	2/4425/92/DLI	
3.	M/s. Prakash Wood Works, Somnath Road, Mahader Nagar, Bilimora-39632 (Gujarat).	GJ/2409	1-3-90 to 28-2-93	2/4426/92/DLI	

1	2	3	4	5
4.	M/s. The Amalsad V.V.K. Sahakari Mandali Ltd., At & P.O. Amalsad, Tel. Gundevi, Distt. Valsad.	GJ/4865	1-3-89 to 29-2-92 & 1-3-92 to 28-2-95	2/4427/92/DLI
5.	M/s. Calama Process Pumps, 173 GIDC Estate Naroda, Ahmedabad-382330.	GJ/11044	1-12-89 to 30-11-92	2/4428/92/DLI
6.	M/s. Atlas Radio & Electronics Industry (Pvt.) Ltd., 57, G.I.D.C., Industrial Town Ship, Naroda-382330 (Ahmedabad).	GJ/6066	1-2-87 to 28-2-90 & 1-3-90 to 28-2-93	2/4429/92/DLI
7.	M/s. Shiva Engineering Works Road No. 13, Udhna-394210 (Surat).	GJ/9009	1-1-90 to 31-12-92	2/4430/92/DLI
8.	M/s. Eastmon Crimpers Ltd., 87, Piparia Industrial Estate, Silvassa.	GJ/9160	1-8-89 to 31-7-92 & 1-8-92 to 31-7-95	2/4431/92/DLI
9.	M/s. Shree Maroli Vibhag Khand Udyog Sahakari Mandli Ltd., Kalyan Nagar, P.O. Maroli Bazar-396436 Distt. Valsad (Gujarat).	GJ/9871	1-3-88 to 28-2-91 & 1-3-91 to 28-2-94	2/4432/92/DLI
10.	M/s. N. Chiman Lal & Co., "Jasmine" Building, Ground Floor, Khanpur, Ahmedabad-380001.	GJ/10344	1-4-89 to 31-3-92 & 1-4-92 to 31-3-95	2/4433/92/DLI
11.	M/s. Gujarat Co-op. Oil Seeds Growers Federation Ltd., Narayan Chambers, Ashram Road, Ahmedabad-380009.	GJ/11429	1-1-87 to 31-12-90 & 1-1-90 to 31-12-92	2/4434/92/DLI
12.	M/s. M.B. Electricals No. GIDC Estate, Visnagar-384315.	GJ/12225	1-2-89 to 31-1-92 & 1-1-92 to 31-1-95	2/4435/92/DLI
13.	M/s. A.G. Primary School, Navrang Pura, Ahmedabad-380009.	GJ/13223	1-3-89 to 28-2-95	2/4436/92/DLI
14.	M/s. The Surendra Nagar Mercantile Co-op Bank Ltd., Navkar Commercial Centre, Muni Thobhan Marg, Surendra Nagar-363001.	GJ/16904	1-7-91 to 30-6-94	2/4437/92/DLI
15.	M/s. Saraspur Nagarik Co-op. Bank Ltd., Saraspur Bazar, Ahmedabad-380018.	GJ/16914	1-2-91 to 31-1-94	2/4438/92/DLI
16.	M/s. Pari Plast (P) Ltd., Shanti Chamber Opp. Dinesh Hall, Navarangpur-Ahmedabad-380009.	GJ/17041	1-3-91 to 28-2-94	2/4439/92/DLI
17.	M/s. Win Engg. (P) Ltd., Plot No. 380-381, A, Phase-II, Vatva, Ahmedabad-382445.	GJ/17465	1-9-91 to 31-8-94	2/4440/DLI/92
18.	M/s. Remik Trading Co. (P) Ltd., Prahul Nivas, Panchvati, Ellisbridge, Ahmedabad.	GJ/17661	1-10-91 to 30-9-94	2/4441/92/DLI
19.	M/s. Inductocast, 904, Vishal Udyog Nagar, Gujarat-388121.	GJ/17839	1-2-91 to 31-1-94	2-4442/92/DLI
20.	M/s. Promact Plastics (P) Ltd., 125, G.J.D.C. Estate, Mohsana-384002.	GJ/18080	1-3-91 to 28-2-94	2-4443/92/DLI
21.	M/s. Dan Detergents, Plot No. 207, Industrial Estate, 2nd Phase Dadra & Nagar Haweli, Silvassa-396230.	GJ/19864	1-3-92 to 28-2-95	2/4444/92/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under Clause (a) of Sub-section 3(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval, gives a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/18567. — WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-section 2(A) of Section 17 of the Employee's Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Calicut from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1.	M/s. Keltron Magnetis Ltd., Keltron Nagar, P.O. Kalliasseri Cannanore -670562 (India)	KR/4184	1-6-90 to 31-5-93	2/4533/92/DLI
2.	M/s. Steel Complex Ltd., WISCO Manor, P.B. No. 42, Feroke-673631 Kerala (India)	KR/3996/	1-3-88 to 28-2-91	2/4539/92/DLI
3.	M/s. Keltron Resistors Ltd., Keltron Nagar, P.O. Kalliasseri, Cannanore-670562 (India)	KR/4289	1-6-90 to 31-5-93	2/4540/92/DLI
4.	M/s. Kerala Sarvodaya Sangh, Gandhi Ashram-Calicut-20	KR/2152	1-1-88 to 31-12-90	2/4541/92/DLI
5.	M/s. Keltron Crystals Ltd., Keltron Nagar, Kalliasseri-670562, Cannanore (India)	KR/4402	1-6-90 to 31-5-93	2/4542/92/DLI
6.	M/s. Rani Food Products, Badeagara, Calicut Distt.	KR/110021	1-10-88 to 30-9-91	2/4543/92/DLI
7.	M/s. Keltron Component Complex Ltd., Keltron Nagar, P.O. Kalliasseri, Cannanore-670562	KR/4401	1-6-90 to 11-5-93	2/4544/92/DLI
8.	M/s. Fathima Matha Mission Hospital, Kalpetta, P.O. Wynad	KR/4788	1-3-90 to 28-2-93	2/4545/92/DLI
9.	M/s. Manoj Packaging of India, P.B. No. 15, Feroke-673631 Kerala State.	KR/4472	1-9-89 to 31-8-92	2/4546/92/DLI
10.	M/s. Sun Metals & Alloys (P) Ltd., Kanjikada West Kerala Pin-678623	KR/10331	1-7-88 to 30-6-91	2/4547/92/DLI
11.	M/s. The Wynad District Co-op. Bank Ltd. Kalpetta North, Wynad.	KR/9958	1-1-88 to 31-12-90	2/4548/92/DLI
12.	M/s. Flexon Auto Steel Products (P) Ltd., KK-136, B, South Bazar, Cannanore- 670002 (South India)	KR/11308	1-3-89 to 29-2-92	2/4549/92/DLI
13.	M/s. The Muslim Printing & Publishing Co. Ltd., Y.N.C.A. Road, P.B. No. 64, Calicut-673001	KR/277	7-11-89 to 6-11-92	2/4551/92/DLI
14.	M/s. Kerala Urban Development Finance Corporation Ltd., Calicut	KR/11047	1-1-88 to 31-12-90	2/4552/92/DLI
15.	M/s. Koyenco Solvent Extractors (P) Ltd., Koyenco Building West Hill, Calicut-673005	KR/11358	1-2-90 to 31-1-93	2/4550/92/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1864.—WHEREAS the employers of the establishment's mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE—I

S. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & date of the Govts Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F.C.s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Sayaji Iron & Engg. Co. Pvt. Ltd., Chhani Road, Baroda-390002	GJ/204	2/1959/DLI/Exemp/89 Pt.I dated 25-6-92	30-9-91	1-10-91 30-9-94	2/264/91/DLI
2.	M/s. ORG Systems, Wadi Wadi, Baroda	GJ/1315-C	2/1959/DLI/Exemp/89 Pt. I dated 19-1-90	30-4-91	1-5-91 30-4-94	2/2562/90/ DLI
3.	M/s. Associated Precision Spindles Ltd., Bombay, Ahmedabad, NH No. 8, Makarpura Post GIDC Baroda-390010	GJ/4808	S-35014/460/82-PF.II dated 31-1-86	11-2-89	12-2-89 11-2-92	2/832/82/DLI
		GJ/4578	S-35011/457/82-SS.II dt. 31-3-86	11-2-89	12-2-92 11-2-95	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
4.	M/s. Rink Hydrocarbons Ltd., 67, Race Course Circle, Baroda-390007.	GJ/4952-A	2/1959/DLI/Exem/89- Pt. I dated 14-5-91	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/2466/91- DLI
5.	M/s. Foundry Agricultural and Mining Equipment Pvt. Ltd., 355-57, GIDC, Industrial Estate, Makarpura, Baroda.	GJ/6147	2/1959/DLI/Exemp/89 Pt. I dated 4-4-91	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/3395/91- DLI
6.	M/s. Sayaji Iron Works (Contracts) Pvt. Ltd., Chani Road, Baroda-390002.	GJ/6325	2/1959/DLI/Exemp/89 Pt. I dated 25-6-92	30-11-91	1-12-91 30-11-94	2/3468/91- DLI
7.	M/s. Allied Electrical Industries, 276, GIDC Estate, Makarpura Road, Baroda-390010.	GJ/6913	2/1959/DLI/Exem/89- Pt. I dated 25-6-92	31-7-91	1-8-91 31-7-94	2/3569/91- DLI
8.	M/s. Gujarat Communication and Electricals Ltd., GIDC Industrial Estate, Makarpura, Baroda-390010.	GJ/6938	2/1959/DLI/Exem/89- Pt. I dated 19-1-90	28-2-91	1-3-91 28-2-94	2/2707/91- DLI
9.	M/s. Abs Plastic Ltd., 11th Floor, Kirti Towers, Tilak Road, Baroda-390001.	GJ/7029q	2/1959/DLI/Exem/89 Pt. I dated 4-4-91	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/3391/91- DLI
10.	M/s. S.I. Works Quarry (P) Ltd., Chhavi Road, Baroda-390002.	GJ/7901	2/1959/DLI/Exem/89 Pt. I dated 25-6-92	30-9-91	1-10-91 30-9-94	2/3470/91- DLI
11.	M/s. Rinki Industrial Oils Ltd., 67, Race Course Circle, Baroda-390007	GJ/7976	2/1959/DLI/Exem/89 Pt. I dated 14-5-91	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/3471/91- DLI
12.	M/s. Krishidar Udyog, 50-A, GIDC, Industrial Estate, Kalol-380330.	GJ/10030	2/1959/DLI/Exem/89 Pt. I dated 4-4-91	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/3398/91- DLI
13.	M/s. Panch Mahal Pulverisers, 50-A, GIDC Industrial Estate, Kalol-PMS.	GJ/10848	2/1959/DLI/Exem/89 Pt. I dated 18-7-91	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/2408/91- DLI

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of

accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India,

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval gives a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member

who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,  
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/1872.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit establishment Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended.	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Y.S. Syntex Projects Lt.l., (Formerly known as Shri Ambica Mills Ltd., No. 2) Kankaria Road, Ahmedabad-380002.	GJ/307	S-35014/203/83/PF-II/SS. II dated 17-10-86	16-12-89	17-12-89 16-12-92	2/326/80 -DLI
2.	M/s. Elecon Engineering Company Ltd., P.B. No. 6, V.V. Nagar, Gujarat.	GJ/1834	S-35014/153/86-SS-II dated 21-4-86	20-4-89	21-4-89 20-4-92	2/199/78/
3.	M/s. Kutchmetra Janmabhoomi Group of Newspapers Company Area, Bhuj (Kutch).	GJ/1978	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 1-8-90	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/2806/90 DLI
4.	M/s. K.K. Process, Saraswati Bhawan, Near Ajod Dairy, Gomtipur, Ahmedabad-380021.	GJ/4775-A	Do. dated 21-5-91	28-2-91	1-3-91 28-2-94	2/3379/91/ DLI

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. & date of the Govt.'s Notification vide which exemption was granted/extended	Date of Expiry earlier exemptions	Period for exemption further extended	C.P.F.C.'s File No.
5.	M/s. Antici Engineering Ltd. (Formerly known as the Milling Trading Co. Ltd.) Anand Sojitara Road, V.V. Nagar, 388120 Ahmedabad.	GJ/1864g	S-35014/151/83/PF.II/SS.II dated 26-11-86	21-10-89	22-10-89 21-10-92	2/302/79-DLI
6.	M/s. Ajay Trading Co. Shop No. 11, Zilla Pan, chayat Building, Opposite Apna Bazar, Lal Darwaja-Ahmedabad-1.	GJ/7288	2/1959/DLI/Exem/89/Pi. I dated 19-1-90	29-2-92	1-3-92 28-2-95	2/2564/90-DLI
7.	J.D. Industries, Near P.D.M. Commerce College Gondal Road, Rajkot-360002.	GJ/7382	Do. dated 15-5-90	29-2-92	1-3-92 28-2-95	2/2355/89/DLI
8.	M/s. Moti Laminates (P) Ltd., Plot No. 67/1-2 and 68, G.I.D.C. Estate, Visnagar.	GJ/11575	Do. dated 10-9-91	27-2-91	28-2-91 27-2-94	2/1166/88-DLI
9.	M/s. The Sahyog Co-op. Bank Ltd., Ayojan Nagar, Ambawadi, Ahmedabad.	GJ/11943	Do. dated 4-6-91	31-8-90	1-9-90 31-8-93	2/3581/91/DLI
10.	M/s. The Gujarat State Handloom Industrial Co-op. Federation Ltd., Jafri Nazil Safaras Road, Ahmedabad-380001.	GJ/14250	Do. dated 20-11-91	29-2-92	1-3-92 28-2-95	2/3486/91/DLI
11.	M/s. El-Nech Industries, Survey No. 2876/2, Opposite Vividhla-Kshim School, Vadnagar-Visnagar, Approach Road, Vajdnagar-384355.	GJ/14356	Do. dated 15-5-90	30-9-91	1-10-91 30-9-94	2/2354/89/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if to the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM  
Central Provident Fund Commissioner



## UNIVERSITY OF DELHI

published for information as required under Section 39(2) of Delhi University Act, 1922 (Act VIII of 1922).

The annual accounts of the University of Delhi for the year 1990-91 alongwith the Audit Report thereon are hereby

PROF. S. K. WASAN  
Registrar

## UNIVERSITY OF DELHI

## ACCOUNTS FOR THE YEAR 1990-91 AND AUDIT REPORT

BALANCE SHEET OF THE UNIVERSITY OF DELHI  
AS ON 31-3-1991

As on 31-3-1990	FUNDS & LIABILITIES	As on 31-3-1991
Rs.	FUNDS	Rs.
47,86,28,689	1. Grants . . . . .	51,47,26,838
47,18,166	2. Gifts & Donations . . . . .	53,14,279
24,58,52,137	3. Provident Fund . . . . .	28,08,40,557
67,25,558	4. Depreciation Reserve Fund . . . . .	69,81,909
2,32,753	5. Publication Fund . . . . .	2,32,387
14,41,436	6. Vice-Chancellor's Student fund . . . . .	17,54,750
1,46,84,942	7. Endowment Fund Account . . . . .	1,69,10,561
4,28,451	8. Conveyance Loan Fund . . . . .	4,33,504
6,95,90,791	9. House Building Loan Fund . . . . .	7,68,26,782
2,41,417	10. Publication Revolving Fund . . . . .	2,53,918
4,34,149	11. Royalty Fund (Deptt. of English) . . . . .	5,05,717
1,68,707	12. Publication of Oriental insects fund . . . . .	1,76,172
31,47,818	13. Hindi Medium Implementation Fund . . . . .	29,22,387
<b>LIABILITIES</b>		
2,49,35,994	1. (a) Unutilized Grants . . . . .	2,41,54,710
1,35,00,000	. (b) Maintenance Grant Received in Advance . . . . .	1,71,50,000
46,29,611	2. Science Caution Money & Library Deposits . . . . .	61,14,474
25,07,984	3. Contractor's Security Deposit . . . . .	24,02,568
15,65,547	4. Scholarship Deposits . . . . .	36,84,964
1,19,10,148	5. Research Scheme Deposits . . . . .	1,43,10,416
6,31,955	6. Deposits in respect of Summer Instt. Seminars, Workshop/Colloquim etc. . . . .	2,61,417
35,37,442	7. Other Deposits & Remittances . . . . .	38,34,240
1,44,17,528	8. Amount Payable . . . . .	18,07,599
20	9. Book Bank (Deptt. of Education) . . . . .	20
17,02,879	10. N.S.S. Account . . . . .	8,79,220
4,27,300	11. Adult & Continuing Education A/c . . . . .	3,30,460
—	12. Delhi University Pension A/c. . . . .	95,358
99,726	13. Group Insurance Scheme A/c . . . . .	93,491
—	14. Excess of Income over Expenditure . . . . .	2,89,071
90,61,61,148	<b>Total</b> . . . . .	98,38,88,035

**BALANCE SHEET OF THE UNIVERSITY OF DELHI**  
**AS ON 31-3-1991**

As on 31-3-1990	ASSETS	As on 31-3-1991
Rs.		Rs.
16,15,28,797	1. Building . . . . .	18,16,95,041
1,30,02,032	2. Land . . . . .	1,30,86,632
16,28,80,202	3. Furniture & Equipment . . . . .	17,25,83,338
24,39,173	4. Vehicles . . . . .	26,64,279
1,53,71,036	5. Science Apparatus . . . . .	1,62,69,533
13,54,40,456	6. Books & Periodicals . . . . .	14,14,46,247
1,5	7. Sports Equipment & Trophies . . . . .	1,56,149
3,99,096	8. Amount Receivable . . . . .	3,82,048
	9. <i>Provident Funds</i>	
18,32,51,500	(a) Investments . . . . .	22,99,77,995
2,85,75,523	(b) Interest receivable on Investments . . . . .	1,40,34,903
	10. <i>Other Investments</i>	
13,65,000	(a) Depreciation Reserve Fund . . . . .	11,15,000
1,83,000	(b) Publication Fund . . . . .	2,06,000
6,15,500	(c) Vice-Chancellor's Students Fund . . . . .	7,30,000
1,25,99,164	(d) Endowment Fund . . . . .	1,44,91,609
89,817	(e) Deptt. of Social Work . . . . .	89,817
33,41,00	(f) Science Caution Money & Library Deposit . . . . .	49,76,100
1,30,000	(g) Instrument A/c (Computer Centre) . . . . .	—
3,55,000	(h) Royalty Fund (Deptt. of English) . . . . .	5,00,000
1,34,04,000	(i) Plan Development Account . . . . .	1,31,89,111
1,65,000	(j) Publication Revolving Fund . . . . .	1,65,000
1,00,000	(k) Publication of Oriental Insects Fund . . . . .	1,00,000
13,00,000	(l) Hindi Medium Implementation Fund . . . . .	18,00,000
1 35,000	(m) Miscellaneous Account . . . . .	1,35,000
	11. <i>ADVANCES AND LOANS</i>	
1,04,775	(a) Permanent Advance . . . . .	1,08,525
14,91,511	(b) Other Advances . . . . .	18,51,006
3,55,255	(c) Conveyance Loan . . . . .	3,81,294
6,47,93,900	(d) House Building Loan . . . . .	6,58,26,603
30,53,000	12. University Press . . . . .	39,71,000
4,795	13. Security with D.E.S.U. (Deptt. of Social Work) . . . . .	4,795
1,98,60,949	14. Excess of Expenditure over Income . . . . .	—
33,94,350	15. Other Grants & amount recoverable . . . . .	26,83,523
—	16. Maintenance Grant to Hostel . . . . .	1,28,083
7,62,76,068	17. Cash at Banks . . . . .	9,91,39,404
90,61,61,148	Total . . . . .	98,38,88,035

**Note on Account****1. General**

These Annual Accounts do not include the account of Maintained Institutions/Colleges, which will be submitted separately :

2. *Assets : sl. No. 11(b) offer advance :*

This figure does not include the following advances charged to the respective final head of account. The adjustments of these advances are being watched through the register of advances and the position of advances awaiting adjustment as on 31-3-1991 is given category wise :

Category	Previous	1988-89	1989-90	1990-91	Total
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1. Building . . . . .	32,443	—	11,44,800	14,000	11,91,243
2. Furniture & Equipment . . . . .	29,783	5,26,935	19,79,581	50,00,491	85,36,790
3. Science Apparatus . . . . .	2,51,500	23,873	27,826	6,84,154	9,87,353
4. Books & Periodicals . . . . .	—	—	—	—	—
5. Vehicle . . . . .	—	—	—	—	—
6. Research Schemes . . . . .	24,260	11,514	8,62,811	34,14,104	43,12,689
7. Seminars . . . . .	52,850	36,783	72,600	75,675	2,37,908
8. Other Advances charged to Income & Exp. A/c of respec- tive years . . . . .	8,32,865	17,64,862	33,05,868	54,04,546	1,13,08,141
	12,23,701	33,63,967	73,93,486	1,43,92,970	2,65,74,124

Certified that the grants received by the University have been utilised for and on the purpose for which they were sanctioned and paid.

Asstt. Registrar (A/cs-I)  
University of Delhi  
Delhi-110007.

Finance Officer  
University of Delhi  
Delhi-110007.

Treasurer  
University of Delhi  
Delhi-110007.

## STATEMENT NO. 2

## INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR 1990-91

For the year 19989-90		INCOME	For the year 1990-91	
Rs.	Ps.		Rs.	Ps.
<b>I. NON-PLAN ACCOUNT</b>				
<b>(MAINTENANCE GRANT ACCOUNT)</b>				
18,77,39,998.12		1. Grant excluding capitalised expenditure	23,06,66,563.19	
42,22,882.80		2. Fees from Students	2,05,30,919.45	
1,34,07,785.55		3. Examination Fees	—	
17,02,032.56		4. Other Fees	—	
2,17,632.50		5. Health Centre Contribution	2,57,163.15	
3,56,119.35		6. Sale of Publication	4,14,664.70	
1,18,677.05		7. Photocopying Charges	65,443.75	
—		8. Graphic Arts Centre	—	
16,98,892.17		9. Licence Fees, Electricity, Water Charges etc.	16,59,877.40	
8,86,820.18		10. Miscellaneous		
49,58,375.68		(a) Interest	2,84,049.30	
21,53,09,215.96		(b) Other Items	19,45,406.61	
		Total—I	25,58,13,087.55	
<b>II. PLAN DEVELOPMENT ACCOUNT</b>				
<b>(GRANTS EXCLUDING NON-RECURRING GRANTS)</b>				
41,86,497.96		(a) Seventh Plan Schemes	82,12,356.10	
82,225.68		(b) Area Study Programme Chinese & Japanese Studies	6,00,000.00	
68,95,000.00		(c) Special Assistance Programme	3,92,871.00	
2,48,630.81		(d) Other Receipts	91,020.70	
1,14,12,354.45		Total—II	92,96,247.80	
22,67,21,570.41		Total—I & II	26,51,09,335.35	
38,83,429.50		Excess of Expenditure over Income	—	
23,06,04,999.91		<b>GRAND TOTAL</b>	<b>26,51,09,335.35</b>	

## INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR 1990-91

For the year 1990-91				EXPENDITURE				For the Year 1990-91				
Pay & Allowances		Other Charges		Total			Pay & Allowances		Other Charges		Total	
Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	I. Non-Plan Accounts (Maintenance Grant Account)	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.
2,03,54,732.10		66,80,900.75		2,70,35,632.85		1. General Administration	2,17,22,939.55		77,91,020.80		2,95,13,960.35	
49,18,634.85		1,95,16,756.38		2,44,35,391.23		2. Office of the Controller of Examinations	53,71,874.50		1,10,56,335.04		1,64,28,209.54	
2,69,49,894.09		12,13,321.16		2,81,63,215.25		3. Faculty of Arts & Social Science	2,82,31,899.16		15,70,483.25		2,98,02,382.41	
2,71,03,148.90		33,41,441.90		3,04,44,590.80		4. Faculty of Science	2,83,43,560.45		43,66,832.66		3,27,10,393.11	
77,35,475.10		2,21,998.20		79,57,473.30		5. Faculty of Law	80,55,733.90		2,80,642.25		83,36,376.15	
21,44,906.00		15,475.00		21,60,381.00		6. Faculty of Music & Fine Arts	23,67,045.00		11,492.00		23,78,537.00	
33,21,602.00		2,46,228.97		35,67,830.97		7. Faculty of Mathematics	37,74,656.00		2,73,638.76		40,48,294.76	
5,59,073.85		5,99,712.70		11,58,786.55		8. Faculty of Medical Science & Technology	6,34,243.00		6,06,318.86		12,40,561.86	
28,02,978.40		1,52,525.90		29,55,504.30		9. Faculty of Manage- ment Studies	31,19,134.30		1,58,490.75		32,77,625.05	
41,32,660.30		2,53,605.00		43,86,265.30		10. Faculty of Education	44,98,814.59		2,77,411.00		47,76,225.59	
1,09,61,491.00		82,91,740.51		1,92,53,231.51		11. South Delhi Campus	1,44,00,097.00		1,10,70,685.18		2,54,70,782.18	
1,00,86,684.34		7,81,448.45		1,08,68,132.79		12. Delhi University Library System	1,08,21,769.30		7,47,546.04		1,15,69,315.34	
6,07,372.50		46,068.31		6,53,440.81		13. Directorate of Hindi Implimentation Centre	6,74,335.00		52,918.59		7,27,253.59	
14,05,155.10		1,02,91,713.16		1,16,96,868.26		14. (a) Student's Facilities (b) University Maintained Hostel Deficit	14,73,185.65		45,21,001.95		59,94,187.60	
40,94,688.50		2,12,79,232.65		2,53,73,921.15		15. Staff benefits	47,04,720.60		2,48,07,935.30		2,95,12,655.90	
—		3,51,085.50		3,51,085.50		16. Grants & Contribution	—		4,57,320.40		4,57,320.40	
68,38,483.80		1,10,42,289.00		1,78,80,772.80		17. Works, Maintenance & Repairs	70,75,281.80		1,31,97,430.56		2,02,72,712.36	
1,36,557.00		—		1,36,557.00		18. Study Leave	1,48,517.00		—		1,48,517.00	
9,26,095.05		17,41,596.95		26,67,692.00		19. Non-Collegiate Women Education Board	10,44,768.80		24,07,368.89		34,52,137.69	
3,03,032.00		2,58,515.33		5,61,547.33		20. Graphic Arts Centre	4,14,078.25		3,53,573.35		7,67,451.60	
17,19,831.40		2,15,353.89		26,35,185.29		21. Delhi University Computer Centre	16,25,247.25		11,86,751.43		28,11,998.68	
13,71,02,496.28		1,72,41,009.71		22,43,43,505.99		Total—I	14,85,01,901.10		9,07,64,482.06		23,92,66,383.16	
II. PLAN DEVELOPMENT GRANT ACCOUNT												
29,96,773.20		15,00,239.93		44,97,013.13		(a) Seventh Plan schemes	15,13,003.00		16,45,827.21		31,58,830.21	
1,97,905.00		2,66,082.00		4,63,987.00		(b) Area Study Programme Chinese & Japanese Studies	05,82,600.00		02,11,831.00		07,94,431.00	
2,41,155.00		10,59,338.79		3,00,493.79		(c) Special Assistance Programme	7,22,546.80		10,17,124.51		17,39,671.31	
34,35,833.20		28,25,660.72		62,61,493.92		Total—II	28,18,149.80		28,74,782.72		56,92,932.52	
14,05,38,329.48		9,00,66,670.43		23,06,04,999.91		Total-I & II	15,13,20,050.90		9,36,39,264.78		24,49,59,315.68	
Excess of Income Over Expenditure											2,01,50,019.67	
14,05,38,329.48		9,00,66,670.43		23,06,04,999.91		Grand Total	15,13,20,050.90		9,36,39,264.78		26,51,09,335.35	

## Notes on Accounts:

The expenditure during the year 1990-91 also include advance charged to final head of the account awaiting adjustment as on 31-3-1991 to the extent indicated below:

1. Paid to the employee towards L.T.C. Rs. 17,495
2. Paid to the Department for incurring contingency expenditure etc. Rs. 53,97,051

Rs. 54,14,546

Assistant Registrar (A/cs-I)  
University of Delhi,  
Delhi-110007.

Finance Officer  
University of Delhi,  
Delhi-110007.

Treasurer  
University of Delhi,  
Delhi-110007.

STATEMENT OF RECEIPTS & PAYMENT ACCOUNT  
FOR THE YEAR 1990-91

## STATEMENT NO. III

Name of the Account	Opening Balance as on 1-4-1990		Receipt		Payment	Closing Balance as on 31-3-1991	
1	2		3		4	5	
	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	Rs. Ps.
<b>I. NON-PLAN ACCOUNT</b>							
(i) General Fund Saving Bank A/c (C&I—212)	29,92,832.25						1,08,29,116.16
(ii) Maintenance Grant Account No. I	3,64,475.90						8,78,299.50
(iii) Maintenance Grant Account No. II	1,35,199.74						4,99,622.60
(iv) Maintenance Grant Account No. III	29,87,313.92						4,63,554.72
(v) Evening Law Centre No. I Account	1,87,418.56						1,21,235.11
(vi) Evening Law Centre No. II A/c	61,879.01		32,58,28,660.93		31,97,30,428.53		8,249.66
(vii) South Delhi Campus General Fund Account	3,10,671.08						3,421.01
(viii) Department of Social Work A/c.	(—) 1,609.87						35,904.01
(ix) Non-Collegiate Women's Education Board A/c (C&I-326)	94,644.05						80,358.05
(x) Department of Education Account	58,925.82					(—)	9,394.77
(xi) External candidates Cell Account (C&I-325)	31,817.45						1,64,305.45
(xii) Computer Centre (S.B. A/c No. 234)	92,928.54						2,40,165.54
(xiii) Departmental Receipt (S.B. A/c 445)	31,821.05						1,44,015.75
<b>Total Cash Balance Under Non-Plan Account</b>	<b>73,48,317.50</b>		<b>32,58,28,660.93</b>		<b>31,97,30,428.53</b>		<b>1,34,58,852.79</b>
<b>2. PLAN DEVELOPMENT ACCOUNT:</b>							
(i) Plan Development Current A/c	6,90,052.56						15,34,917.79
(ii) Plan Development Saving Bank Account (C&I-211)	38,88,302.04						83,93,715.04
(iii) South Delhi Campus	6,86,674.74		5,09,15,304.70		4,47,72,463.78		9,11,162.43
(iv) Department of Education	11,514.30						11,514.30
(v) Department of Social Work	1,761.88						1,761.88
(vi) C.P.D.H.E. (C & I-440)	48,630.81						12,660.11
<b>Total Cash Balance Under Plan Account</b>	<b>53,26,936.33</b>		<b>5,09,15,304.70</b>		<b>4,47,72,463.78</b>		<b>1,08,65,732.25</b>
<b>3. MISCELLANEOUS ACCOUNTS</b>							
(i) Current Account	7,67,728.50						1,57,355.42
		50,63,665.43			69,62,338.12		
(ii) Saving Bank A/C (C & I-213)	7,88,538.71						91,981.21
(iii) South Delhi Campus (C & I-39)		20,26,824.29			18,86,428.00		1,40,396.29
<b>Total Cash Balance Under Miscellaneous Account</b>	<b>15,56,267.21</b>	<b>70,90,489.72</b>			<b>88,48,766.12</b>		<b>3,89,732.92</b>
<b>4.</b>							
(i) Provident Fund A/c (DU-40)	17,13,769.03	4,14,70,216.27		4,04,48,703.00			27,35,282.50
(ii) Contributory Provident Fund A/c (DU-109)	19,256.62	10,62,24,576.17		10,21,91,860.37			40,51,972.42
(iii) G.P.F. Account (DU-106)	47,06,847.95	27,32,12,245.97		3,11,56,861.87			56,77,232.05
(iv) C.P.F. A/c Refundable to U.G.C. (DU-107)	2,75,85,240.93	11,95,54,467.22		12,27,76,535.00			2,43,63,173.15
<b>5. Depreciation Reserve Fund A/c (C&amp;I-216)</b>	<b>5,66,734.00</b>	<b>10,10,142.00</b>		<b>8,92,503.68</b>			<b>6,83,572.32</b>
<b>6.</b>							
(i) Publication Fund A/c (DU-35)	40,423.62	57,546.00		88,504.00			9,465.62
(ii) Publication Account (Deptt. of Slavic Study) (C&I-455)	4,664.30	3,796.00					8,460.30

	1	2	3	4	5
(iii) Publication Fund A/c (Deptt. of (M.E.L.) (C&I-456)		4,664.30	3,796.00	--	8,460.30
7. Vice-Chancellors Students Fund A/c (DU-31)		8,25,936.55	6,00,013.80	4,01,200.00	10,24,750.35
8. Endowment Fund A/c		21,85,778.59	68,49,615.83	66,16,441.21	24,18,953.21
9. Conveyance Loan Fund A/c (C&I-100)		73,196.40	3,58,624.00	3,79,610.00	52,210.40
10. House Building Loan Fund A/c (C&I-258)		47,96,891.08	2,91,86,898.57	2,29,83,611.00	1,10,00,178.05
11. Publication Revolving Fund A/c (C&I-264)		76,417.74	93,576.95	81,076.00	88,918.69
12. Royalty Account (Deptt. of English) (C&I-282)		79,149.39	83,061.74	1,56,493.75	5,717.38
13. Publication of Oriental sects Fund (S.B. A/c-344)		68,706.68	17,465.00	10,000.00	76,171.68
14. Directorate of Hindi Medium Implementation Centre (C&I-309)		18,47,818.75	18,33,151.65	25,58,583.00	11,22,383.40
15. Science Caution Money A/c (C&I-70)		1,12,019.48	64,798.15	1,03,086.60	73,731.03
16. Library Deposit Account (C&I-140)		11,66,793.62	16,55,391.00	17,67,239.20	10,54,945.42
17. C.S.I.R. Research Fellowship Account (C&I-99)		7,95,136.50	60,43,624.95	67,45,448.00	93,313.45
18. UGC Research Fellowship Account (C&I-131)		4,13,785.75	1,48,91,637.15	1,28,45,113.78	4,60,309.12
19. Other Bodies Scholarship A/c (C&I-165)		4,71,844.90	22,75,441.38	13,14,861.00	14,32,425.28
20. Fellowship/Scholarships A/c (Deptt. of Education) (C&I-152)		18,285.65	912.80	--	19,198.45
21. Foreign student Scholar A/c (C&I-4016)		1,79,791.10	5,70,017.00	5,66,793.00	1,83,015.10
22. Research Schemes Account (C&I-148)		36,22,310.54	2,22,53,138.71	2,29,37,716.06	29,37,733.19
23. Research Project A/c (Deptt. of Social Work)		48,380.59	4,89,636.65	3,57,831.56	1,80,185.68
24. I.A.S.E. Scheme (Deptt. of Education)		--	18,42,892.30	10,69,869.00	7,73,023.30
25. D.O.E. Research Scheme (C&I-280)		89,991.75	2,99,701.00	3,82,736.00	6,956.75
26. Research Schemes A/c (C&I-384)		30,15,129.95	50,87,373.00	44,39,860.50	36,62,642.45
27. Research Project-SDC (C&I-21)		25,01,530.00	0,53,86,999.00	39,41,460.00	39,47,069.00
28. Seminar/Summer Instt. A/c (C&I-252)		6,31,955.47	15,65,601.84	19,36,140.00	2,61,417.31
29. Remittances & Deposit A/c (Deptt. of Education)		81,937.77	69,341.00	63,398.00	87,880.77

	1	2	3	4	5
30. Delhi University Staff Quarters A/c (C&I-313)		76,201 ·05	42,53,876 ·00	41,90,208 ·55	1,39,868 ·50
31. Case Material Scheme Account					
(i) Campus Law Centre (C&I-390)		77,481 ·05	3,59,548 ·00	3,10,342 ·00	1,26,687 ·05
(ii) E.L.C. No. 1 (S.B.A/c 12742)		75 ·00	—	—	75 ·00
(iii) E.L.C. No. 1 (S.B. A/c 14974)		1,48,584 ·74	2,12,656 ·55	2,21,078 ·00	1,40,163 ·29
(iv) E.L.C. No. II (S.B. A/c 7803)		4,634 ·70	1,33,881 ·10	1,33,155 ·00	5,360 ·80
32. Japanese Grant A/c (C&I-361)		63,590 ·65	3,382 ·00	—	66,972 ·65
33. Asiad '82' A/c (C&I-288)		2,26,862 ·58	11,409 ·00	11,409 ·00	2,26,862 ·58
34. Foreign Currency A/c (C&I-426)		708 ·30	321 ·00	708 ·30	321 ·00
35. Faculty of Development Fund:					
(i) Faculty of Management Studies (S.B. A/c-297)		7,551 ·70	1,649 ·00	—	9,200 ·70
(ii) E.L.C.—I(17336)		61,973 ·10	1,10,331 ·13	93,194 ·00	79,110 ·23
(iii) Campus Law Centre		31,759 ·30	69,060 ·00	39,807 ·75	61,011 ·55
36. D.U. Working Women's Hostel A/c (C&I-356)		25,516 ·65	1,291 ·00	—	26,807 ·65
37. Admission Processing Charges A/c Faculty of Management Studies & Deptt. of Commerce (C&I-449)		11,34,642 ·65	10,80,137 ·80	6,68,498 ·00	15,46,282 ·45
38. Admission Processing Charges A/c Faculty of Law and Deptt. of Computer Science (C&I-460)		1,10,673 ·00	99,533 ·00	1,13,523 ·35	96,682 ·65
39. N.S.S. Account		17,02,879 ·04	30,403 ·01	8,54,062 ·48	8,79,219 ·57
40. Delhi University Adult & Continuing Education A/c (C&I-336)		4,27,298 ·42	7,48,058 ·85	8,44,899 ·00	3,30,458 ·27
41. Group Insurance Scheme (C&I-374)		99,726 ·33	1,27,83,978 ·89	1,27,90,213 ·61	93,491 ·61
42. Delhi University Pension A/c (C&I-471)		1,00,000 ·00	9,21,427 ·00	9,26,069 ·00	95,358 ·00
Grand Total (1-42)		7,62,76,068 ·30	80,66,26,097 ·78	78,37,62,762 ·05	9,91,39,404 ·03

Astt. Registrar (A/cs-I)  
University of Delhi  
Delhi-110007

Finance Officer  
University of Delhi  
Delhi-110007

Treasurer  
University of Delhi  
Delhi-110007

## NOTES:

## 1. INTER BANK TRANSFERS:

As on 31-3-1991, the following Inter Bank Transfers made during the year 1990-91 and earlier years remained unadjusted:—

S. No.	FROM	TO	AMOUNT Rs.
1.	Maintenance Grant A/c	Delhi University Press A/o	25,00,000
2.	Maintenance Grant A/c	Miscellaneous A/c	10,00,000
3.	Plan Development A/c	Maintenance Grant A/c	20,000
4.	Miscellaneous A/c	Maintenance Grant A/c (SDC)	20,000
5.	Plan Development A/c	Miscellaneous A/c	6,60,000
6.	Miscellaneous A/c	Delhi University Press A/c	14,71,000
7.	Miscellaneous A/c	Faculty Development Fund	30,000
8.	Other Body Scholarship (C&I-165)	CSIR Fellowship (C&I-99)	1,86,421
9.	UGC Fellowship (C&I-131)	CSIR Fellowship (C&I-99)	4,00,000
10.	Research Scheme (C&I-148)	CSIR Fellowship (C&I-99)	1,70,000

## UNIVERSITY OF DELHI

## 2. Rectification of misclassification in the Cash Books:

The following Inter Bank Transfers due to Misclassification in Cash Books relating to 1990-91 were required to be carried out during 1991-92.

S. No.	FROM	TO	AMOUNT Rs.
1.	Miscellaneous A/c	Plan Development A/c	5,99,693.00
2.	Maintenance Grant A/c	Miscellaneous A/c	5,895.69

Asstt. Registrar (A/cs-I)  
University of Delhi  
Delhi-110007

Finance Officer  
University of Delhi  
Delhi-110007

Treasurer  
University of Delhi  
Delhi-110007



## BALANCE SHEET OF THE UNIVERSITY MAINTAINED HALLS/HOSTELS

As on 31-3-1990	FUNDS OF LIABILITIES	As on 31-3-1991
1	2	3
Rs.		Rs.
32,71,390	1. GRANTS	
	Gwyer Hall	3,38,294
	Jubilee Hall	3,53,066
	International Student House	10,05,076
	University Hostel for Women	7,75,674
	Hostel at Deptt. of Social Works	47,870
	Hostel at Deptt. of Education	1,22,129
	P. G. Men Hostel	3,14,138
	Mansarowar Hostel	7,30,906
	Geetanjlee Hostel	32,471
		37,19,624
5,89,071	2. CAUTION MONEY :	
	Gwyer Hall	51,716
	Jubilee Hall	1,22,100
	International Student House	89,350
	University Hostel for Women	1,87,850
	P. G. Men Hostel	71,968
	Mansarowar Hostel	91,800
		6,14,784
5,200	3. SECURITY :	
	Gwyer Hall	250
	Jubilee Hall	5,200
	University Hostel for Women	1,250
	Hostel at Deptt. of Social Works	42,200
	Hostel at Deptt. of Education	18,738
	P. G. Men Hostel	1,500
	Geetanjlee Hostel	15,000
		84,138
1,15,404	4. OTHER DEPOSIT :	
	Gwyer Hall	60
	Jubilee Hall	84,351
	International Student House	7,906
	University Hostel for Women	12,304
	Hostel at Deptt. of Education	4,740
	Mansarowar Hostel	28,071
		1,37,432
18,635	5. ENDOWMENT FUND :	
	University Hostel for Women	2,220
	P.G. Men Hostel	20,085
		22,305
14,555	6. P. F./G.P.F. A/c	

1	2	3
1,52,483	<b>7. HOSTEL DEVELOPMENT FUND :</b>	
	Jubilee Hall	1,200
	International Student House	1,74,188
	University Hostel for Women	38,034
	Mansarowar Hostel	21,585
		<hr/> 2,35,007 <hr/>
4,46,898	<b>8. AMOUNT PAYABLE .</b>	
	Gwyer Hall	3,26,005
	Jubilee Hall	80,727
	International Student House	6,089
	University Hostel for Women	29,609
	Hostel at Deptt. of Social Works	76,00
	Hostel at Deptt. of Education	710
	P. G. Men Hostel	1,210
		<hr/> 5,20,350 <hr/>
46,958	<b>9. EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE</b>	1,88,777
<hr/> 46,60,594 <hr/>	Total 1-9	<hr/> 55,22,417 <hr/>

**BALANCE SHEET OF THE UNIVERSITY MAINTAINED HALLS/HOSTELS  
AS ON 31-3-1991**

As on 31-3-1990	ASSETS	As on 31-3-1991
1	2	3
Rs.		Rs.
8,66,890	<b>1. Building :</b>	
	International Student House	8,66,890
	Mansarowar Hostel	29,147
		<hr/> 8,96,037 <hr/>
24,37,319	<b>2. Furniture &amp; Equipment :</b>	
	Gwyer Hall	3,84,676
	Jubilee Hall	3,53,066
	International Student House	1,38,186
	University Hostel for Women	7,75,674
	Hostel at Deptt. of Social Works	47,870
	Hostel at Deptt. of Education	1,22,129
	P. G. Men Hostel	3,14,138
	Mansarowar Hostel	7,01,759
	Geetanjlee Hostel	32,471
		<hr/> 28,69,969 <hr/>
4,68,296	<b>3. Investment :</b>	
	Gwyer Hall	12,140
	Jubilee Hall	67,373
	International Student House	70,000
	University Hostel for Women	1,52,000
	P. G. Men Hostel	78,240
	Mansarowar Hostel	77,000
		<hr/> 4,56,753 <hr/>

1	2	3
24,500	4. <b>Security :</b> Gwyer Hall Hostel at Deptt. of Education P. G. Men Hostel Mansarowar Hostel	16,100 19,448 5,400 19,000 <hr/> 59,948
5,500	5. <b>Permanent Advance :</b> Jubilee Hall University Hostel for Women Mansarowar Hostel	5,000 200 1,000 <hr/> 6,200
1,30,758	6. <b>Other advances :</b> Gwyer Hall Jubilee Hall International Student House University Hostel for Women Hostel at Deptt. of Social Works P. G. Men Hostel Mansarowar Hostel	1,07,556 3,900 31,673 3,600 4,205 13,139 3,680 <hr/> 1,67,753
56,930	7. <b>Amount Receivable :</b> Gwyer Hall Jubilee Hall International Student House University Hostel for Women P. G. Men Hostel Mansarowar Hostel	17,267 91,482 3,973 2,530 11,195 5,491 <hr/> 59,938
1,52,483	8. <b>Hostel Development :</b> International Student House	174,188 <hr/> 1,74,188
10,165	9. <b>Conveyance Loan :</b> Gwyer Hall  Jubilee Hall Mansarowar Hostel	1,653  7,614 15,200 <hr/> 24,467
5,04,753	10. <b>Cash at Bank :</b> 11. <b>Untraceable Amount (Gwyer Hall)</b>	8,05,786 1,378
46,60,594	Total 1—11	55,22,417

ASSISTANT REGISTRAR (A/cs-I)  
UNIVERSITY OF DELHI  
DELHI-110007

FINANCE OFFICER  
UNIVERSITY OF DELHI  
DELHI-110007

TREASURER  
UNIVERSITY OF DELHI  
DELHI-110007

## STATEMENT NO. 6

## RECEIPT &amp; PAYMENT ACCOUNT (INCLUDING OPENING &amp; CLOSING BALANCE) OF THE UNIVERSITY MAINTAINED HALLS/HOSTELS FOR THE YEAR 1990-91

Name of Halls/ Hostels	Opening Balance as on 1-4-90		Rectification		Grants		Receipt during the year 1990-91		Payment during the year 1990-91		Closing Balance as on 31-3-91	
	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.
1. Gwyer Hall	20,110	29	(—)1,378	14	9,43,000	00	3,41,645	25	13,29,513	05	(—)26,135	65
2. Jubilee Hall	2,19,619	83	—	—	10,29,000	00	4,40,664	14	14,11,033	17	2,78,250	80
3. International Student House	4,932	97	—	—	8,82,500	00	4,74,329	52	13,51,360	46	10,402	03
4. University Hostel for Women	88,013	50	—	—	8,14,960	00	8,67,066	00	16,59,452	50	1,10,587	00
5. Hostel at Deptt. of Social Work	1,00,969	72	—	—	3,06,000	00	1,98,512	80	4,80,094	45	1,25,388	07
6. Hostel at Deptt. of Education	8,059	69	—	—	1,08,326	00	53,700	00	1,40,933	00	29,152	00
7. P.G. Men Hostel	1,31,723	41	—	—	7,50,499	00	1,58,566	15	8,85,948	97	1,54,839	59
8. Mansarowar Hostel	40,352	41	—	—	7,15,000	00	3,90,395	70	10,41,274	00	1,04,474	11
9. Geetanjlee Hostel	—	—	—	—	20,000	00	48,978	20	50,150	64	18,827	56
Total	6,13,781	82	(—)1,378	14	55,69,285	00	29,73,857	76	83,49,760	24	8,05,786	20

Accounts at Sl. No. 5 and 9 are being included for the 1st time.

ASSISTANT REGISTRAR (A/cs-I)  
UNIVERSITY OF DELHI  
DELHI-110007.

FINANCE OFFICER  
UNIVERSITY OF DELHI  
DELHI-110007.

TREASURER  
UNIVERSITY OF DELHI  
DELHI-110007.

## STATEMENT NO. 5

## INCOME &amp; EXPENDITURE ACCOUNT OF THE UNIVERSITY MAINTAINED HALLS/HOSTELS FOR THE YEAR 1990-91

Name of Halls/Hostels	As on 31-3-90		Adjustment		Income		Expenditure		As on 31-3-1991	
	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.
1. Gwyer Hall	(—)1,87,945	70	—	—	12,06,427	50	12,20,173	05	(—)2,01,691	25
2. Jubilee Hall	77,665	27	—	—	12,96,267	63	12,85,890	80	88,042	20
3. International Student House	(—)1,003	45	—	—	9,70,277	06	9,56,569	94	12,703	67
4. University Hostel for Women	(—)20,972	31	(+ )2,400	00	13,77,342	05	13,61,118	85	(—)2,349	11
5. Hostel at Deptt. of Social Work	(—)13,464	78	—	—	4,04,751	00	3,84,633	98	6,652	24
6. Hostel at Deptt. of Education	8,059	69	—	—	1,62,026	00	1,40,933	00	29,152	69
7. P.G. Men Hostel	1,40,292	41	—	—	8,24,999	10	7,97,240	92	1,68,050	59
8. Mansarowar Hostel	38,921	23	(+ )16,000	00	8,70,869	70	8,41,402	00	84,388	93
9. Geetanjlee Hostel	—	—	—	—	21,507	55	17,679	99	13,827	56
Total	41,552	46	18,400	00	71,34,467	59	70,05,642	53	1,88,777	52

Account at Sl. No. 5, 6 and 9 are being included for the 1st time.

ASSISTANT REGISTRAR (A/cs-I)  
UNIVERSITY OF DELHI  
DELHI-110007.

FINANCE OFFICER  
UNIVERSITY OF DELHI  
DELHI-110007.

TREASURER  
UNIVERSITY OF DELHI  
DELHI-110007.

**DELHI UNIVERSITY PRESS**  
**UNIVERSITY OF DELHI**  
**DELHI-110007**

STATEMENT NO. 7

## BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 1991

As on 31-3-90	ASSETS		As on 31-3-91
Rupees			Rupees
13,10,283	1. Machinery, Furniture & Equipment . . . . .	26,69,573	
	Less Depreciation . . . . .	13,49,346	
		13,20,227	
	Assets disposed . . . . .	84,636	12,35,591
2,08,705	2. Composing Materials . . . . .	7,81,887	
	Less Depreciation . . . . .	5,94,095	1,87,792
13,08,300	3. Amount Receivable . . . . .		12,92,665
	4. Stock in Hand :		
1,95,188	(a) Raw Materials . . . . .		93,814
54,375	(b) Finished Goods . . . . .		32,601
82,667	5. Work in Progress . . . . .		73,350
1,000	6. Permanent Advance . . . . .		1,000
1,54,466	7. Cash at Bank . . . . .		68,639
10,460	8. Festival Advance . . . . .		10,490
31,48,683	9. Loss (Accumulated) . . . . .		40,33,952
65 04,127	Total . . . . .		70,29,894
As on 31-3-90	FUNDS & LIABILITIES		As on 31-3-91
Rupees			Rupees
	1. Grants :		
1,62,442	(a) UGC Special Grants . . . . .		1,62,442
9,08,764	(b) Grant out of Block Grants . . . . .		9,08,764
12,04,306	(c) Grant from Ford Foundation . . . . .	12,04,306	
	Less Capital Investment written off . . . . .	84,636	11,19,670
5,36,000	(d) Plan Account . . . . .		5,36,000
2,75,000	2. Depreciation Reserve Fund . . . . .		25,000
	3. Sundry Creditors :		
10,622	(a) Receipts relating to other department . . . . .		10,702
1,31,048	(b) Deduction from salary bills . . . . .		1,35,277
2,12,417	(c) Bills Payable . . . . .		1,50,511
	4. Loan Advances :		
7,528	(a) Advance for work to be done . . . . .	7,528	
30,53,000	(b) Inter-Bank Transfer . . . . .	39,71,000	
3,000	(c) Earnest Money . . . . .	3,000	
65,04,127	Total . . . . .		70,29,894

Note on Account : Assets : Sl. No. 3 : Out of the outstanding amount of Rs. 12,92,665/- an amount of Rs. 3,73,199/- is due from the indenters other than the University and its departments.

MANAGER

FINANCE OFFICER

TREASURER

## PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR 1990-91

STATEMENT NO. 8

Expenditure	1990-91	Previous Year	Income	1990-91	Previous Year
<b>1. Opening Stock :</b>					
(a) Raw Materials . . . . .	1,95,188	1,22,744	<b>1. Receipts :</b>		
(b) Finished Goods . . . . .	54,375	24,158	(a) Printing & Binding Bills . . . . .	26,45,348	—
2. Work in Progress . . . . .	82,667	3,96,142	(b) Sale of waste paper . . . . .	33,168	—
3. Pay & Allowances . . . . .	27,01,018		(c) Miscellaneous Receipts . . . . .	2,539	28,11,202
O.T.A. . . . .	38,833		* (d) Sale of Machine . . . . .	2,50,000	—
L.T.C. . . . .	35,194		(e) Write back of the amount of depreciation wrongly charged to profit & Loss account in previous years in r/o the Machine purchased from Ford Foundation Grant . . . . .	84,636	—
Tuition Fee . . . . .	3,057				
E.S.I.C. . . . .	16,031				
Bonus . . . . .	1,11,315	29,05,448	25,25,270		
<b>4. Purchase of Raw Materials . . . . .</b>					
5. Miscellaneous Cont. Expenditure . . . . .	71,494	99,759	<b>2. Closing Stock :</b>		
6. Rate, Rent & Taxes . . . . .	5,992	6,375	(a) Raw material . . . . .	93,814	1,95,188
7. Work done through outside agencies . . . . .	2,94,822	3,23,729	(b) Finished Goods . . . . .	32,601	54,375
8. Depreciation :			3. Work in Progress . . . . .	73,350	82,667
(a) Composing Material . . . . .	25,046	28,259	4. Loss . . . . .	8,78,601	8,32,585
(b) Machinery, Furniture & Equipment . . . . .	1,06,392	52,314			
9. Bank Charges . . . . .	410	—			
10. Miscellaneous Expenses on instalation of Machine (Amount wrongly added in asset last year). . . . .	15,000	—			
<b>Total . . . . .</b>	<b>40,94,057</b>	<b>39,76,017</b>	<b>Total . . . . .</b>	<b>40,94,057</b>	<b>39,76,017</b>

\*Machine sold last year. wrongly credited of Reserve Funds. Entry is now corrected.

## CONSUMPTION OF RAW MATERIALS FOR THE YEAR 1990-91

Items	Opening Balance as on 1-4-90	Total bills paid during the year 1990-91	Less bills paid in r/o previous year's purchase	Add bills payable as on 30-3-91	Raw Material purchased during the year 90-91	Raw Material consumed during the year 90-91	Closing Stock of Raw Materials as on 1-3-1991
Paper . . . . .	1,58,778	3,50,866	72,266	34,138	3,12,738	3,89,617	81,899
Binding Materials . . . . .	20,647	12,933	4,940	—	7,993	23,645	4,995
Mono Spools . . . . .	—	—	—	—	—	—	—
Lubricant . . . . .	—	8,100	—	—	8,100	8,100	—
Ink . . . . .	15,763	10,875	4,661	2,178	8,392	17,235	6,920
<b>Total . . . . .</b>	<b>1,95,188</b>	<b>3,82,774</b>	<b>81,867</b>	<b>36,316</b>	<b>3,37,223</b>	<b>4,38,597</b>	<b>93,814</b>

MANAGER

## STATEMENT NO. 7

## Abstract of Receipt and Payment and Cash Balance—1990-91

	Rs.	Ps.
Opening Balance as per Cash Book as on 1-4-1990 . . . . .	—	1,54,465.89
Add : Receipt during the year including temporary transfer . . . . .	—	47,19,991.39
Less : Payment during the year including temporary transfer . . . . .	—	48,05,818.51
Closing Balance as per Cash Book as on 31-3-1991 . . . . .	—	68,638.77

- Note :
1. Out of Rs. 18,02,000/- transferred from maintenance Grant Account during the earlier year 2,52,000/- has since been adjusted during the year 1990-91. During 1990-91, a further transfer of Rs. 9,50,000/- was made. Thus an amount of Rs. 25,00,000/- transferred from maintenance Grant Account remained unadjusted as on 31-3-1991.
  2. Out of Rs. 12,51,000/- transferred from miscellaneous Account during the earlier years, Rs. 1,30,000/- has been adjusted during 1990-91. During 1990-91 a further transfer of Rs. 3,50,000/- was made. Thus an amount of Rs. 14,71,000/- transferred from the Miscellaneous account remained unadjusted as on 31-3-1991.

ASSISTANT REGISTRAR (A/cs-I)  
UNIVERSITY OF DELHI,  
DELHI-110007.

FINANCE OFFICER  
UNIVERSITY OF DELHI,  
DELHI-110007.

TREASURER  
UNIVERSITY OF DELHI,  
DELHI-110007.

## AUDIT CERTIFICATE

I have examined the Receipts and Payments Account/Income and Expenditure Account for the year ended 31st March, 1991 and the Balance Sheet as on 31st March, 1991 of University of Delhi other than its maintained institutions. I have obtained all the information and explanations that I have required, and subject to the observations in the appended Audit Report, I certify, as a result of my audit, that in my opinion these accounts and Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the University of Delhi other than its maintained institutions according to the best of information and explanations given to me and as shown by the books of the organisation.

B. P. MATHUR  
Director General of Audit  
Central Revenues

Place : New Delhi  
Date : 9-10-92

AUDIT REPORT ON THE UNIVERSITY OF DELHI  
FOR THE YEAR 1990-91

## 1. Introduction

The University of Delhi was established in May 1922 mainly to provide for instruction and research in various branches of learning, to award degrees and for that purpose to establish and maintain Colleges, Halls and Institutions. The University is financed mainly by grants from the University Grants Commission (UGC). During 1990-91 the University received Rs. 2767.87 lakhs as grant, maintenance grant : Rs. 2464.87 lakhs, Plan development : Rs. 284.18 lakhs and miscellaneous account : Rs. 18.82 lakhs. Maintenance grants included Rs. 171.50 lakhs received in advance for 1991-92.

The accounts of the University are audited under Section 19(2) of the Comptroller and Audit General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971. The annual accounts of the University for the year 1990-91 comprised of an abstract of receipts and payments of the University and its press, consolidated Receipts and Payments account of the University Halls/hostels, Income and Expenditure

account of the University, Profit and Loss account of its Press Consolidated balance sheet of University maintained Halls/hostels and balance sheet of the University and its Press.

## 2. Consolidation of accounts

The University had prepared consolidated annual accounts of its maintained Halls/Hostels for the year 1990-91, but the same had not been incorporated in the main accounts of University as required.

The Consolidated accounts of the maintained institutions/Colleges were also required to be submitted for audit and certification along-with the university's main accounts. The accounts for the year 1991-92 had not been consolidated so far (September 1992).

## 3. Valuation and Verification of assets

Following assets for Rs. 52.79 crores were reflected in the balance sheet of the University as on 31st March 1991.

S. No.	Nature of assets	Value of assets (Rs. in lakhs)
1.	Land . . . . .	130.87
2.	Building . . . . .	1816.95
3.	Furniture and equipments . . . . .	1725.83
4.	Vehicles . . . . .	26.64
5.	Science apparatus . . . . .	162.70
6.	Books and Periodicals . . . . .	1414.46
7.	Sports equipments and trophies . . . . .	1.56
Total . . . . .		5279.01

(a) The value of assets shown in the balance sheet could not be verified as :—

(i) the centralised assets register under each category indicated only the total amount of opening balance,

expenditure incurred during the year and the closing balance without giving broad details of the assets concerned. The Centralised register was not being maintained in the prescribed form.

- (ii) the stock register maintained by the Departments excluded all assets costing less than Rs. 1000/- each and the progressive totals had not been arrived at by the departments, and

- (iii) No reconciliation between the centralised assets register maintained by the University and stock registers of the departments of the University had been done.

(b) Property register showing details of land and building, i.e. Khasra number, plot number of its boundaries, value of each item and approved design was required to be maintained by the University. No such register was maintained by the University. As such, value of land and building as shown in the balance sheet could not be verified.

Similar irregularities were also pointed out in the Audit Reports for the year 1987-88 to 1989-90.

#### 4. Provident Fund accounts

As on 31st March 1991, liability on account of provident fund had been shown as Rs. 2808.41 lakhs. This liability could neither be verified nor was the exact liability on this account ascertainable as the work relating to completion of squaring up of the broad-sheets of provident funds was in arrears since 1986-87 despite the fact that a special cell had been created in July 1988. Further, there was a difference of Rs. 53,41,466.93 between the accounts figures and the total of balances in the individual accounts at the end of 1985-86. This short-coming was also pointed out in the Audit Report for 1989-90.

#### 5. Other deposit accounts (Rs. 38.34 lakhs)

A sum of Rs. 38.34 lakhs had been shown on the liabilities side of the balance sheet as on 31st March 1991 under the head "Other deposit and remittance" as under:—

S. No.	Head of account	Balance as on 31st March, 1991 (in lakhs of Rs.)
1.	Deposits . . . . .	16.57 lakhs
2.	Other Deposits . . . . .	26.34 lakhs
3.	Deduction from salary . . . . .	(—)4.57 lakhs
	<b>Total . . . . .</b>	<b>38.34 lakhs</b>

(i) The balances under these heads could not be verified as the respective ledgers/records were not made available.

(ii) Under the sub-head "Deductions from salary" there were minus balances in respect of the following units:—

Head of account	Amount (Rs. in lakhs)
Non Plan . . . . . (Main Campus)	(—) 5,88,169.55
South Delhi Campus . . . . .	(—) 2,91,920.64
Plan . . . . .	
South Delhi Campus . . . . .	(—) 4,147.39
Asiad 1982 . . . . .	(—) 4,337.92
Staff quarters . . . . .	(—) 3,550.45

This indicated that the remittances had exceeded the recoveries effected from the salary bills. This was also pointed out in the Audit Report for 1989-90.

The University had stated, in March 1991, that the reasons were being looked into. However, no progress had been made in the matter.

#### 6. Amount payable Rs. 18.08 lakhs

An amount of Rs. 18.08 lakhs was shown on the liability side of the balance sheet as amount payable. This comprised of Rs. 10.14 lakhs on account of books purchased, Rs. 0.22 lakh on account of buildings and Rs. 7.01 lakhs on account of other charges relating to 1990-91. The amount of Rs. 00.71 lakh relating to University Engineer was payable for earlier years.

#### 7. Amount receivable Rs. 3.82 lakhs

The amount of Rs. 3.82 lakhs shown on the assets side of the balance sheet as amount receivable comprised of Rs. 1.92 lakhs on account of licence fee, Rs. 0.61 lakh as dues of computer centre, Rs. 0.86 lakh as dues of guest house, Rs. 0.42 lakh on account of Royalty and Rs. 0.01 lakh on account of dues of the department of chemistry. The amounts were receivable for many years, some of them pertaining to as far back as 1978-79. Yearwise breakup of outstanding licence fee was not available with the University.

#### 8. Outstanding advance

A sum of Rs. 265.74 lakhs as under was outstanding as on 31st March 1991 on account of advanced paid to the suppliers for purchases of stores, equipment and building materials to University departments for holding conferences, seminars, payment of custom duty, opening of letters of credit for import of equipments and chemicals from abroad which were charged to the final head of account.

	Rs. in lakhs
(i) Building . . . . .	11.91
(ii) Furniture and equipment . . . . .	85.37
(iii) Science apparatus . . . . .	9.87
(iv) Research scheme . . . . .	43.13
(v) Seminars . . . . .	2.38
(vi) Other advances charged to income and expenditure account of respective years	113.08
	<b>265.74</b>

(i) Advances amounting to Rs. 12.24 lakhs, Rs. 33.64 lakhs and Rs. 73.93 lakhs pertained to the previous years upto 1987-88, 88-89 and 1989-90 respectively. These amounts were required to be adjusted before the close of the financial year in which these were paid.

(ii) Other advances (Rs. 113.08 lakhs) included advances amounting to Rs. 90.55 lakhs paid to the various colleges/institution for conducting examination. The unadjusted advances were outstanding for many years from as far back as 1981-82.

There was no progress in adjustment of the advances paid during 1981-82 to 1986-87. The outstanding advances had increased from Rs. 73.87 lakhs in 1989-90 to Rs. 90.55 lakhs in 1990-91.

The University stated in July 1992, that the outstanding advance under "other advances" has come down to Rs. 58.78 lakhs.



## 9. Non-maintenance of broad-sheets

The following loans and advances appeared on the assets side of the balance sheet as on 31st March 1991 :—

Head	Amount (Rs. in lakhs)
House building advance . . . . .	658.27
Conveyance advance . . . . .	18.51
Conveyance loan . . . . .	3.81

(i) The balance shown against conveyance advance included an amount of Rs. 0.95 lakh on account of festival advance.

(ii) The correctness of the amount shown against house building advances could not be verified as the broad-sheet was not closed since 1986-87.

(iii) Against the amount of Rs. 17.56 lakhs shown as conveyance advance in the working sheet to the balance sheet

the amount as per the broad-sheet was Rs. 17.18 lakhs. The differences of Rs. 0.8 lakh had not been reconciled.

The above deficiencies were also pointed out in the Audit Reports for 1988-89 and 1989-90.

## 10. Depreciation reserve fund

An amount of Rs. 69.82 lakhs had been shown as Departments. Out of Rs.1.70 lakhs outstanding upto 31st balance sheet as on 31st March, 1991. Since the University is fully funded by the UGC creation of the depreciation reserve fund was irregular. This was also pointed out in the Audit Report for 1989-90.

## 11. Bank reconciliation

The University operates 71 bank accounts. A review of the bank reconciliation statements relating to 67 accounts (North Campus) upto March 1991 revealed differences between the balances shown in the bank pass books and the University's cash book which had not been settled as per details given below :—

S.No.	Particulars	Difference/outstanding for			Total
		Over three years	Between one and three years	Less than one year	
1.	Amount credited by bank but not appearing in the cash book . . . . .	2.86	1.76	42.31	46.93
2.	Cheques issued but not encashed . . . . .	—	1.81	181.72	183.53
3.	Debit given by the bank but not withdrawn/accounted for . . . . .	0.08	21.45	406.42	427.95
4.	Amount remitted to bank but credit not allowed by the bank . . . . .	0.08	0.02	247.29	247.39
		3.02	25.04	877.74	905.80

No bank reconciliation in respect of 4 accounts operated by South Delhi Campus, had been done during 1990-91. Out of these four, reconciliation in respect of one account was in arrear since November 1989.

## 12. Unutilised grant

Against the liability of Rs. 247.55 lakhs on account of unutilised grants relating to Plan development account, the University had shown corresponding assets of Rs. 253.34 lakhs on the asset side of the balance sheet as on 31st March 1992 (Rs. 131.89 lakhs) in the development investment account and Rs. 121.45 as the closing balance. Thus, there was a difference of Rs. 5.79 lakhs between assets and liabilities of the plan development account. In addition, the closing balance of Rs. 4.34 lakhs relating to Japanese grant, Asiad 82 and staff quarters shown under "Miscellaneous account" should also have been shown under plan-development account. The over all difference of Rs. 10.13 lakhs had not been reconciled.

## 13. Physical verification of library books

As per the Government Financial Rules, physical verification of books was required to be conducted every year in the case of libraries having not more than 20,000 volumes, at interval of not more than three years, in the case of libraries having more than 20,000 volumes and not more than 50,000 volumes and in the case of libraries having more than 50,000 volumes, sample verification at an interval of not more than five years must be done and if such a sample verification revealed unusual and unreasonable shortages, complete verification must be conducted.

The University had a collection of more than 11.50 lakhs volumes. Last complete physical verification was done in 1971, in which, 0.53 lakh volumes were found short/missing. Since then, complete physical verification had not been done by the University, though a stock verification cell was established in 1976.

The University stated, in July 1992, that the value of 25012 found lost were written off and thus the issue of 1971 stock verification stood settled. It further stated that sample verification was against in process and the same was

likely to be completed by the end of 1992 summer vacation. Complete verification, if necessary, would be done if unreasonable and unusual shortages were noticed. The contention of the university was not correct as it was to conduct complete verification as large number of shortages were noticed in the sample verification undertaken in 1971. A sample verification has been prescribed only with a view to finding, if shortages are unusual so that complete verification is taken up. Therefore, another sample verification when unusual shortages had already been established, did not ensure proper existence and custody of library books.

## 14. Outstanding dues of University Press (Rs. 12.93 lakhs)

As on 31st March 1991 an amount of Rs. 12,92,665.42 was receivable by the Press from departments, colleges, outside parties etc. The details of the amount receivable are as under :—

Year from which due	Amount (Rs. in lakhs)
1975-76 to 1980-81 . . . . .	1.41
1981-82 . . . . .	0.63
1982-83 . . . . .	0.14
1983-84 . . . . .	0.52
1984-85 . . . . .	0.48
1985-86 . . . . .	0.33
1986-87 . . . . .	0.24
1987-88 . . . . .	0.27
1988-89 . . . . .	0.14
1989-90 . . . . .	0.81
1990-91 . . . . .	7.96
	12.93

Out of the amount receivable an amount of Rs. 3.73 lakhs was receivable from indentors others than the University Departments. Out of Rs. 1.70 lakhs outstanding upto 31st March 1981 as on 31st March 1990 only Rs. 0.29 lakh had been recovered during the 1990-91.

The University stated, in July 1992, that out of total receivable amount of Rs. 12.93 lakhs, Rs. 7.79 lakhs had already been recovered and efforts to reduce the outstanding further would be continued.

#### 15. Deduction from salary Rs. 1.35 laks

On the liability side of the balance sheet of the Press, a sum of Rs. 1,35,277 had been shown under the head "deduction from salary bills". The deduction from salary were made on account of electric and water charges, income tax, health contribution, group insurance, life insurance premium, union fund etc. The deduction made from the salary bills were not remitted to the respective heads. The amounts were due for remittance for many years, dating back to 1975-76.

The University Press stated, in March 1992, that the liability would be liquidated after reconciliation.

#### 16. Computer Centre-Outstanding bills

The computer of the University was being utilised by it as well as other agencies on payment basis. A sum of Rs. 61,329.52 was recoverable as on 31st March 1991. The yearwise break-up of the amount was as under :—

Year	Amount recoverable
1977-78 . . . . .	17,436.67
1978-79 . . . . .	1,083.33
1979-80 . . . . .	7,065.69
1980-81 . . . . .	15,463.30
1981-82 . . . . .	3,328.89
1983-84 . . . . .	9,196.11
1984-85 . . . . .	5,583.33
1985-86 . . . . .	2,172.20
	<hr/> 61,329.52 <hr/>

The University stated in March 1992, that regular reminders were being issued though during the span of 15 years now most of the personnel either might have relinquished/retired or the private firms dissolved and there seemed no hope of further realisation.

#### 17. Delay in getting insurance claim (Computer Centre)

The University acquired and installed a computer IBM/360/44 out of Ford Foundation Grant at a cost of Rs. 171.76 lakhs in 1971.

A fire brokeout in December 1985 in the air conditioning room of the centre destroying completely the hardware and the software components. The entire system was insured for Rs. 80.70 lakhs with M/s. United India Insurance, while the actual cost of the equipment was Rs. 171.76 lakhs at the time of preferring the claim with the Insurance Company. The Insurance Company had agreed to settle the claim for Rs. 48.25 lakhs out of which a sum of Rs. 42.04 lakhs had been received by the University. A sum of Rs. 6.21 lakhs due from them had not been received so far (March 1992). The University stated in March 1992 that the balance amount would be released by the Insurance Company on final replacement of the computer system.

Further, the University had also not written off the value of the equipment which was damaged in the fire (December 1985).

#### 18. Non-refund of Rs. 414.34 lakhs to UGC in respect of contribution to contributory provident fund.

The existing employees who joined service prior to 1st January, 1986 were given the option from time to time to opt for the General Provident Fund-Cum-Pension-Cum-Gratuity Scheme. In the case of employees who opted for the above scheme, employers share towards contributory provident fund plus interest thereon was required to be withdrawn from their fund account and refunded to the UGC. The University withdrew the employer's share plus interest thereon in respect of those employees who opted for the above scheme and total amount accumulated on this account as on 31st March 1991 was Rs. 514.34 lakhs. Out of the amount of the contribution which was required to be refunded to UGC, the UGC permitted the University to utilise Rs. 2 crores towards meeting partly the expenditure on construction of staff quarters (Housing Schemes) estimated to cost Rs. 3 crores approved by UGC. The utilisation was subject to approval of Government of India. The University had, however, utilised Rs. 270.71 lakhs up to 31st March 1991 without prior permission of UGC/Government of India and had not refunded the balance amount of Rs. 243.63 lakhs to the UGC.

#### 19. Specific schemes/projects

The University was operating 140 specific schemes sponsored by various agencies during 1990-91. In all it had spent Rs. 26.83 lakhs in excess of grants received from the sponsoring agencies for these schemes. While there were balances against the grants received in respect of some of the schemes, excess expenditure was incurred for other resulting in net excess expenditure of Rs. 26.83 lakhs. The excess expenditure was met out of the balances of other schemes and by diversion of funds out of the grant received from the UGC unauthorisedly. In some of the schemes minus balances were appearing since 1985-86. The University stated, in July 1992, that efforts would be made to wipe off the minus balance.

#### 20. Outstanding Inspection Reports/paras

At the close of audit for the year, 11 Inspection Reports with 87 paras were still outstanding as detailed below :—

S.No.	Year of the Inspection Report	Total number of paras outstanding
1.	1976-77 . . . . .	2
2.	1979-80 . . . . .	2
3.	1981-82 . . . . .	5
4.	1982-83 . . . . .	4
5.	1983-84 . . . . .	3
6.	1984-85 . . . . .	5
7.	1985-86 . . . . .	2
8.	1986-87 . . . . .	9
9.	1987-88 . . . . .	22
10.	1988-89 . . . . .	13
11.	1989-90 . . . . .	20
		<hr/> 87 <hr/>

B. P. MATHUR  
Director General of Audit  
Central Revenue

Place : New Delhi

Date : 9-10-92

## OFFICE OF THE PUNJAB WAKF BOARD

Ambala Cantt., The 10<sup>th</sup> March, 1993.

No. Wakf/51/Gen./Pub./Gazette/490/92.—In exercise of the powers conferred under Section 27 of the Wakf Act, 1954 which is exercisable by me under delegation of powers by the Administrator, Punjab Wakf Board under section 22 of the Wakf Act, 1954 the following properties are hereby declared as Sunni Wakf.

S. No.	Name of Wakf	District Tehsil	Village	Khasra No.	Area	Value	Nature and object of Wakf	How the Wakf is administered	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
					K M				
1.	Graveyard	Amritsar Amritsar	Lahori Mal HB 405	74/2	4-08M	20,000/-	Religious	Under the management of Punjab Wakf Board Ambala Cantt.	Sunni Wakf.
2.	Do.	Amritsar	Kalsian Kalan	277	13-16	70,000/-	Do.	Do.	Do.
3.	Do.	Patti Amritsar	Pandher Kalan HB 323	260	5-05	30,000/-	Do.	Do.	Do.
4.	Do.	Amritsar Kapurthala	Chakoki	39	15-19	80,000/-	Do.	Do.	Do.
5.	Takia	Kapurthala Jalandhar	Shafipur HB 406	53	2-00	12,000/-	Do.	Do.	Do.
6.	Graveyard	Jalandhar	Bhikha Nangal Jalandhar	32	3-01	6,100/-	Do.	Do.	Do.
7.	Do.	Jalandhar	Boola HB 348	56	62-00	3,10,000/-	Do.	Do.	Do.
8.	Do.	Do.	Ladhran HB 318	53	4-05	42,500/-	Do.	Do.	Do.
9.	Khamoah	Do.	Do.	54/2 54/1	0-08 3-15	41,500/-	Do.	Do.	Do.
10.	Graveyard	Do.	Basti Sheikh Darvesh HB 308	1900	6-04	6,20,000/-	Do.	Do.	Do.
11.	Do.	Do.	Badiana HB 197	57 58	0-18 1-11	4,900/-	Do.	Do.	Do.
					2-09				
12.	Do.	Do.	Alawalpur HB	104 157 153 165/2 163 165/1 156 161/1 103	7-03 4-11 42-01 4-03 15-01 3-11 8-16 17-02 1-19	1,15,000/-	Do.	Do.	Do.
					104-07				

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
13. Takia		Do.	Do.	24/26 27/28 124	1-03 0-05 2-09 <hr/> 3-17	36,500/-	Under the Management of Punjab wakf Board Ambala Cantt.	Religious	Sunni Wakf
14. Khanqah		Do.	Do.	63/6/3	0-07	3,500/-	Do.	Do.	Do.
15. Khanqah Mukam Lakha Datta		Do.	Do.	35/27	0-07	3,500/-	Do.	Do.	Do.
16. Graveyard		Do.	Garha Vahanda HB 304	402	9-04	9,20,000/-	Do.	Do.	Do.
					K-M				
17. Masjid	Jalandhar Phillaur	Chhavla HB 155	23/2 24 968 987	1-14 1-12 8-00 8-00 <hr/> 19-06	3,50,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.
18. Graveyard	Do.	Nagar(147)	95 97	22-10 0-19 <hr/> 23-09	3,80,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.
19. Do.	Do.	Dosanjh Khurd HB 218	43	25-15	3,45,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.
20. Khanqah	Do.	Do.	91	2-04	38,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.
21. Graveyard	Faridabad	Atwa	73	4-00	50,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.
	Palwal								
22. Do.	Do.	Palwal	429	1-03	13,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.
23. Do.	Gurgaon	Pathrali	39	0-10	6,00,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.
	Ferozepur		40	1-03					
	Jhirka		56	1-05					
			35	16-07					
			36	6-05					
			37	1-08					
			38	9-13					
				37-13					
24. Mosque with shops	Amritsar Amritsar	Gujran	Mosque & Shop No.	855/7 852/7	40' x 50' 40' x 55'	5,00,000/-	Do.	Do.	Do.

The above items Graveyard, Takia, Khanqah, Masjid, and shops are declared as Sunni wakf shown in the Jamabandis etc.

F.O. HASHMI, Secretary.